RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2020-22
Desp. 02 June, 2022

अंक – 12 (मासिक) वर्ष – 17 जून, 2022 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

मन मंदिर में महके महेश

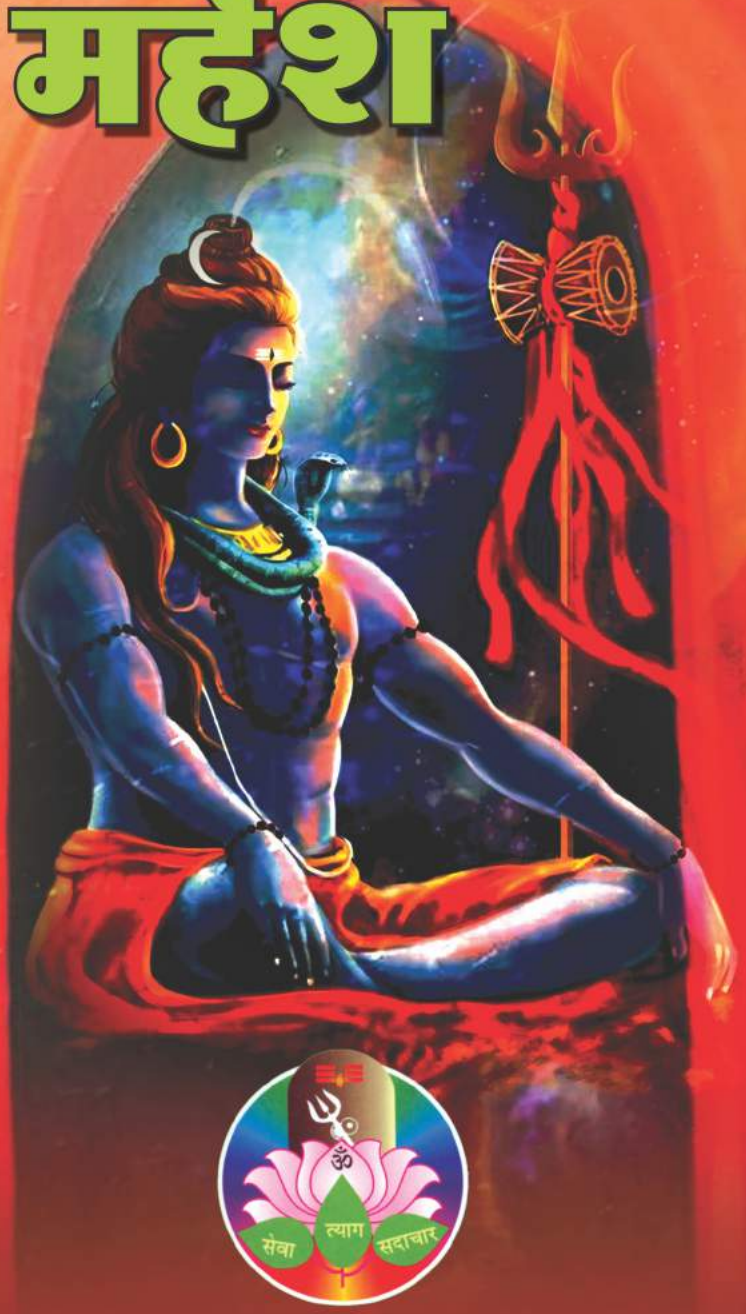

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-12 ▸▸ जून 2022 ▸▸वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
मदनमोहन पेड़ीवाल, सूरत

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

श्री माहेश्वरी टाईम्स की विनम्र अपील

समाज के उत्पत्ति दिवस 'श्री महेश नवमी' की पूर्व संध्या पर अपने आवास एवं प्रतिष्ठान पर एक

दीपक

समाज की एकता, अखण्डता व गरिमा के नाम अवश्य लगायें।

महेश नवमी के शुभ अवसर पर समस्त स्वजनों को हार्दिक मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

स्वप्न में भी शिव दर्शन कल्याणकारी

विचार क्रान्ति

जिस प्रकार रामायण प्रमाण है कि साक्षात् श्रीराम भूतभावन भगवान शिव के आराधक हैं, उसी प्रकार महाभारत प्रमाण है कि स्वयं श्रीकृष्ण विजय के लिए शिवजी को मस्तक नवाते थे। कृष्ण की द्वारिका पर इतिहास में केवल एक बार ही दैत्य शाल्व का भीषण आक्रमण हुआ था। दुर्भाग्य से उस समय कृष्ण द्वारिका में नहीं थे और दुष्ट शाल्व पूरी द्वारिका को नष्ट कर गया था। वनपर्व की कथा प्रमाण है कि जब द्वारिका पहुँचे कृष्ण आक्रमण के प्रतिशोध के लिए शाल्व वध हेतु निकले तो भगवान शिव की ही पूजा की थी। परिणामस्वरूप शाल्व मारा गया था। यह संकेत है कि युद्ध हो या संकल्प विजय और सिद्धि शिवजी की कृपा से ही मिलती है।

यह अद्भुत है कि आशुतोष शिवजी प्रत्यक्ष ही नहीं, स्वप्न तक में स्मरण करने पर कृपा कर देते हैं। महाभारत के द्रोणपर्व की एक कथा इसी प्रकार शिव-कृपा की महिमा का बोध कराती है। कथा अनुसार जब युद्ध के 13 वें दिन कौरव सेना के चक्रव्यूह में फँसकर अभिमन्यु मारा गया तो अर्जुन ने अपने पुत्र की मृत्यु के निमित्त बने जयद्रथ का वध करने की कठोर प्रतिज्ञा कर ली। अर्जुन ने शपथ ली कि यदि अगले दिन वह जयद्रथ को न मार पाया तो स्वयं अग्नि-समाधि ले लेगा। कृष्ण ऐसी अव्यावहारिक और भावुकता भरी प्रतिज्ञा पर नाराज़ हुए मगर लक्ष्य में सिद्धि के लिए अर्जुन को शिवजी की आराधना की सलाह दी।

कथा कहती है जब उस रात अर्जुन अपने शिविर में सोए तो स्वप्न में उन्होंने देखा कि कृष्ण आए और अर्जुन को परेशान देख शिवजी को प्रसन्न करने का उपदेश दिया। स्वप्न में अर्जुन मन्त्रों के साथ शिवजी को भजने लगे। फिर उन्होंने देखा कि कृष्ण उनका हाथ पकड़कर उन्हें आकाशमार्ग से शिवजी के पास कैलाश पर्वत पर ले गए। कृष्ण व अर्जुन ने शिवजी के दर्शन किए और दोनों ने भूमि पर मस्तक टिकाकर प्रणाम किया।

फिर स्तुति करते हुए बोले, 'महादेवाय भीमाय त्र्यम्बकाय च शान्तये। ईशानाय मखघ्नाय नमोएस्त्वन्धकघातिने।।' अर्थात् महान देवता, भयंकर रूपधारी, तीन नेत्र धारण करने वाले, शांतिस्वरूप, सबका शासन करने वाले, दक्ष यज्ञनाशक तथा अन्धकासुर का विनाश करने वाले भगवान शंकर को प्रणाम है। इस सहित कुल दस श्लोकों में की गई स्तुति से शिवजी प्रसन्न हुए और कृष्ण सहित अर्जुन के पास आने का कारण पूछा। यद्यपि अंतर्यामी और सबके स्वामी होने से वे दोनों के मनोरथ को सहज ही जानते थे। और तब भगवान शिव ने जयद्रथ वध के लिए अपना अमोघ पाशुपतास्त्र अर्जुन को दिया। वनपर्व की कथा में जब अर्जुन देवताओं के पास दिव्यास्त्र लेने गए थे तब ही शिवजी ने उसे यह अस्त्र दे दिया था। जिसकी सुंदर कथा कैरात पर्व में वर्णित है। स्वप्न में अर्जुन ने मानो शिव का स्मरण कर इसी अस्त्र का चिंतन किया था और शिवजी की कृपा से अगले दिन युद्ध में जयद्रथ को मार कर अपनी प्रतिज्ञा पूरी की थी।

साधो! प्रतीक यह है कि चुनौती की बेला में हम भी जब शिवजी का स्मरण करते हैं तो 'स्वप्न' में उनके दर्शन होते हैं। उनके नाम के अनुरूप उनका दर्शन स्वप्न में भी मनोरथ पूर्ण कराता और जागरण होने पर विजय दिलाता है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

उद्यमियों के लिए अवसर : प्राकृतिक जीवन पर लौटती दुनिया

विज्ञान के बलबूते अपने को ईश्वर से आगे मान लेने वाली दुनिया एक ही झटके में धरातल पर है। जब विज्ञान ने घुटने टेक दिए तब इस दंभी दुनिया को अहसास हुआ है कि प्रकृति से आगे विज्ञान नहीं जा सकता। प्रकृति यानी व अदृश्य शक्ति जिसे केवल भारतीय संस्कृति ने धर्म माना। उस शक्ति को संचालित करने वाले को ईश्वर। इसे सरलता से जीवन में प्रविष्ठ करने के लिए पूजन-पाठ, परंपराएं गढ़ी गईं। और एक ऐसी जीवन पद्धति विकसित की गई जिससे अनजाने ही हम स्वस्थ जीवन और सौहार्दपूर्ण समाज बना सकें। जहां कोई अंधी दौड़ नहीं बल्कि सहजीवन का आदर्श हिलोरे ले सके। इसी का परिणाम रहा कि भारतीय समाज एक समय सर्वोच्च ऊंचाई पर रहा। समयांतर में यह सब कुछ खो गया। लेकिन कोरोना काल के बाद भारतीय जीवन मूल्यों, परंपराओं और जीवन पद्धति को तेजी से विदेशी अपना रहे हैं।

हाल ही में उज्जैन में हुए आयुर्वेद महासम्मेलन के राष्ट्रीय महाधिवेशन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने एक स्वर पर में स्वीकारा कि मेडिकल सेक्टर का आने वाला समय आयुर्वेद का है। केंद्र सरकार के आयुष सलाहकार डॉ मनोज नसेरी आयुर्वेद के भविष्य को देखते इंडस्ट्री, व्यापार और रोजगार की व्यापक संभावनाओं को महसूस कर रहे हैं। महाधिवेशन में 100 से ज्यादा कंपनियों की भागीदारी इसका प्रमाण भी है। मप्र के मुख्यमंत्री ने प्रदेश को आयुर्वेद डेस्टिनेशन बनाने का ऐलान कर दिया।

राष्ट्रपति ने शासन, वैद्य व चिकित्सकों तथा वैज्ञानिकों को मिल कर आयुर्वेद से माध्यम से भारत की नई पहचान बनाने का सुझाव दिया। इस कड़ी में यह बहुत महत्वपूर्ण बात है कि केंद्र सरकार ने जहां खान-पान को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया है वहीं आयुष विभाग ने देशभर के स्वास्थवर्द्धक रेसिपीज को एकत्र किया है। इनके आधार पर नए स्टार्टअप व्यापार में आ रहे हैं जो विदेशों को स्वस्थ रखने वाले खान-पान एक्सपोर्ट करेंगे। इसके लिए आयुष एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल भी सरकार ने बनाई है। एक अध्ययन के अनुसार भारतीय खान-पान, इलाज, योग और प्राकृतिक जीवन शैली से जुड़ा व्यापार कुछ ही सालों में 3 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 8.2 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह बहुत बड़ा सेक्टर भारतीय युवाओं को उद्योग-व्यापार और रोजगार के लिए खुल गया है, इसका फायदा हमें उठाना चाहिए।

इधर देश की 100 स्मार्ट सिटी अब खान-पान और रहन-सहन को प्राकृतिक धरातल पर ले जाने को उद्धत है। इट राइट और प्लास्टिक से परहेज कर जीवन को स्वस्थ बनाने के इल्म विकसित किए जा रहे हैं, जिसका आधार भारतीय खान-पान है। नागरिकों को साइकिलिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पेड़ों से पत्तों से बने दोना-पत्तल कभी हमारे आयोजनों का हिस्सा थे जो प्लास्टिक के आने के बाद लुप्त हो गए लेकिन अब इन्हें फिर से प्रमोट किया जा रहा है।

बड़े होटल, रेस्टोरेंट, फूड चैन कारोबारी तेजी से इसे अपना रहे हैं क्योंकि प्लास्टिक के बर्तन कैंसर के कारक बन गए हैं। शोधों से यह भी साबित हुआ है कि प्लास्टिक के ब्रश और केमिकल के पेस्ट भी नुकसान दायी हैं। यानी हमें फिर नीम की दातून पर आना चाहिए। करोना ने नमस्ते और भोजन के पहले हाथ-पैर धोना तो सिखा ही दिया है। योग और आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर पर्यटन की नई शुरुआत भी हो चुकी है। केन्द्र सरकार हिल इन इंडिया, हिल बॉय इंडिया अभियान भी विदेशियों के लिए लेकर आ रही है।

खैर, यह अंक आपको फिर समर्पित है, सभी स्थायी स्तंभों, रोचक और ज्ञानवर्द्धक आलेखों तथा रुचिकर सामग्री के साथ। भगवान महेश नवमी के मौके पर खास सामग्री भी आप पाएंगे। सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं को महेश नवमी की शुभकामनाएं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ख्यात समाजसेवी व चिंतक के रूप में पहचान रखने वाले श्री मदनमोहन पेड़ीवाल, (सूरत) का जन्म 30 जनवरी 1961 को राजस्थान के चुरू जिले के ताल छापर गांव में स्व. श्री जगन्नाथजी एवं श्रीमती रतनीदेवी के यहां हुआ। कलकत्ता से CA की शिक्षा पूरी की। 1981 में मुम्बई (मूल बीकानेर) के स्व. जमनादासजी डागा की पुत्री रमादेवी के साथ विवाह हुआ। कलकत्ता में कुछ समय जूट का पैत्रक व्यवसाय करने के बाद 1982 में सूरत में टेक्सटाइल व्यवसाय शुरू किया। वर्तमान में दो पुत्र प्रियेश (B. Tech) एवं हर्षवर्धन (MBA) इस टेक्सटाइल व्यवसाय में सहयोगी हैं। पुत्र वधू मोनिका (CA) एवं आयुषी (MBA) है। आप सूरत की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। 2002 से दो सत्र तक प्रदेश सभा मे कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाने के बाद 2013- 2016 सत्र के लिये गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष चुने गये। प्रदेश अध्यक्ष काल में गुजरात में समाज के लिये सामाजिक सुरक्षा योजना का शुभारम्भ किया। वर्ष 2020 से सूरत माहेश्वरी भवन के अध्यक्ष हैं। आप साउथ गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य भी रहे हैं।

स्थायी विकास के लिये शिक्षा महत्वपूर्ण

सर्वप्रथम मैं समस्त स्वजातीय जनों को समाज के उत्पत्ति पर्व ''महेश नवमी'' की हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूँ और सभी के मंगल की भगवान महेश से कामना करता हूँ। इस पावन अवसर पर सभी से अपील करता हूँ कि अपनी नयी पीढ़ी को समाज के गौरवशाली इतिहास, सफल वर्तमान तथा उत्कृष्ट संस्कृति सभी से अवश्य परिचित करवाऐं, जिससे वे अपने आपके माहेश्वरी होने पर गर्व कर सकें।

माहेश्वरी समाज वर्तमान में भी देश का शीर्ष सम्पन्न समाज है। अब समाज के सर्वांगीण विकास के लिये हमारी शीर्ष संस्थाओं को दीर्घावधि एवं लघु अवधि - दोनो तरह से कदम उठाने चाहिये, योजना बनानी चाहिये। किसी भी समाज के दीर्घगामी एवं स्थायी विकास के लिये शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र को एक वैज्ञानिक आधार प्रदान कर दिया जाय तो कुछ वर्षों बाद एक अकल्पनीय विकास देखने को मिल सकता है। हमारा समाज एक प्रबुद्ध समाज है तथा आने वाली पीढ़ी में योग्यता एवं कौशल की कमी नहीं है। जरूरत है इसे चिन्हित करने की तथा सही दिशा निर्देश देने की। महासभा को प्रदेश एवं जिला सभाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक बच्चे की योग्यता का क्षेत्र निर्धारण की व्यवस्था करनी चाहिये। बड़े शहरों में केरियर गाइडेन्स की सुविधा भी उपलब्ध है तथा इसके सेमीनार भी हमारी सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जाते हैं लेकिन यह पर्याप्त नहीं हैं। ज्यादातर अभिवावक इसे गम्भीरता से नहीं लेते हैं तथा छोटी जगहों पर तो यह सुविधा उपलब्ध भी नहीं है। अतः इस प्रकार की योजनाएं बने कि प्रत्येक विद्यार्थी में छिपी नैसर्गिक अभिक्षमताओ और रुझान का पता लगाया जा सके। तदनुरूप उनकी आगे की उच्च शिक्षा हेतु विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का उचित मार्गदर्शन किया जा सके। समाज की शीर्ष संस्था यानी महासभा इसे एक अभियान के रूप मे ले कर सभी बच्चों/अभिभावकों को यह सुविधा उपलब्ध करवायें तथा सभी को प्रेरित करें इस सुविधा का लाभ लेने के लिये। इसके लिये ऐसी कई टीम बनानी चाहिये। समाज के प्रत्येक विद्यार्थी की वैज्ञानिक विधि से Aptitude Test की व्यवस्था होनी चाहिये। साथ ही पैसे की कमी के कारण समाज का कोई भी सदस्य किसी भी स्तर की शिक्षा जिसके लिये वह बौद्धिक रूप से सक्षम है, वंचित नहीं रहे यह भी सुनिश्चित करना चाहिये।

हमारे समाज मे इस क्षेत्र मे गाइड करने वाले बन्धु भी उपलब्ध हैं जो अपनी सेवा दे सकते हैं। यह अभियान राउण्ड द ईयर चलाना चाहिये नहीं तो वर्ष मे कम से कम 3 महीने का ऐसा कार्यक्रम बनाना चाहिये जिसमे इस सुविधा का लाभ सभी समाजबन्धु ले सकें। यह एक ऐसा कदम होगा जिसका परिणाम दृष्टिगत होने मे 10-12 वर्ष का समय लग सकता है लेकिन समाज को आगे ले जाने मे यह मील का पत्थर साबित हो सकता है। महासभा का वर्तमान नेतृत्व इसके लिये सक्षम भी है एवं समाज के प्रति समर्पित भी है। मैं उनसे अपील करता हूं कि इस दिशा मे आवश्यक कदम उठायें।

समाज के विकास के लिये कुछ कदम तुरन्त उठाने चाहिये। वर्तमान मे हम समय के एक ऐसे दौर से गुजरे हैं जिसकी कल्पना भी कभी नहीं की गई होगी। अनेक व्यवसाय ठप्प हो गये तथा कम या ज्यादा, समाज के सभी सदस्य नकारात्मक रूप से प्रभावित हुये हैं। आर्थिक एवं पारिवारिक दोनो तरह के नुकसान का अनुभव हमारे समाज बन्धुओं ने किया है। समय थोड़ा परिवर्तित हुआ है। समाज बन्धुओं को इस परिस्थिति से बाहर निकालने के लिये सिर्फ हमारी सामाजिक संस्थाओं का सक्रीय होना ही काफी नहीं है। इसके लिये समाज के प्रत्येक सदस्य के मन मे यह भावना विकसित होनी चाहिये कि वह अपने समाज बन्धुओं को प्राथमिकता दे। यदि वह व्यवसायी है तो उसके व्यवसाय सम्बन्धी जरूरत यदि समाज बन्धुओं से पूरी हो सकती हों तो उसे प्राथमिकता दे एवं कहीं उच्च पद पर आसीन हों तो रोजगार उपलब्ध कराने में माहेश्वरी बन्धुओं को प्राथमिकता दें। समाज में इस तरह की भावना विकसित करने मे हमारी सामाजिक संस्थाओं का एक महत्वपूर्ण रोल हो सकता है तथा इसके लिये वे एक माध्यम भी बन सकती हैं।

मदनमोहन पेड़ीवाल, सूरत
अतिथि सम्पादक

टीम SMT

श्री ब्रह्माणी मुन्दल माताजी

ब्रह्माणी मुन्दल माताजी, माहेश्वरी जाति की मूंदड़ा खांप की कुलदेवी हैं। अपने विशिष्ट चमत्कारों के कारण क्षेत्र में प्रसिद्ध तो हैं ही साथ ही जाट समाज भी कुलदेवी के रूप में पूजता है।

माताजी का प्राचीन मंदिर राजस्थान के नागौर जिले के ग्राम मुंदियाड़ में स्थित है। लाल वस्त्र धारण करने वाली स्वर्ण सिंहासन पर विराजित माताजी का यह मोहिनी रूप है। यहाँ नारीयल, मेवा, लापसी, चाँवल तथा चूरमें का भोग लगता है। ऐसी मान्यता है कि भक्तिभाव पूर्वक पूजा करने से माताजी इच्छित फल प्रदान करती है। पूजन नियमित रूप से सुबह-शाम होती है। इस स्थल पर एक प्राचीन तालाब है, वहाँ लगे शिलालेख के अनुसार यह मंदिर 6500 वर्ष पुराना है।

विशेष आयोजन

भादवा सुदी अष्टमी- कीर्तन व जागरण
भादवा सुदी नवमी- महाप्रसादी व गजानन्दजी का भव्य मेला

कैसे पहुँचें-

श्री ब्रह्माणी मुन्दल माताजी मंदिर नागौर से 25 कि.मी. दूर मुंदियाड ग्राम में स्थित है। जोधपुर-नागौर मार्ग पर नागौर से 8 कि.मी. पूर्व चिमरानी गाँव से पारासरा व बलायागाँव होते हुए सड़क मार्ग है। इसी मार्ग पर नागौर से 25 कि.मी. पूर्व भाखरोद गाँव से भी सिलगाँव होते हुए मार्ग है। नागौर से समय-समय पर बस उपलब्ध। किराये की जीप भी यहाँ से उपलब्ध हो जाती हैं।

कहाँ ठहरें

समीप गणेश मंदिर है। इस मंदिर में यात्रियों के ठहरने के लिये 6 कमरों की निःशुल्क व्यवस्था है।

Stärke

जर्मन तकनीक से बना

A PRODUCT OF

SURFACTANT INDUSTRIES

Specialist in Adhesive & Emulsion Polymers

G1-87, New Jodhpur Industrial Area, B/H NPH, Jodhpur (INDIA)
Tel.: +91 291 2740294 M: +91 98291 00870, +91 99500 82871
Email: lohiyas@gmail.com Visit us: www.woodadhesives.in
/StarkeAdhesive

Your Preferred Packaging Solution Provider

A wide range of

Corrugated Cartons

&

Die punching items

For all of your needs

Sanx Corropackaging Private Limited

Address : 14-6-407/a, First floor, Begum Bazar,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500012
Contact : 9666675008, 9666674008
Email : sales@sanxcorropackaging.com

With Best compliments from Vijayshri Agro Chemicals Private Limited, Hyderabad

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

दिनांक:- 26-05-2022
पत्र क्रमांक - 621/22

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि माहेश्वरी समाज 8 जून 2022 को "महेश नवमी" मना रहा है। इस अवसर पर सामाजिक पत्रिका "श्री माहेश्वरी टाइम्स" के विशेषांक का प्रकाशन समाज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

माहेश्वरी समाज देश और प्रदेश के उद्योग, व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। समाज ने जनसेवा के अनेक प्रकल्प भी संचालित किए हैं।

आशा है, माहेश्वरी समाज देश और प्रदेश के विकास में निरंतर सहयोग और योगदान देता रहेगा।

महेश नवमी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

(शिवराज सिंह चौहान)

अपनी श्रेष्ठ संस्कृति को बचाऐं

सभी स्वजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं और समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना। माहेश्वरी समाज वर्तमान में विश्व के श्रेष्ठतम समाजों में से एक है और इसका श्रेय जाता है, समाज की आदर्श संस्कृति व उच्च परंपराओं को। आईये इस पावन पर्व पर संकल्प लें कि हम हर हाल में अपनी संस्कृति व अपनी परंपराओं को अक्षुण्य रखेंगे, उसकी रक्षा करेंगे, क्योंकि यही हमारी पहचान है और विकास का आधार भी।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति,
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

मानवता की सेवा हमारी संस्कृति

समस्त स्वजनों को इस पावन पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपनी गौरवशाली संस्कृति को अक्षुण्य रखने की अपील करता हूं।

मानवता की सेवा करना यह माहेश्वरी समाज की संस्कृति है। इससे हमारा इतिहास भरा पड़ा है। अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर भी हमारी इसी सेवा भावना का साकार स्वरूप है, जो सतत रूप से समाजजनों को घर की सी आवास सुविधा उत्पन्न करवाता रहा है। वर्तमान में सेवा सदन के सभी भवन समयानुकूल आधुनिकतम सुविधा संपन्न स्वरूप लेते जा रहे हैं। इन सेवा भवनों के कायाकल्प में सहभागी बनने की मैं समस्त समाजजनों से अपील करता हूं। याद रखें आपका यह सहयोग इस सेवा के महायज्ञ में एक पावन आहुति होगा।

रामकुमार भूतड़ा
अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर
कोषाध्यक्ष राजस्थान प्रदेश, भारतीय जनता पार्टी

समाज अपनी विशिष्ट पहचान कायम रखें

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि समाज अपना उत्पत्ति पर्व महेश नवमी मनाने जा रहा है। इस पावन अवसर पर समाज की शीर्ष पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स महेश नवमी विशेषांक का प्रकाशन कर रही है। यह पर्व मुख्य रूप से भगवान महेश (महादेव) और माता पार्वती की आराधना को समर्पित है। भगवान महेश और माता पार्वती की कृपा से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई इसलिए भगवान महेश व माता पार्वती को माहेश्वरी समाज के संस्थापक मानकर माहेश्वरी समाज में यह उत्सव माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस के रूप में बहुत ही भव्य रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मेरी कामना है कि माहेश्वरी समाज दिन-प्रतिदिन प्रगति की ओर अग्रसर हो एवं भारतीय समाज में अपनी एक अलग पहचान कायम रखें।

आनन्द राठी
चेयरमेन, आनंद राठी ग्रुप, मुंबई

खुशियों को बांटें

महेश नवमी हमारे समाज की उत्पत्ति का पावन दिवस है। 'कहते हैं कि खुशियां बांटने से दोगुना हो जाती हैं'। तो आइये इस महेश नवमी पर हम भी एक नई पहल करते हैं जिस तरह हम अपने जन्मदिवस पर जरूरतमंदों को उनके उपयोग में आने वाली वस्तुएं उपहार स्वरूप देते हैं। महेश नवमी भी हमारे समाज की उत्पत्ति का दिवस है। आपसे अनुरोध है कि आपके पास जो भी अनुपयोगी है या जिसे आप सहर्ष देने में आनंद महसूस करेंगे, अपने हाथों से उसे किसी जरूरतमंद को दीजिये और उसकी आंखों में खुशी की चमक की अनुभूति कीजिए।

जय महेश!

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

सभी में समाज के प्रति आस्था हो

महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। याद रखें महेश नवमी का दिन हमारे लिए एक सामाजिक चिंतन का पर्व है। हमारे समाज में जब सेवा, स्नेह, समन्वय, सौहार्द, सहयोग, सौमनस्यता, सद्भाव व सहभागीता की भावना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की परंपरा निर्मित होगी, तभी सहज आनंद की अनुभूति होगी। सामाजिक संगठन की सफलता उसी में मानी जाएगी जब ये समाज के हर सदस्य में समाज के प्रति आस्था का भाव कायम रखवा सकें। सामाजिक संगठन का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए, समाज की नींव को मजबूत करना, इसके हर सदस्य, हर परिवार को सशक्त बनाना। अगर इस दिशा में कोई कमी नजर आए, तो उसे दूर करनी होगी। पारिवारिक संबंधों की महत्ता को जागृत करवाना एवं संबंधों को मधुर बनाए रखना। ऐसा होने से हम आपस में न केवल सुरक्षित ही महसूस करेंगे, बल्कि हमारी शक्तियों को अच्छे कार्यों के लिए एवं विकास के लिए बचा पाएंगे।

त्रिभुवन काबरा
उपसभापति (मध्यांचल)
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

''मैं'' का त्याग कर ''हम'' पर आऐ

समय के साथ हमारे जीवन के मूल्य भी बदल रहे हैं। परंपरा और सनातन संस्कृति पर पाश्चात्य संस्कृति हावी होती जा रही है। सादा जीवन उच्च विचार की मानसिकता की जगह बदलते जीवन मूल्यों के कारण आडंबर, दिखावा व प्रतिस्पर्द्धा का दंश समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर हर रहा है। संत तुलसीदासजी ने कहा है कि - मुखिया मुख सो चाहिए खान पान को एक, पाले पोसे सकल अंग तुलसी सहित विवेक। यह पंक्तियां न केवल परिवार के प्रमुख सदस्य के लिए अपितु समाज के उत्थान और कल्याण के लिए कार्य करने वाले हर कार्यकर्ता एवं नेतृत्व देने वाले के लिए भी प्रासंगिक है। समाजसेवा से जुड़ने के लिए मैं का त्याग एवं हम का प्रयोग अनिवार्य है। माहेश्वरी समाज के जात्योत्पत्ति के पर्व पर हम सब यह संकल्प लेकर आगे बढ़ें कि समाज हित में निष्ठापूर्वक समता के भाव के साथ सबको साथ लेकर सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित सार्थक प्रयास करेंगे।

अशोक सोमानी
उपसभापति, (उत्तरांचल)
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

समाज व राष्ट्र के विकास में सहभागी बनें

समाज के गौरवशाली उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की सभी स्वजनों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं।

इस पावन अवसर पर मैं समाज की युवा शक्ति से विनम्र अपील करना चाहता हूं कि वे समाज के गौरवशाली इतिहास को जानें व समझें तथा समाज के इस गौरव को कायम रखने के लिए अपने कर्तव्यों का निर्धारण करें। आप जिस क्षेत्र के भी विशेषज्ञ हैं, उस क्षेत्र में अपने योगदानों की समाज व राष्ट्र के लिए आहुति दें। इसके साथ ही समाज के अन्य संगठनों से भी अनुरोध करना चाहूंगा कि वे युवा शक्ति को उसकी सामर्थ्य के समुचित उपयोग के अवसर प्रदान करें, जिस से वे समाज व राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सहभागी हो सकें।

श्याम जाजू
पूर्व उपाध्यक्ष-भारतीय जनता पार्टी

घर-घर में मनाऐं महेश नवमी

सभी को उत्पत्ति पर्व की हार्दिक बधाई महेश नवमी को माता पार्वती व भगवान महेश की कृपा से हमारे पुरखों में नवजीवन का संचार हुआ, इसलिये यह तिथि पावन है। यह इसका धार्मिक पक्ष है। भगवान महेश ने उन्हें प्रतिष्ठित किया इसलिये भगवान महेश और माता पार्वती के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिये यह तिथि सर्वदा उपयुक्त है। समाज-प्रादुर्भाव दिवस होने के कारण यह उत्सव दिवस है। भगवान महेश का आदेश मानकर हमारे पुरखों ने सामूहिक रूप से क्षत्रिय कर्म त्यागकर वणिक कर्म स्वीकार कर लिया। यह हमारे सामुदायिक भाव का परिचायक है। लेकिन विडंबना है कि महेश नवमी मनाने में हम संगठन स्तर तक ही सीमित रह जाते हैं। हम लोगों ने अपने अपने घरों में इसे त्यौंहारों के रूप में मनाना शुरू नहीं किया। जब तक हम होली, दीपावली जैसे अन्य त्यौंहारों की तरह महेश नवमी को भी अपने घर में त्यौंहारों के रूप में मनाना शुरू नहीं करेंगे तभी महेश नवमी त्यौंहार के रूप में स्थापित हो पायेगी।

आशा माहेश्वरी
अध्यक्षा - अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

जरूरतमंद समाजजनों का सहयोग करें

महेश नवमी के पावनपर्व पर समस्त माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूँ।

आईए हम सभी समाजजन मिलकर संकल्प लें कि ''जरूरतमंद समाज बंधुओं का सहयोग करें एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें।'' युवा संगठन सदैव ही युवाओं और समाजबंधुओं के व्यापार-व्यवसाय और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान करने हेतु तत्पर रहा है। इस हेतु डिजिटल प्लेटफार्म के रूप में ''Maheshwari Business Mart'' व मोबाइल ऐप ''Abmys Connect'' नए आयाम स्थापित करेगा जिससे देश-विदेश और विभिन्न स्थानों पर रह रहे समाजबंधु व युवा साथी आधुनिक तकनीक व टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर आपस में व्यापार-व्यवसाय बढ़ायेंगे तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

पुनः शुभकामनाओं के साथ...

राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

साथ आऐं सभी संगठन

स्नेही स्वजन
हमारे उत्पत्तिकर्ता भगवान उमा महेश की दी हुई शक्ति और अनुरक्ति अंगीकार करें माहेश्वरी समाज के प्रादुर्भाव दिवस पावन ''महेश नवमी'' पर्व की बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार करें.... हमारी जातीय अस्मिता से जुड़े इस पर्व का उल्लास आप सभी के जीवन में खुशियां ही खुशियां बिखेरें और परिवार तथा इष्ट मित्रों सहित आप सदैव सुख स्वास्थ्य समृद्धि व उन्नति से परिपूर्ण संगठन के माध्यम से समाज में सत्यम् शिवम् सुंदरम् का प्रकाश फैलाएं। सेवा, त्याग, सदाचार की ज्योति जलाएं। घर-घर महेश नवमी ज्यों होली, दिवाली, विजयदशमी की भांति मनाएं। संगठित प्रयासों से सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की मंजुल मंगल कामनाएं। आओ हम सब मिलकर संस्कार गत मूल्यों की परंपराओं के परिवेश में परस्पर प्रेम और सौहार्द के साथ सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करने का संकल्प करें। हमारा यह संकल्प निश्चित ही समाज व राष्ट्र हित में सार्थक होगा तथा माहेश्वरी समुदाय की ख्याति को विस्तृत करते हुए संगठन की प्रगति का सोपान बनेगा...
इन्हीं मंजुल भावनाओं के साथ -जय उमा महेश!!

मंजू बांगड़
राष्ट्रीय महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

एक दूसरे से रखें सहयोग की भावना

आप सभी को सपरिवार श्री महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाऐं। भगवान महेश से आपकी कुशलता की मंगल कामना करता हूँ। श्री महेश नवमी के अवसर पर हमारे समाज क खेल, कला साहित्य व संस्कृति से जुड़ी प्रतिभाओं को हम प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाऐं ताकि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समाज की अलग पहचान बनें। हम एक दूसरे से व्यापार में सहयोग की भावना रखते हुए आगे बढ़ें ताकि उत्तरोत्तर वृद्धि करें। भगवान महेश से यह प्रार्थना करता हूँ कि हम सभी समृद्धशाली बने व समाजहित एवं राष्ट्रहित में अपना अमूल्य योगदान दें।

कमल भूतड़ा
पूर्व अध्यक्ष
अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन

सभी को संगठन से जोड़ें

महेश नवमी पर्व माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस के साथ-साथ हमारे लिए एक सामाजिक चिंतन का पर्व है। मेरा मानना है कि उत्सव एक माध्यम है समाज के लोगों तक पहुंचने का और हमें इस अवसर का लाभ उठाते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों तक पहुंचना चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को हमारे साथ जोड़ना चाहिए। सभी लोगों की जरूरतें समझते हुए हमें सफल नेतृत्व द्वारा संगठन शक्ति के माध्यम से हमारे समाज को आगे लाने का भागीरथ कार्य करना है। इसके लिए हमें वो सारे सामाजिक परिवर्तन करने के लिए तैयार रहना चाहिए जिनसे हमारी पारंपरिक एवं मूलभूत सामाजिक व्यवस्था पर कोई असर न पड़े। यह भागीरथ कार्य मुश्किल है पर असंभव नहीं और हम महेश कुल में जन्में माहेश्वरी हैं जो ये कार्य एकाग्रता के साथ सुनियोजित रूप से पूर्ण करने की अपार क्षमता रखते हैं।

श्याम सुन्दर राठी
कार्यसमिति सदस्य
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

दिखावे पर करें नियंत्रण

महेश नवमी पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और सभी के चहुंमुखी विकास की भगवान महेश से मंगल कामना।

यह पावन पर्व अपने अतीत के स्मरण का भी पर्व है। याद रखें हमारे पूर्वजों ने हमेशा धन का सदुपयोग किया। कभी उसे निरर्थक के दिखावे में खर्च नहीं किया। अतः इस पावन अवसर पर शपथ लें कि दिखावे में धन का अपव्यय न कर इसे देश व समाज के उत्थान में व्यय करेंगे। याद रखें हमारे समाज की कीर्ति का आधार स्तंभ ही हमारी सेवा भावना है, जिसे हमें कायम रखना है।

रामअवतार जाजू
पूर्व अध्यक्ष-माहेश्वरी बोर्ड
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

आत्मचिंतन करें हम

महेश नवमी पर्व की सभी स्वजनों को शुभकामना देते हुए मैं आत्मचिंतन का भी अनुरोध करना चाहूंगा। यह पावन पर्व आत्मचिंतन का पर्व ही है कि हम चिंतन कर सकें, अपने आदर्शों पर हम कितने कायम हैं? हमारी शक्ति हमेशा हमारा संगठन व हमारी एकता रही है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि आज की युवा पीढ़ी समाज संगठन से दूर हट रही है। अतः आवश्यकता है यह सोचने की कि आज की युवा पीढ़ी ही समाज का भविष्य है, यदि वह समाज से ही दूर होती गई तो समाज का भविष्य क्या होगा?

कमलकिशोर चांडक
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, भा.ज.पा.

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का करें विस्तार

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के मंगलमय अवसर पर सभी को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

महेश नवमी का यह पर्व सामूहिक शुभ संकल्पों और चिंतन का पर्व भी है। आइए इस पर्व पर हम सभी आराध्य देव से प्रार्थना करें वह हम सभी को इतनी शक्ति दें कि हम अपने संकल्पों को पूर्ण कर सकें और समाज के विकास व समाज हित के कार्यों में सहभागी बन सकें। हम शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक व्यवस्थाओं और मान्यताओं के प्रति सतत चिंतनशील रहें ताकि हम समाज के गौरव में वृद्धि करते हुए राष्ट्र की समग्र प्रगति में अपना वास्तविक योगदान दे पायें। सामाजिक विकास के कार्य समन्वित प्रयासों से ही संभव हो सकते हैं। मानव होने के नाते जब हम एक-दूसरे के दुःख दर्द में साथ नहीं निभाएंगे, तब तक इस जीवन की सार्थकता सिद्ध नहीं होगी। हमारे जीवन का अर्थ तभी पूरा होगा, जब हम समाज को परिवार मानें। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को हम जितना अधिक से अधिक विस्तार देंगे, उतना ही समाज में सुख-शांति और समृद्धि फैलेगी।

डॉ. एस.एन. चांडक
पूर्व कार्यसमिति सदस्य-अ.भा. माहेश्वरी महासभा

भव्यता बच्चों के संस्कारों में हो

आजकल कई जगह सुनने में आता है कि भोजन में एक निश्चित मात्रा में तय किये हुए आयटम ही रहेंगे। ये एक बहुत अच्छी बात है, क्योंकि व्यंजनों की संख्या अधिक होने से फिकता ज्यादा है और अन्न का अनादर होता है। व्यंजन संख्या अधिक होने की बजाय भले ही कम हो पर जितना भी हो स्वादिष्ट हो, उसकी गुणवत्ता अच्छी हो और आमंत्रितों के हिसाब से भोजन पर्याप्त मात्रा में हो। चाहे धनाढ्य वर्ग हो या मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय, आते सभी समाज के दायरे में हैं। हम अपना पक्ष अवश्य प्रत्येक वर्ग के समक्ष रखें पर उस पर अमल की बाध्यता न हो। क्योंकि, हमारा समाज वह समाज नहीं है जहाँ किसी भी बात को लेकर फतवा जारी होता है। माना कि धन के प्रदर्शन से विनम्रता, संवेदनशीलता और आत्मनियंत्रण जैसे मूल्य की क्षति होती है। इसका आशय ये नहीं है कि संपन्न व्यक्ति विवाह समारोह को भव्यता प्रदान न करें। बस ये भव्यता संयम, संतुलन और विनम्रता के दायरे में हों। यदि हम भव्यता की ओर आकर्षित होते हैं तो सादगी को भी सराहें अवश्य। भव्यता समारोह की बजाय बच्चों के संस्कारों हो, जिन्हें दो परिवारों के इस मिलन को भव्य बनाना है, क्योंकि दाम्पत्य जीवन कृत्रिमता व चकाचौंध से नहीं वरन् आत्मीयता व विश्वास से सुदृढ़ होता है।

रामगोपाल मूंदड़ा
पूर्व उपसभापति -अ.भा.माहेश्वरी महासभा

पूरे उत्साह से मनाऐं उत्पत्ति पर्व

समाज के उत्पत्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की भगवान महेश से कामना करता हूं।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि देश-विदेश में बसे समाजजनों ने सामूहिक रूप से महेश नवमी पर्व मनाने का संकल्प लिया है। फिर भी यह हमारी कमी है कि हम दीपावली-दशहरा की तरह इस पर्व को स्थान नहीं दे पाए। इसके लिए इसको लेकर संगठन के आयोजन की सोच से ऊपर उठकर इसे हर माहेश्वरी का पर्व बनाने की जरूरत है। जब हम ऐसा कर पाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में हम इस पर्व को वह महत्व दे पाएंगे, जिसकी वास्तव में जरूरत है।

माणक काबरा
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष
मुंबई प्रदेश माहेश्वरी सभा

मतभेद हो मनभेद न हों

समस्त स्वजातीयजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं समाज की एकता तथा समृद्धि की भगवान से कामना। इस पावन पर्व पर मैं सभी समाजजनों ही नहीं बल्कि सभी संगठनों से भी अपील करना चाहूंगा कि समाज से ही हम हैं। अतः समाज का हित हमारा सर्वोपतिर लक्ष्य हो। चाहे समाज संगठन हो, चाहे महिला हो या फिर युवा संगठन वे अपने उद्देश्यों में पूर्णतः सफल तभी हो जाएंगे, जब सामंजस्य के साथ मिल-जुलकर कार्य करेंगे। याद रखें सभी का लक्ष्य समाज हित है, अतः इस मुद्दे पर कहीं मतभेद होने का प्रश्न ही नहीं उठना चाहिए। यदि कहीं भी मतभेद हों तो उन्हें मनभेद न बनने दें और समाज को शिखर की ओर ले जाने के अभियान में सभी साथ-साथ हों।

पुनः सभी को इस पावन पर्व की बधाई।

रामकुमार टावरी
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा माहेश्वरी महासभा

संस्कृति बचाऐं-समाज बचाऐं

सभी स्नेहिल समाजजनों को पावन पर्व महेश नवमी की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं और यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करे ऐसी मंगल कामना है।

आज समाज एक विकट स्थिति से गुजर रहा है और वह है अपनी संस्कृति के क्षरण की। आधुनिक सोच व परिस्थितियां हमारी गौरवशाली संस्कृति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन रही हैं। तो आईये इस पावन अवसर पर एक नारा दें ''संस्कृति बचाएं-समाज बचाएं''। इस नारे को संकल्प बना लें, जिससे यह मूर्तरूप ले सके।

पुनः सभी को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामना व बधाई।

श्यामसुन्दर मंत्री
निवृत्तमान संयुक्तमंत्री (पश्चिमांचल)
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

अपनी प्रतिभा को निखारें

समस्त समाजबंधुओं को महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कुशलता की मंगलकामना करता हूं। साथ ही कामना करता हूं कि हमारे युवा साथी संस्कारवान शिक्षा ग्रहण कर उन्नति की ओर बढ़ें। समय पर उन्हें रोजगार मिले, उनका व्यापार और व्यवसाय उत्तरोत्तर वृद्धि करे। हमारे समाज की खेल, कला, साहित्य और संस्कृति से जुड़ी प्रतिभाएं निखर कर आगे आएं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी एक अलग पहचान बने। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि समाज में घटती जनसंख्या, बढ़ते पारिवारिक विघटन तथा विवाह संबंधित समस्याओं का सामाजिक संगठनों के माध्यम से हम समाधान कर पाएंगे। भगवान महेश से यही कामना करता हूं कि सभी समाजजन समृद्धशाली बनें, समाज प्रगति करे और राष्ट्र हित में समाज का योगदान और अधिक बढ़े।

नेमीचंद तोषनीवाल
पूर्व अध्यक्ष, वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

आत्ममंथन की आवश्यकता

उत्पत्ति दिवस महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। आज ही के दिन कथानुसार हजारों साल पूर्व हमने क्षत्रवर्ण त्याग वैश्य वर्ण को कर्म क्षेत्र बनाया। परिस्थिति के अनुसार कर्म शैली का बदलाव यह हमारा दिखाता है, उत्पत्ति दिवस। वैश्वीकरण के इस युग में सांस्कृतिक संक्रमण के इस काल में एक बार फिर आत्म मंथन की आवश्यकता है। वास्तव में देखा जाऐ तो शास्त्रों में वैश्यों के कर्त्तव्यों में प्रकृति संरक्षण भी शामिल रहा है। तो आईये हम अपने सेवा अभियानों में इसे भी शामिल करें।

बाबूलाल जाजू
पर्यावरणविद
भीलवाड़ा

चहुंमुखी विकास की मंगल कामनाऐं

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बंधुओं, बहनों, बच्चों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। आप सबके स्वस्थ, सुखी, समृद्ध एवं प्रगतिशील जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित करती हूं। भगवान महेश एवं मां पार्वती हमें शक्ति प्रदान करें जिससे हम सेवा, त्याग, सदाचार के पथ के अनुगामी बने रहें, ऐसी कामना करती हूं।

कल्पना गगडानी
पूर्व अध्यक्ष
अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन

राजनीति में आऐ अच्छे लोग

समस्त समाजजनों को समाज के उत्पत्ति पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर मैं समाज से राजनीति में भी अपने सक्रिय योगदान की अपील करता हूं। यह वर्तमान दौर की आवश्यकता भी है और देश की राजनीति की मांग भी। मात्र राजनीति को काजल की कोठरी कहने से कुछ नहीं होगा। हमें इसे उज्जवल बनाना होगा। इसके लिए जरूरी है कि राजनीति में अच्छे लोग अधिक से अधिक शामिल हों।

घनश्याम करनानी
पूर्व प्रबंध न्यासी
कोठारी शौर्य बंधु ट्रस्ट

Chai Waale™
TEA PROFESSIONALS

Chai Waale is a QSR that operates 23 stores in Chennai and has 12 stores to be opened shortly including marque locations like Chennai Airport and Chennai Railway Station

Founder - Mr. Vidur Maheswari (Rathi)
Graduated out from
King's College London and Harvard Uinversity.

CHAI WAALE TRADES PRIVATE LIMITED
Old No. 73, New No. 273, Gujji Main Road,
Anna Nagar East, Chennai - 600 102.
044 48591328 / 28522850 / 28522851
Email : info@chaiwaale.co.in

।। जय महेश ।।

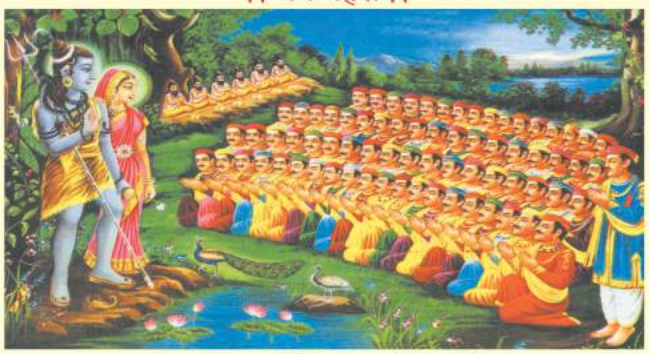

माहेश्वरी समाज का 5154वाँ उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक मंगल शुभकामनाएँ।

माहेश्वरी सभा, बेंगलुरु

निर्मलकुमार तापड़िया
अध्यक्ष

कार्यसमिति सदस्यगण

E-mail : mahsabblr@gmail.com | Website : www.msblr.org

भगवानदास लाहोटी
सचिव

माहेश्वरी महिला मंडल, बेंगलुरु

श्रीमती कान्ता काबरा
अध्यक्षा

श्रीमती विजयलक्ष्मी सारड़ा
सचिव

माहेश्वरी युवा संघ, बेंगलुरु

अरविन्द लोया
अध्यक्ष

धीरज काबरा
सचिव

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित

मोहनलाल माहेश्वरी
चेयरमैन

गोपालदास इन्नानी
मैनेजिंग ट्रस्टी

3/4,Okalipuram Main Road, Bengaluru - 560 021.
Ph. : 080 - 2312 7597

11/12, 1st Main Road, Okalipuram 1st Stage,
Bengaluru - 560 021. Ph. : 080 - 2352 7672

माहेश्वरी फाउण्डेशन द्वारा संचालित

राजगोपाल भूतड़ा
चेयरमैन

ललित मालानी
मैनेजिंग ट्रस्टी

336, Ideal Home Society, 17th Cross, Rajrajeshwarinagar,
Bengaluru - 560 098. Ph. : 080 - 2860 3734
e-mail : mfblr121@gmail.com

माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव लि.

नन्दकिशोर मालू
अध्यक्ष

सुरेशकुमार लखोटिया
उपाध्यक्ष

69, Sirsi Road, Sirsi Circle, Chamrajpet, Bengaluru - 560 018
Ph. : 080-48544445/26704425 E : msccltd2016@gmail.com | W : www.msccl.in

''कौशल'' के विकास के लिये बहुद्देश्यीय शिक्षण संस्थान प्रारम्भ

जयपुर समाज का अभिनव प्रयास-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया लोकार्पण

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर उत्कृष्ट व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान देता आ रहा है। इसी श्रृंखला में गत दिनों लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कर कमलों से बनीपार्क में माहेश्वरी बहुद्देशीय शिक्षण संस्थान का लोकार्पण हुआ।

श्री बिरला ने बुधवार को बनीपार्क स्थित माहेश्वरी बहुउद्देशीय शिक्षण संस्थान का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस शिक्षा शिक्षण संस्थान में ऐसे पाठ्यक्रम शामिल किए गए है, जो उनके स्किल डेवलपमेंट में सहायक होंगे। माहेश्वरी समाज का शिक्षा के क्षेत्र में यह एक अभिनव प्रयोग है। इसके लिए उन्होंने श्री माहेश्वरी समाज की प्रशंसा की। श्री बिरला ने कहा है कि यदि समाज में परिवर्तन लाना है तो, शिक्षा का अलख जगानी होगी। यह बात हमारे पूर्वजों ने बहुत पहले ही जान ली थी। आजादी से पहले जब शिक्षा के कोई साधन नहीं होते थे, उस समय उन्होंने सीमित साधनों से शिक्षा का प्रसार शुरू किया। माहेश्वरी समाज के पुरोधाओं ने जो शिक्षा रूपी पौधा लगाया था, वह आज वट वृक्ष बन चुका है। एक होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोगटा फाइनेंसियल इंडिया लि. के चेयरमैन राधाकृष्ण कोगटा थे। कमला बिहानी और अशोक बागला विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में भूमिपूजन के मुख्य अतिथि के रूप में आर.डी. बाहेती भी मौजूद थे। प्रारंभ में सभी अतिथियों ने लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया।

एक छत के नीचे कई पाठ्यक्रम

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने बताया कि इस बहुउद्देशीय शिक्षण संस्थान का निर्माण युवक-युवतियों में कौशल विकास के लिए किया गया है। करीब 60 हजार वर्ग फीट में बने सात मंजिला इस भवन में एक ही छत के नीचे विभिन्न पाठ्यक्रम पढ़ने को मिलेंगे। श्री बाहेती ने कहा कि कौशल विकास से सम्बन्धित यह पाठ्यक्रम राज्य सरकार की स्किल यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त हैं। ये कोर्स करने के बाद युवाओं को आसानी से रोजगार मिल सकेगा। श्री बाहेती ने बताया कि बच्चों की शिक्षा की नींव रूपी संस्कृति स्कूल भी संस्थान प्रारम्भ करेगा। यहां योग और प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधा भी होगी। इसके अलावा यहां मांटेसरी टीचर ट्रेनिंग कोर्स, टैली कोर्स, आर्ट, क्राफ्ट, डांस, म्यूजिक आदि के कोर्स भी करवाए जाएंगे।

रामगोपाल मूंदड़ा

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी को
हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीमती प्रकाश मूंदड़ा

GSTNO : 29ADHPM4249F1ZD

Subject to Bangalore Jurisdiction

ಮುಂಧ್ರ ಲೈಟಿಂಗ್ ಸೆಂಟರ್

MUNDHRA
LIGHTING CENTER
Distributor for Industrial Electrical Goods

7 & 16, Sajjan Shah Market, Chickpet,
Bengaluru - 560053 INDIA
Ph. : 41222140, Mob : +91 9341823353
Email : mundhralighting@gmail.com

11/22/33KV HEAT SHRINKABLE KITS
INSULATING RUBBER MATS
Crompton Greaves LIGHT FITTINGS
MUNDHRA PANELLBOARDS BUS-BAR, D.B. BOX
CONTACTORS & RELAYS
dowell's CABLES SOCKETS LUGS SOLDERING AND CRIMPING CABLE LUGS AND TOOLS
FLAME PROOF CONTROL GEARS
Jelly Filled Telephone Cable
RPG CABLES LIMITED (Unit : Asian Cable)
46 Years In Service 46 Since 1975
SWITCHGEARS MINATURE CIRCUIT BREAKER
GLOSTER LT & HT CABLES
UniSTaR LT & HT CABLE
CABLE LOINTIN KITS Push on type
Essen unicon CONTROL ACCESSORIES

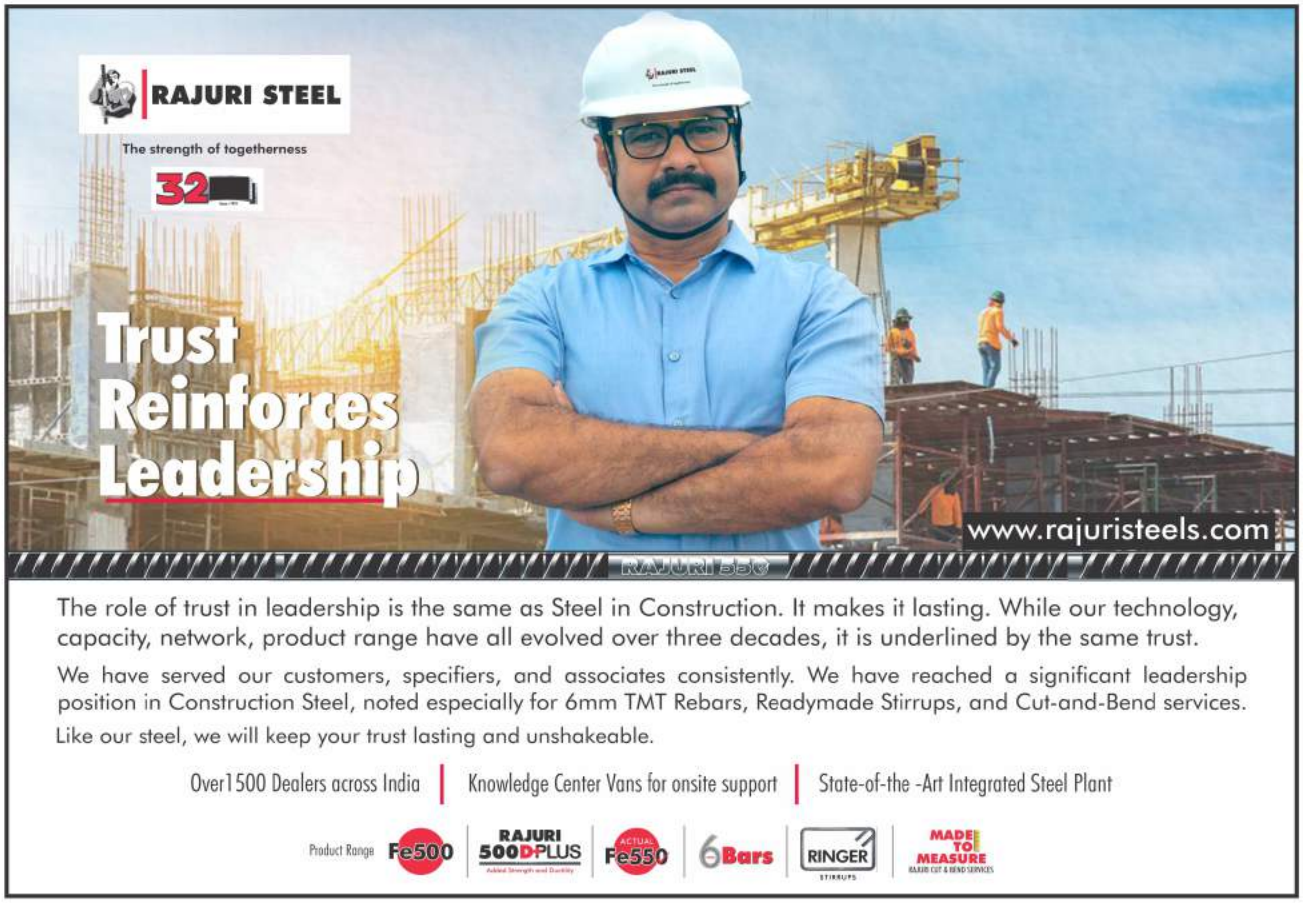

The role of trust in leadership is the same as Steel in Construction. It makes it lasting. While our technology, capacity, network, product range have all evolved over three decades, it is underlined by the same trust.

We have served our customers, specifiers, and associates consistently. We have reached a significant leadership position in Construction Steel, noted especially for 6mm TMT Rebars, Readymade Stirrups, and Cut-and-Bend services.

Like our steel, we will keep your trust lasting and unshakeable.

Over1500 Dealers across India | Knowledge Center Vans for onsite support | State-of-the -Art Integrated Steel Plant

Product Range Fe500 | RAJURI 500DPLUS | ACTUAL Fe550 | 6Bars | RINGER STIRRUPS | MADE TO MEASURE

॥ महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

श्रीमती गीता तोतला
कार्यसमिति सदस्य
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

ओमप्रकाश तोतला
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट
पूर्व जिलाध्यक्ष-उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा
संरक्षक ट्रस्टी-श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट, उज्जैन

सन्त नगर, उज्जैन (म.प्र.) मो. 94250-94706, 94250-57157

महिला संगठन ने बनाया छटा विश्व रिकॉर्ड

''महा हर सीट हॉट सीट'' में 3591 महिलाओं को एक साथ ऑनलाईन गेम खेलाकर बनाया कीर्तिमान

कोटा। गत 20 मई 2022 को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की सप्तम राष्ट्रीय कार्यसमिति की वर्चुअल बैठक ब्रह्म योग 2022 सफलता पूर्वक आयोजित की गई। इसमें वाट्सअप पर एक साथ 3591 महिलाओं को ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी खेलाकर महिला संगठन ने छटा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड प्राप्त कर हैट्रिक बना ली।

महामंत्री मंजू बांगड़ ने महेश नवमी की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ सफलतापूर्वक संचालन करते जूम सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों का अभिवादन कर मीटिंग का शुभारंभ किया। भगवान उमा महेश की वंदना के बाद दिवंगत स्वजनों एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री रमेशचंद्र लाहोटी को उनके प्रेरणादाई उद्बोधन का स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सजातीय पर्व महेश नवमी को पारिवारिक उत्सव होली-दिवाली-दशहरा की तरह मनाए। परस्पर मिठाई तथा शुभकामना संदेश भेजें। महासभा के आह्वान पर हर परिवार कुछ न कुछ राशि समर्पण राशि के रूप में महासभा को भिजवाएं। समाज व राष्ट्र हित के कार्यो को समर्पित भाव से करते हुए नर सेवा नारायण सेवा को प्राथमिकता देवे। 5 जून 2022 को महासभा तथा महिला संगठन के अंतर्गत पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के माध्यम से 'मां तेरे रुप अनेक' जूम पर सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जा रही है जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़े ।

ये रहेंगे आगामी आयोजन

आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 2-3 जुलाई को रामेश्वरम में विशेष राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक तथा दक्षिणांचल अधिवेशन शिवानंद योग फिजिकल होगा जिसमे कार्यसमिति सदस्य तथा पदाधिकारी अवश्य उपस्थित हो क्योंकि इसमें कोटा में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन शंखनाद की रुप रेखा व कार्यक्रमों को तय किया जाएगा। आगामी 9-10 अक्टूबर 2022 तक को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन शंखनाद शैक्षणिक नगरी कोटा राजस्थान में संपन्न होगा। आगामी प्रस्तावित कार्यक्रम 22 से 28 जून 'बाल संस्कार शिविर' तथा 2- 3 दिसंबर 'इंदौर में सामूहिक विवाह' आयोजित होगा। राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने संगठन द्वारा संपन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गत तीन माह से लगातार हम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा कर हैट्रिक बना रहे हैं।

ऐसे बना छटा विश्व रिकार्ड

गत 19 मई 2022 को राष्ट्रीय साहित्य समिति ने 3591 माहेश्वरी महिलाओं के साथ व्हाट्सएप पर मनोरंजक एवं ज्ञान की अलख से सुसज्जित 'महा हर सीट हॉट सीट' ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी गेम खिलवा कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में संगठन के नाम छठवीं बार रिकॉर्ड दर्ज कराया। राष्ट्रीय समिति प्रभारी मंजू मानधना ने साहित्य समिति द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए केबीसी की तर्ज पर खेले जाने वाले इस ऑनलाइन गेम की तैयारी के विषय में बताया तथा आंचलिक सह प्रभारी डॉ. अनुराधा जाजू ने इस गेम की पूर्ण जानकारी सुंदर पीपीटी प्रेजेंटेशन के साथ दिखाई। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉक्टर मनीष विश्नोई ने स्वयं उपस्थित होकर साहित्य समिति की अद्भुत अकल्पनीय सोच व प्रयासों की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी को जूम सभागार में स्वर्णिम विश्व कीर्तिमान का सर्टिफिकेट महिला संगठन हेतु प्रदान किया। इस अवसर पर सभी संरक्षक मंडल पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय पदाधिकारी, समिति प्रभारी, सह प्रभारी, राष्ट्रीय कार्यसमिति, नेपाल चैप्टर तथा सभी प्रदेशों के अध्यक्ष सचिव एवं विशेष आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे। अंत में विधान संशोधन समिति की प्रमुख पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा ने सभी बिंदुओं पर चर्चा करके सदन को अवगत कराया तथा शिवानंद योग बैठक हेतु दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री पुष्पा तोषनीवाल ने जानकारी दी। संगठन मंत्री शैला कलंत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ऐसे बने अभी तक 5 रिकार्ड

मार्च माह में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण समिति के स्वाश्रिता प्रोजेक्ट द्वारा अप्रैल माह में 17 अप्रैल को स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति के आरोग्यं प्रोजेक्ट द्वारा तथा पुनः 19 मई को साहित्य समिति के हर सीट हॉट सीट ऑनलाइन गेम प्रतियोगिता द्वारा स्वर्णिम कीर्तिमानो की श्रृंखला बनाई गई। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर देश के स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर 75 करोड़ सूर्य नमस्कार विश्व विक्रम अभियान के अंतर्गत स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की प्रेरणा से गीता परिवार में पतंजलि योग समिति के साथ महिला संगठन ने भी प्रमुख सहभागिता निभाई तथा श्रृंखलाबद्ध संगठन के प्रत्येक स्तर पर मातृभूमि बंदना का यह भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के माध्यम से 1 से 15 मार्च तक महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता हेतु गांवों में विशेष रुप से वेबीनार आयोजित किए गए जिसमें 15000 बहने लाभान्वित हुई। प्रादेशिक अधिवेशन वर्चुअल तथा फिजिकल सफलतापूर्वक संपन्न हो रहे हैं जिसमें उत्तरांचल के 3 प्रदेशों ने रजत जयंती भी मनाई। इसमें भी वर्ल्ड रिकार्ड बना।

जिंदगी के किसी भी दिन को मत कोसना क्योंकि अच्छा दिन खुशियां लाता है और बुरा दिन अनुभव, एक सफल जिंदगी के लिए दोनों जरूरी है।

रजत जयंती के साथ आयोजित हुआ ''पूर्वी संगम''

पूर्वी उ.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन-संगठन ने किये 25 वर्ष पूर्ण

प्रयागराज। पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगाँठ मना रहा है। इस अवसर पर अपने अधिवेशन के साथ रजत जयंती पर्व का भी संगठन ने अपने इस विशिष्ट कार्यक्रम ''पूर्वी संगम'' में आयोजन किया।

गत 30 मार्च 2022 को संगम तट प्रयागराज की पावन भूमि पर पूर्वी उ. प्र. ने अपने अधिवेशन के साथ रजत वर्ष को प्रयागराज के स्थानीय संगठन एवं अन्य संगठनों के सहयोग से अध्यक्ष ऊषा झंवर एवं सचिव रंजना मुन्दड़ा के नेतृत्व में मनाया। इस कार्यक्रम का राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने शुभारम्भ किया। पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, उत्तरांचल उपाध्यक्ष किरण लड्ढा, उत्तरांचल संयुक्त मंत्री शशि नेवर, दक्षिणांचल सहप्रभारी अनुराधा जाजू, ग्राम विकास समिति की राष्ट्रीय प्रभारी प्रेमा झंवर, पूर्वी उत्तर प्रदेश सभा के अध्यक्ष श्रीराम चितलांगिया, संगठन मंत्री रवीन्द्र गांधी आदि भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ भगवान महेश के पूजन व दीप प्रज्जवलित के पश्चात मिर्जापुर के बच्चों द्वारा महेश वंदना व प्रयागराज की महिलाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

संगठन की कार्यशीलता को सभी ने सराहा

अध्यक्ष ऊषा झंवर ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। प्रदेश मंत्री की रिपोर्ट पी.पी.टी द्वारा एलईडी पर प्रदर्शित की गई। स्वागत अध्यक्ष सुमन गट्टानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। स्मारिका ''निर्झरिणी'' का विमोचन मंजु बांगड़ एवं शोभा सादानी के कर कमलों से हुआ। श्रीमती बांगड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि 25

वर्ष में कोई भी संगठन युवा हो जाता है, हमारी युवा प्रतिभायें अगर हमारे संगठन से जुड़ जायें तो हमारा संगठन कहाँ पहुँचेगा। अब नयी टेक्नोलाजी एवं प्रतिभाओं का समिश्रण होगा। शोभा सादानी ने कहा कि कोरोना ने पूरे विश्व को हरा दिया पर माहेश्वरी महिला संगठन को नही हरा पाया। सभी महिलाओं को टेक्नो एक्सपर्ट बना दिया। 4-5 गोल्डन अवार्ड भी प्राप्त किये। किरणजी और शशि नेवर ने भी सम्बोधित किया। पुष्पा धूत एवं ज्योति चांडक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सामाजिक समस्याओं पर प्रस्तुति

सभागार में उपस्थित 150 लोगो के बीच सुबह अधिवेशन एवं सायंकाल रजत वर्ष का कार्यक्रम उत्साह व सौहार्द के साथ सम्पन्न हुआ। पारिवारिक समरसता व विवाह समिति के अर्न्तगत समाज की अहम समस्या विवाह न करना और माता-पिता की बढ़ती उम्र में अकेलापन पर एक सुन्दर भावपूर्ण लघु नाटिका ''साथ'' का मंचन वाराणसी की युवतियों ने किया। स्व. श्री लाहोटी की भावनाओं का सम्मान करते हुये पुष्पा धूत ने भजन, भोजन, भूषा व भाषा पर कविता पाठ किया। ग्राम विकास एवं किशोरी विकास समिति के अर्न्तगत ''लोकल फार वोकल'' पर लखनऊ की महिलाओं ने ''फैशन शो'' दिखाया। आध्यात्म समिति एवं साहित्य समिति के साथ ''कर्मकाण्डो का औचित्य एक वैचारिक मंथन'' विषय पर डॉ. अनुराधा जाजू द्वारा परिचर्चा आयोजित की गई। सभी अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह देकर किया गया।

द्वितीय सत्र में 25 वर्षों की सेवा यात्रा

दूसरे सत्र में गणेश वंदना गोला गोकर्णनाथ के बच्चो द्वारा प्रस्तुत की गयी। प्रदेश अध्यक्ष ऊषा झंवर ने अपने उद्बोधन से सभा में उपस्थित सभी का स्वागत किया गया। सभी पूर्वाध्यक्षों का स्वागत और सम्मान करते हुये स्मृति चिन्ह प्रत्येक सत्र के अध्यक्ष व मंत्री को प्रदान किये गये। पी.पी.टी. द्वारा पूर्वाध्यक्षों का उद्बोधन और शुभकामनायें प्राप्त कर प्रस्तुत की गई। सीमा लड्ढा ने पच्चीस वर्ष की यात्रा का विवरण सुनाया। अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय भगवान दास केला के परिवार का अभिनन्दन शाल एवं दुपट्टा ओढ़ाकर किया गया। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विवेक बिड़ला का भी सपत्नीक सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में गणगौर गीत व नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन - प्रयागराज की सीमा व रेणु ने किया। प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण व किरण बजाज के आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

॥ महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

Dinesh Chandak
94136-49310

WWW.SUNCITYEVENTS.IN

suncity™

...Fireworks & Events...

Lights Sound Decor Discover

WE MASTER IN SPECIAL EFFECTS

Contact for : Grand Display of Colourful Fire Works
For Marriages, Parties, Films & Events

48, Stadium Shopping Center,
Behind Ansal Mall Girdhar Mandir Road
JODHPUR (Raj.) - 342001

Radheshyam Chandak
98290-47801

BIKE STUDIO
THE COMPLETE BIKE STORE

VSW

VANIA SPORTS WORLD

48, Stadium Shopping Centre,
Behind Ansal Mall
Girdhar Mandir Road,
JODHPUR (Raj.) - 342001

sportshopee@gmail.com

www.bikestudio.in

VIKAS CHANDAK
87699-88033

Laxmi Hari Warehouses, Khinwsar (Raj.)

कमल किशोर चाण्डक

ए-123, शास्त्रीनगर, जोधपुर मो. 9829028801

Delhi Rajasthan Transport Co. Ltd.

DRTC
(An ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Regd.Office : DRTC House, Behind Olympic Complex, Jodhpur-342001
Phone : 0291-2633673-74 • Fax : 0291-2636201
E-mail : jodhpur@drtcindia.com • Website : www.drtcindia.com

JODHPUR (Booking & Delivery Office) : F-670, Transport Nagar, Basni 2nd Phase
Phone : 0291-2633672, 2633675
Mobile : 98291-12119, 98290-17119

REGIONAL OFFICES

✦ AHMEDABAD
No.2/A Raipur Co.op.Hsg. Ltd.
Opp. Diwan Ballubhai School
Kankaria Road
Tel.: 079-25467622 Mobile: 99099-46326
E-mail : ahmedabad@drtcindia.com

✦ AMRITSAR
164-165, O/s Ghee Mandi
Bali Singh Bhagwan Singh Road
Tel.: 0183-2702071, 3257294
Mobile : 98146-67119
E-mail : amritsar@drtcindia.com

✦ BANGALORE
No. C/341, 3rd Floor, 1st Main
6th Cross, 1st Stage
Peeniya Industrial Area
Mobile : 9742844119, 9343044739
E-mail : bangalore@drtcindia.com

✦ ERODE
Door No. 210, Park Road
Karungalpalayam Post
Tel. : 0424-2211836, 2224250
Mobile : 94430-39119
E-mail : erode@drtcindia.com

✦ JAIPUR
42, Madhobihari Mandir,
Sansar Chandra Road
Tel. : 0141-2370784, 2363828
Mobile : 98292-50119
E-Mail : jaipur@drtcindia.com

✦ MUMBAI
1206, 12th Floor, Ambience Court
Sector - 19/D, Vashi, Navi Mumbai
Tel.: 022-41291800, 41291808
Mobile : 9819857119, 9819887119
Email : mumbai@drtcindia.com

✦ SECUNDERABAD
101, 1st Floor
Suryakiran Complex, S.D. Road
Tel. : 040-69993119, 65152119
Mobile : 98852-82119
E-mail : Secunderabad@drtcindia.com

✦ SURAT
1587, Near Vitthal Dyeing
Umerwadi, Tekara
Tel. : 0261-2355036, 2323484
Mobile : 93770-66023
E-mail : surat@drtcindia.com

Regular parcel service from & to for all the destinations of

RAJASTHAN, GUJARAT, HARYANA, MAHARASTRA, JAMMU & KASHMIR PUNJAB, ANDHRA PRADESH, KARNATAKA, TAMIL NADU, UTTAR PRADESH

With Best Compliments From...

VIDYA

VIDYA WIRES PVT. LTD.

(AN ISO 9001 :2015 Certified Company)

Shyam Sundar Rathi

excellence through experience

- Enamelled Copper Wires & Strips
- Paper Insulated Copper Conductors

(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)

- MPCC - Connection Cables
- Bare Copper Wires
- Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
- Copper Tapes / PVC Copper Tapes

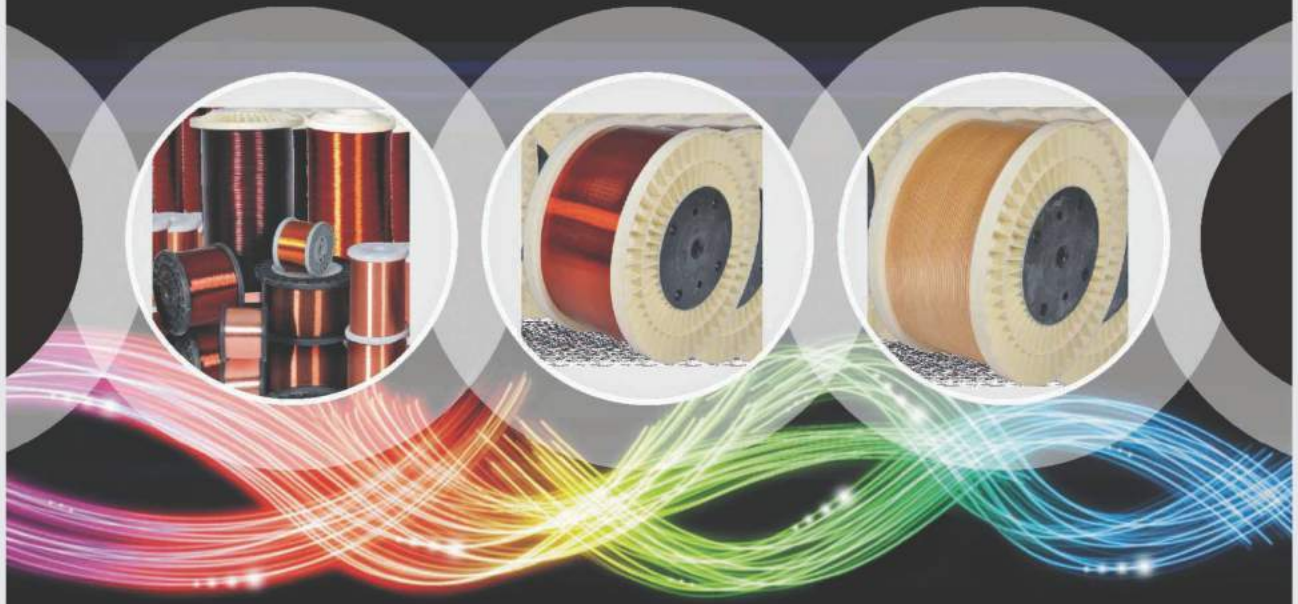

DEALERS ENQUIRIES SOLICITED

Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

रूचित का नाम इंटरनेशनल बुक में दर्ज

अकोला (महाराष्ट्र)। 'श्रीमती संगीता प्रमोद बंग के पोते और परेश-श्वेता बंग के बेटे रुचित बंग ने मात्र 4 साल की उम्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना कर 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड' में अपना नाम दर्ज कराया। रुचित मात्र 1.53 मिनट में भगवत गीता के 20 श्लोक बोल देता है। इतना ही नहीं 2 मिनट में 100 से अधिक राज्यों और देशों की राजधानियों के बता देता है। 25 से ज्यादा स्वतंत्र सेनानियों को फोटो देखकर पहचान लेता है और नाम बता देता है। विशेष बात यह है कि रुचित की अभी तक स्कूली शिक्षा भी प्रारम्भ नहीं हुई है।

देवांश ने जीता ब्रांच मेडल

इंदौर। पीथमपुर जैसे छोटे से इलाके में रहने वाले अशोक-मीना देवी भंसाली के पौत्र व आशय-निहारिका भंसाली के. सुपुत्र देवांश भंसाली 8 वर्ष ने गोवा में आयोजित राष्ट्र स्तरीय 'क्वान की डो' स्पर्धा में ब्रांच मेडल हासिल किया। उक्त जानकारी देते हुए दिलीप के भंसाली ने बताया कि ये प्रतियोगिता 6 से 8 मई तक गोवा में आयोजित की गई थी जिसमें 38 किलोग्राम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए देवांश ने ये उपलब्धि हासिल की। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठजनों ने देवांश की इस सफलता पर बधाई प्रेषित की।

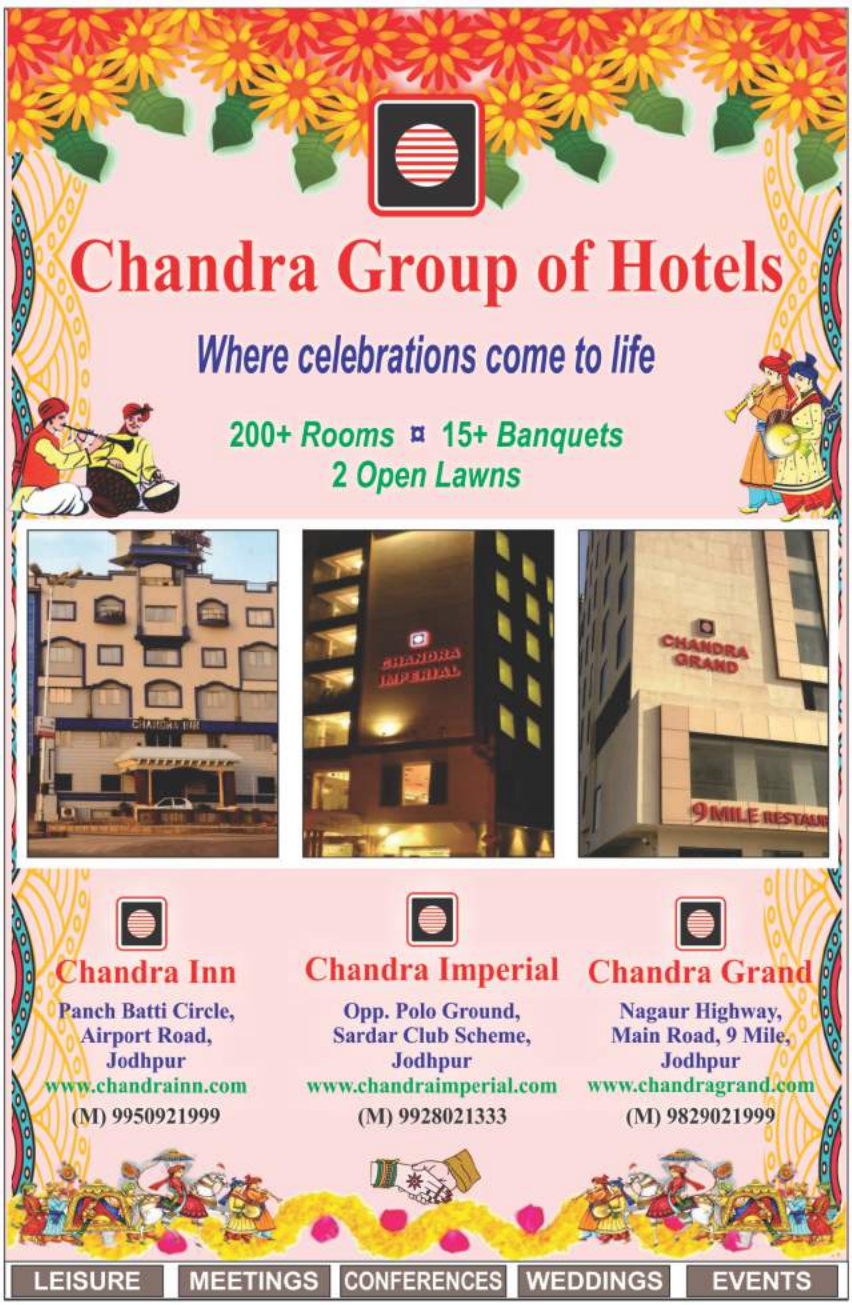

हर सीट हॉट सीट में मनीषा प्रथम

उज्जैन। अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय साहित्य समिति द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान त्रय मासिक प्रतियोगिता 'हर सीट हॉट सीट' का विश्व कीर्तिमान (गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स) में नाम दर्ज हुआ। गत 19 मई 2022 को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने यह कर दिखाया। विश्व का पहला त्रेमासिक ऑनलाइन क्विज जो सिर्फ महिलाओं के लिए था इसमें एक साथ 3591 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें उज्जैन की मनीषा शैलेंद्र राठी ने मध्यांचल से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर हुआ आयोजित

जयपुर (राज.)। रामजीदास मोदानी फाउंडेशन नरायना-जयपुर द्वारा एक निःशुल्क मेडिकल शिविर श्री माहेश्वरी डाइलिसिस, डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर, जयपुर में लगाया गया। इसमें निःशुल्क बी.पी., शुगर, ईसीजी, ब्लडप्रेशर आदि की जांच की गयी। ए.एस.जी नेत्र चिकित्सालय द्वारा निःशुल्क नेत्र की जांच की गयी एवं चश्मे के नंबर भी दिए गए। होमियोपैथी परामर्श डॉ. रजत माहेश्वरी द्वारा दिया गया एवं सभी को निःशुल्क दवाईयां वितरित की गयी। इस शिविर का 90 लोगों ने लाभ उठाया। उक्त जानकारी फाउंडेशन चेयरमैन सत्यनारायण मोदानी ने दी।

GHANSHYAMDAS TOSHNIWAL
PRAKASH TOSHNIWAL

"Krishna-Kaveri" K C Nagar, Solapur Road,
VIJAYAPUR - 585103 KARNATAKA
email : grtoshniwal@yahoo.co.in,
vijaytyrespl@gmail.com
Cell : 9448112881

सेवा गतिविधियों का किया आयोजन

बैंगलुरु। माहेश्वरी महिला मंडल बेंगलुरु की स्वास्थ्य एवं बाल एवं किशोरी विकास समिति द्वारा 3 फरवरी को हास्य योग की कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक अंजली तापडिया पुणे ने हास्य योग का महत्व समझाते हुए अलग-अलग तरीके बताए। बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन इस क्लास में शामिल हुए। महिला सशक्तिकरण समिति द्वारा 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जरुरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया और एक जरुरतमंद इंजीनियर छात्र को मंडल कार्यकारिणी द्वारा लैपटॉप भेंट दिया गया। स्वाध्याय एवं आध्यात्म समिति द्वारा 12 मार्च को लड्डू गोपाल के संग गत 20 मार्च को ग्रामीण विकास समिति के अंतर्गत लायंस क्लब के साथ मिलकर माहेश्वरी महिला मंडल ने 51 किट जिसमें रोजमर्रा के 30 स्टील के बर्तन सम्मिलित है जरूरतमंद लोगों को वितरित कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाई गई। पर्व एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा 26 मार्च को गणगौर का सिंजारा कार्यक्रम आयोजित हुआ। 4 अप्रैल को गणगौर का सामूहिक उद्यापन माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया इसमें 14 गणगौर के और 9 सूरज रोट के उद्यापन किए गए और करीब 350 महिलाओं ने भोजन किया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन स्वास्थ्य एवं परिवारिक समरसता समिति के अंतर्गत माहेश्वरी महिला मंडल बेंगलुरु द्वारा आरोग्यम रक्त जांच शिविर थायरोकेयर लैब के माध्यम से करवाया गया। इन गतिविधियों में अध्यक्ष कांता काबरा व सचिव विजयलक्ष्मी सारडा के नेतृत्व में समिति सदस्य सुनीता मूंदड़ा, सुनीता लाहोटी, कल्पना बाहेती, गायत्री मालपानी, अर्पिता झंवर सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

मंत्री बने लायंस उपप्रांतपाल

कुचामन सिटी। लॉयंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 323-32 के उपप्रांतपाल द्वितीय के चुनावों में लॉयंस क्लब कुचामन सिटी द्वारा प्रस्तुत प्रत्याशी वरिष्ठ लॉयन श्याम सुंदर मंत्री ने विजयश्री प्राप्त की। विभिन्न संगठनों द्वारा सम्मानित अतिथियों के आतिथ्य में लॉयन श्याम सुंदर मंत्री की इस ऐतिहासिक जीत पर कुचामन के सरला बिरला कल्याण मंडपम में स्वागत समारोह का आयोजन रखा गया। उल्लेखनीय है कि श्री मंत्री 40 से अधिक वर्षों से सेवा के कार्यों में लगे हुए हैं और आपको 'कुचामन रत्न' की उपाधि के साथ ज़िला व राज्य स्तर पर कई बार तथा भारत सरकार द्वारा महामहिम राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा विकलांग सेवा के लिए 'सर्वोत्तम व्यक्ति' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। भास्कर समूह द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान के क्षेत्र में 'इन्डिया प्राईड अवार्ड' से सम्मानित किया जा चुका है। आप वर्तमान में इन्टरनेशनल वैश्य फ़ेडरेशन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति के राष्ट्रीय महामंत्री, भारत तिब्बत सहयोग मंच के उड़ीसा प्रभारी एवं राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य, भारतीय जन फ़ाऊंडेशन के राष्ट्रीय मंत्री, नारायण सेवा संस्थान के शाखाध्यक्ष, जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष, कुचामन विकास समिति के उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के प्रबंध समिति सदस्य आदि के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

माहेश्वरी डेन्टल केयर
डॉ. सूरज माहेश्वरी
(डेन्टल सर्जन)
W/o
डॉ. भरत माहेश्वरी
(एम.डी)
22-23 बेसमेंट अमरदीप कॉम्पलेक्स, सरदारपुरा 'बी' रोड़ जोधपुर
मो.: 0291-2612296, 86960-26496

Wishing You Happy Mahesh Navami

Tulsiram
Maheshwari Public School

Modi Nagar, G T Road Modinagar, Ghaziabad (U.P.), 201204

Vinod Kumar Maheshwari
(President Manager)

Mrs. Rajni Ohri
(Principal)

Affiliated of Central Board of Secondary Education, New Delhi
A Co-Educational School

NURSERY to XII

Having
Highly Qualified Teachers on the Staff
Well Equipped
Biology, Chemistry, Computer Science, Physics
& Home Science Laboratories
Excellent Results in Board's Examinations (X, XII)

देहदान का लिया संकल्प

बून्दी। धाबाइयों का चौक निवासी 65 वर्षीय श्रीमती स्वामी प्यारी लाठी 'निधि' ने अपने विवाह की 40 वीं वर्षगाँठ पर परिवार के सदस्यों के बीच अपना देहदान का संकल्प पत्र शाइन इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधियों व पारिवारिक सदस्यों के समक्ष भरा। श्रीमती स्वामी प्यारी परिवार में सबसे बड़ी सदस्य है। दो देवर-देवरानी, पुत्र-पुत्रियां, नाती-पोतों सहित 20 से ज्यादा छोटे-बड़े सदस्यों की मुखिया श्रीमती लाठी सनातन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बूँदी से प्राचार्या के पद से सेवानिवृत्त हैं।

वन्यजीव संरक्षण के लिए राज्यपाल से भेंट

भीलवाड़ा। वाईल्ड लाईफ क्राईम कन्ट्रोल ब्यूरो के विशेषाधिकारी एवं पीएफए के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने राज्यपाल कलराज मिश्र से रूबरू मुलाकात करते हुए वन, वन्यजीव एवं झील जलाशय संरक्षण के लिए सरकार की गतिविधियों में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। श्री जाजू ने राज्यपाल को 10 बिन्दूओं का ज्ञापन भी सौंपा जिसमें मुख्य रूप से तालछापर अभयारण्य के ईको सेंसेंटिव जोन को कम नहीं करने हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार को पत्र लिखकर रूकवाने आदि जैसी मांगे शामिल हैं।

राठी बने अध्यक्ष

धामनगाँव रेलवे (अमरावती)। समाजसेवी नंदकिशोर राठी को श्री गौरक्षण संस्था धामनगांव रेलवे व दत्तापुर सेवा सहकारी सोसायटी दोनों में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

आँखों में अगर गुरुर हो, तो इंसान को इंसान नहीं दिखता, जैसे छत पर चढ़ जाओ, तो अपना ही मकान नहीं दिखता।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

कान्ता काबरा
अध्यक्षा

विजयलक्ष्मी सारड़ा
सचिव

माहेश्वरी महिला मंडल बैंगलोर
(माहेश्वरी सभा बैंगलोर के अन्तर्गत)
समस्त कार्यकारिणी एवं सलाहकार सदस्य

With Best Compliments from

THE PACKAGING PEOPLE

Kraft Paper Mill
Shriniwas Board and Paper Pvt Ltd, Dewas

Corrugated Box:

Shree Packers (MP) Pvt Ltd, Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co

Vyanktesh Corrugators Pvt Ltd,Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co

Automatic 3/5 Ply Plant

HDPE Container & Accessories

Arpit Plastics Pvt Ltd, Ujjain
Shriji Polymers Pvt Ltd, Ujjain

Caps & Bottle for Pharmaceuiticals

(President's Award Winning Unit)

Manufacturers of All types of Corrugated Boxes, Dye Cut Boxes, Laminated and Offset Printed Cartons for Domestic & Export for Textile, Cosmetics, Engineering, Automobile, Pharmaceuticals, Food & Beverages , DMF approved facility for Bottles and CR Caps.

Contact Number:0734-2527320-23 Fax Number:0734-2519691

Email:anand@packingpeople.com Website:www.packingpeople.com

फ्री मेडिकल चेकअप कैंप का हुआ आयोजन

बठिंडा। माहेश्वरी सभा (रजि) की तरफ से वीर कॉलोनी स्थित माहेश्वरी हॉस्पिटल के सहयोग से 2 दिवसीय फ्री मेडिकल चेकअप कैंप लगाया गया, जिसमें डॉ. रमेश माहेश्वरी एम. डी. मेडिसिन द्वारा शुगर, ब्लड प्रेशर, दिल एवं छाती के रोगो के लगभग 85 लोगों का चेकअप किया। इस कैंप में सिप्ला कंपनी और Accusure कंपनी के सहयोग के साथ मरीजों का स्पिरीमेटेरी टेस्ट व शुगर टेस्ट बिलकुल फ्री किया गया। डॉ. इशिता माहेश्वरी, माहेश्वरी पैठ लैब, बठिंडा की ओर से जरूतमंद लोगों के टेस्ट फ्री किये गए। माहेश्वरी सभा बठिंडा की और से कैंप में जरूतमंद मरीजों की फ्री सेवा करने वाले डॉ. रमेश माहेश्वरी व डॉ. इशिता माहेश्वरी को सम्मानित किया गया। माहेश्वरी सभा के सभी मेंबर्स का धन्यवाद करते हुए डॉ. रमेश माहेश्वरी व डॉ. इशिता माहेश्वरी ने कहा कि ऐसे कैंप हमेशा लगने चाहिए ताकि लोगों को सहूलत मिल सके। कैंप को सफल बनाने के लिए पवन होलानी, जगदीश मंत्री, सुशील मुंधड़ा, के के मालपाणी, सोहन माहेश्वरी, शाम लाल माहेश्वरी, संजीव बिहानी, गोबिंद डागा, परवीन मिमानी, सुप्रीम कोठारी, राजेश काबरा, महिला मंडल अध्यक्ष सविता होलानी, सचिव अंजू मालपानी, मधु मंत्री और मंजू मिमानी आदि का विशेष सहयोग रहा।

महेश नवमी 2022 की रूपरेखा हुई तय

चंद्रपुर। महेश भवन में महेश नवमी उत्सव 2022 मनाने की रूपरेखा तय करने हेतु महेश नवमी जिला संयोजक राजेश काकाणी द्वारा मीटिंग बुलाई गई। इसमें विदर्भ प्रादेशिक के उपाध्यक्ष दामोदर सारड़ा, जिला अध्यक्ष सुशील मुंधड़ा सचिव शिवनारायण सारड़ा, महेश भवन के सचिव सुरेश राठी, युवक मंडल के अध्यक्ष शक्ति धूत, सचिव श्रीकांत भट्टड़, महिला मंडल की अध्यक्ष इंदू जाजू, सचिव अल्का चांडक आदि उपस्थित थे। साथ ही मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिलकुमार लाहोटी का स्वागत चंद्रपुर रेल सुविधा संघर्ष समिति के सदस्य दामोदर मंत्री द्वारा किया गया। सभा में विचार विमर्श कर विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन से प्राप्त गाइडलाइंस के अनुसार 8 जून को हर्षोल्लास के साथ महेश नवमी पर्व विधिवत मनाने का निर्णय हुआ है। इसकी जिम्मेदारी माहेश्वरी युवक मंडल चंद्रपुर एवं माहेश्वरी महिला मंडल चंद्रपुर ने ली है।

SHREE RADHE
Musical Group

महेश चन्द्र राठी
94609-01871

ललिता राठी
Wedding Singer,
Anchor, Entertainer
93143-39560

- गोद भराई
- हल्दी
- मायरा
- म्यूजिकल फेरा
- रासलीला
- भजन संध्या
- जन्मदिन
- विवाह वर्षगांठ
- स्वर्ण सीढ़ी समारोह

YouTube Shree Radhe Musical Group, Bhilwara
Email : rathi.mahesh 09@gmail.com

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

सरला काबरा
अध्यक्ष,
माहेश्वरी महिला पत्रिका
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

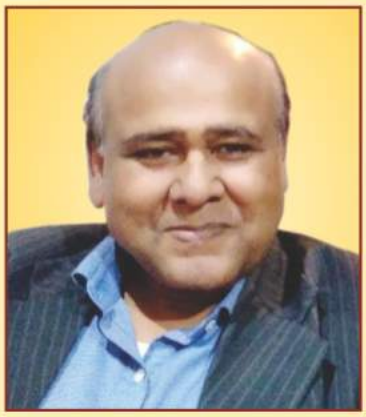

कैलाश काबरा
उपाध्यक्ष,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्वांचल

55, काबरा हाऊस बी.आर. फुकन रोड, गुवाहाटी (असम)
मो. 94350-12539, 94357-08017

सेवा गतिविधियों का किया आयोजन

उदयपुर। संस्था माहेश्वरी गौरव द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन ओरियन्टल पैलेस रिसोर्ट में किया। जिसमें गणगौर व ईशरजी की सवारी निकाली गई। गणगौर के गीतों पर महिलाओं ने घूमर नृत्य किया। अध्यक्ष आशा नरानीवाल ने बताया कि इसमें तरह-तरह के गेम्स हाउजी खिलाई गई। सचिव सीमा लाहोटी ने बताया कि कला गट्टानी, अनिता मूंदड़ा, निशा पोरवाल गणगौर चुनी गई। संरक्षक कौशल्या गट्टानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संगठन मंत्री सरिता न्याती, जिला अध्यक्ष मंजू गांधी ने सभी को पारितोषित दिये। रमा सोमानी, अंकिता मंत्री, आरती न्याती, प्राची पण्डवा आदि उपस्थित थे। संस्था द्वारा नवरात्रि में नवपारायण के पाठ किये गये। हनुमान जयंती पर सुंदरकाण्ड का पाठ किया गया। साथ ही हनुमान मंदिर में प्रसाद का वितरण करवाया। गायों के लिये पानी की टंकी, राहगीरों के लिए प्याऊ, बैशाख महिने की गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिये जगह-जगह परिडे बांधे। साथ ही गायों के लिये चारे की व्यवस्था की गई। राहगिरों के लिये 3-4 जगह प्याऊ की व्यवस्था की। इस कार्य में संरक्षक कौशल्या गट्टानी, अध्यक्ष आशा नरानीवाल, प्रदेश संगठन मंत्री सरिता न्याती, जिला अध्यक्ष मंजू गांधी, राजकुमार आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपलब्धि

अक्षिता को 91.8 प्रतिशत अंक

आगर। माहेश्वरी समाज सदस्य पवन-दीपिका मालानी की सुपुत्री अक्षिता मालानी ने कॉमर्स विषय से 12वीं कक्षा में 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करके जिले की प्राविण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अक्षिता भविष्य में सीए बनना चाहती हैं।

आयआयएम हेतु मोहित का चयन

अकोला। नारायण ब्रदर्स के संचालक रेखचंद राठी के पौत्र व आर्किटेक्ट रमेश व ममता राठी के पुत्र मोहित राठी ने कठिन परिश्रम और लगन से प्रथम प्रयास में ही आयआयएम अहमदाबाद में प्रवेश प्राप्त कर लिया है। मोहित ने बचपन में क्रीडा जगत से जुड़कर अनेक पुरस्कार भी हासिल किये है। स्कैटिंग में नैशनल लेवल तक वह शामिल रहे। इंजीनियरिंग शिक्षा के दौरान नाटक मंचन, गीता पर आधारित काव्यपाठ में हिस्सा लेकर उन्होंने सदैव जीत का परचम लहराया। दसवीं-बारहवीं में भी मेरिट में अपना स्थान आरक्षित किया था। कैट की परीक्षा में उन्होंने 99.88 पसैन्टाईल हासिल किये हैं।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

GOPAL CHANDAK

CHANDAK AGENCIES

LIFE IN IMPEX (CHINA)

RAMDEO REALTORS

227, Radhakrishna Shankar nagar, Nagpur 440010
Mob. 9373101314, 9822000824
Email : gcnagpur@ hotmail.con

MDH

Real Masala You Can Trust

With Best Compliments

- Suresh Rathi
- Sharad Rathi

Mahashian Di Hatti Pvt. Ltd.

Tausar Road, Nagaur - 341 001 (Rajasthan)
Phone : 01582-242040, 242343 Resi : 240454
Mob.: +91-9414118181 Fax : 01582-243343

Unit II : RIICO Industrial Area, Bikaner Road, Nagaur (Raj.)
Tel. : 01582-244532 Fax : 01582-243736
e-mail : nagaur@mdhspices.in

माहेश्वरी खेल महोत्सव संपन्न

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में माहेश्वरी खेल महोत्सव 2022 का आयोजन 14 एवं 15 मई को स्थानीय हरिचरण मारवाड़ी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामेश्वर हुरकट का स्वागत युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने किया। विशेष अतिथि गोवर्धन साबू का स्वागत खेल महोत्सव के संयोजक कृष्णा बंग ने किया। माहेश्वरी जिला सभा के मंत्री राजेश कुमार डालिया का स्वागत गोविंद मालू ने किया। युवा संगठन के मंत्री अनुराग भांगड़िया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पवन मुंदड़ा, प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू, कार्यक्रम संयोजक कृष्णा बंग, पवन मालू, मयूर बंग, गोविंदा मालू, राजगोपाल बंग, विष्णु जाजु, अनूप मालू ने स्मृति चिन्ह देकर अतिथियो का सत्कार किया। मंच संचालन गोविंद झंवर द्वारा किया गया। क्रिकेट में आठ टीमों ने भाग लिया, जिसमें अनुराग भांगड़िया की टीम माहेश्वरी ब्लास्टर विजेता रही वहीं उप विजेता के रूप में धर्माबाद की टीम धर्माबाद वारियर ने ट्रॉफी हासिल की। बैडमिंटन डबल्स में विजेता के रूप में धर्माबाद से आए उमेश राठी व सुजल राठी और रनर के रूप में गोकुल तोतला व श्रीगोपाल डालिया रहे। इसी प्रकार महिलाओं व लड़कियों के लिए भी बैडमिंटन, टीटी, कैरम, चेस एवं बच्चों के लिए म्यूजिकल चेयर, नींबू चम्मच, रनिंग रेस आदि का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को महेश नवमी के दिन पुरस्कार दिए जाएंगे।

महेश विहार का हुआ लोकार्पण

किशनगढ़। माहेश्वरी पंचायत संस्था मदनगंज द्वारा अजमेर रोड पर नवनिर्मित भवन महेश विहार का लोकार्पण समारोह पूर्वक हुआ। मुख्य अतिथि उद्यमी एस एन चांडक, दिनेश बंग, अशोक पाटनी, मुकुट बिहारी मालपानी, ओमप्रकाश तोषनीवाल, राधामोहन सारड़ा आदि उपस्थित थे। मीडिया प्रभारी सुरेश शारदा ने बताया कि महेश बिहार लोकार्पण को लेकर पाच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रमों में समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान माहेश्वरी समाज द्वारा विभिन्न समाजों के अध्यक्ष सचिव सहित समाज के महामहिम जनों का ऊपरना, मोतियों की माला पहनाकर स्वागत-सम्मान किया गया। महेश विहार के लोकार्पण के बाद भगवान महेश की आरती कर प्रसाद का वितरण वात्सल्य भोज के रूप में किया गया।

मूंदड़ा बने कोहिनूर के नूर

भीलवाड़ा। कोहिनूर सेवा समिति के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोक अदालत के सदस्य शांतिलाल जैन थे। अध्यक्षता दुर्गालाल सोनी ने की। समिति के संयोजक कवि रामनिवास रोनी राज ने बताया कि गोष्ठी का शुभारंभ प्रख्यात भजन गायक कलाकार राजेंद्र सिंह देश प्रेमी की सरस्वती वंदना से हुआ। निशांत सोनी की रचना 'बुद्ध का बदला जो युद्ध से देने लगे' ने खूब तालियां बटोरी। कवि चिरंजीलाल टाक देश प्रेमी की रचना 'फेरी वाला आया है हर मर्ज की दवा लाया है' ने खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर रामचंद्र मूंदड़ा को शहर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। स्वर्णकार समाज के युवा अध्यक्ष लखन सोनी का भाव भीना स्वागत किया गया। अंत में अध्यक्ष दुर्गालाल सोनी ने सभी का आभार प्रकट किया।

''ऊँ श्री राम''

MU Masala "महिला गृह उद्योग"

घर पर बने मसाले, घर जैसे

१० वर्षों से विश्वसनीय व सूचारु रूप से मसाले तैयार किये जाते हैं।

हमारे यहां पर आपके स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर उत्तम क्वालिटी की सामग्री शुद्ध मसाले, अचार (मुंगफली का तेल से) व चटनी तैयार किये जाते हैं। ताकि आपका खाना भरपुर प्रोटिन युक्त, सुगंधित व स्वादभरा हो। ताकि आप का पेट भर जाये पर खाने से मन न भरे। "स्वाद का महाराजा MU Masala"

हमारे यहाँ पर उत्पादित मसाले, अचार व चटनी

मसाले
गरम मसाला
बिरयानी मसाला
चाय मसाला
चाट मसाला
मैगी मसाला
पास्ता मसाला
पराठा मसाला
पावभाजी मसाला
सांभर मसाला
दाल फ्राई मसाला
दाल मखानी मसाला
सेण्डवीच मसाला
पानीपुरी मसाला
दाबेली मसाला
स्पेशल गरम मसाला
पनीर टिक्का मसाला
कढ़ी मसाला
शाही चाय मसाला
राजमा मसाला
छोला मसाला
सब्जी किंग मसाला
पैरी पैरी मसाला
पोहा मसाला
वड़ा पाव मसाला

चटनी व सॉस
नीम्बु चटनी
लहसुन चटनी
चटपटी सुखी चटनी
नीम्बु जैम
कैरी पाक
कैरी चटनी

अचार
केर अचार
केरी अचार
केर सांगरी अचार
गुन्दा अचार
नीम्बु अचार
नीम्बु खट्टा मीठा
मिस्स अचार
मिर्ची कूट्टा
अथाना हरी मिर्ची
अथाना लाल मिर्ची
काचरी अचार

अन्य सामग्री
धनिया पाउडर
मिर्ची पाउडर
हल्दी पाउडर
लहसुन पाउडर
प्याज पाउडर
पोदिना पाउडर
काचरी पाउडर
अमचूर पाउडर
सौंठ पाउडर
काला नमक
सेंधा नमक
पचकुटा
सांगरी
कुमटिया
गुन्दा
केर
बड़िया
दलिया

मारुति उद्योग
2 ख 2, चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपुर (राज.)
मो. 9414132426, 7597321081

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति पर्व महेश नवमी महोत्सव पर सभी बंधुओं एवं बहनों को हार्दिक मंगलकामनाएँ

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

द्वादश सत्र 2020-22

द्वादश सत्र का ध्येय वाक्य - कर्मण्येवाधिकारस्ते

यानी कर्म करने में ही तेरा अधिकार है अंतर्गत लगातार **6** बार स्वर्णिम इतिहास रचा

ई-संस्कार वाटिका

ऑन लाईन प्रशिक्षण

वर्चुअल साड़ी एक्पो

स्वाश्रिता

आरोग्यम्

महा हर सीट हॉट सीट

माँ रत्नी देवी काबरा
मार्ग संरक्षक

आशा माहेश्वरी
अध्यक्ष

मंजू बांगड़
महामंत्री

ज्योति राठी
कोषाध्यक्ष

शैला कालंत्री
संगठन मंत्री

मधु बाहेती
कार्यालय मंत्री

सम्माननीय पूर्व अध्यक्ष

सी. कल्पना गगड़ानी
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुशीला काबरा
पूर्व अध्यक्ष

शोभा सादानी
पूर्व अध्यक्ष

विमला देवी साबू
पूर्व अध्यक्ष

गीता मूंदड़ा
पूर्व अध्यक्ष

लता लाहोटी
पूर्व अध्यक्ष

मनोरमा लड्ढा
पूर्व अध्यक्ष

आंचलिक पदाधिकारी

पूर्वांचल

मंजु कोठारी
उपाध्यक्ष

गिरिजा सारड़ा
संयुक्त मंत्री

पश्चिमांचल

ममता मोदानी
उपाध्यक्ष

सविता पटवारी
संयुक्त मंत्री

मध्यांचल

मंगल मर्दा
उपाध्यक्ष

उषा करवा
संयुक्त मंत्री

उत्तरांचल

किरण लड्ढा
उपाध्यक्ष

शशि नेवर
संयुक्त मंत्री

दक्षिणांचल

कलावती जाजू
उपाध्यक्ष

पुष्पा तोषनीवाल
संयुक्त मंत्री

अपराजिता कैरम प्रतियोगिता आयोजित

कोलकाता। वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महिलाओं के चहुमुखी विकास को ध्यान में रखते हुए दो दिवसीय अपराजिता कैरम प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रथम दिन इस आयोजन की मुख्य अतिथि कल्याण की चौबे भाजपा जिलाध्यक्ष उत्तर कोलकाता पूर्व गोलरक्षक - भारतीय फुटबॉल दल ने फ़ीता काटकर तथा सभी टीम के साथ जोश भरते हुए स्ट्राइकर्स शॉर्ट मारते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष मंजू कोठारी, राज झंवर (राष्ट्रीय महिला सेवा ट्रस्ट उपाध्यक्ष), शिव रतन झंवर, मनमोहन मल्ल, मीना राठी, वर्षा डागा (पूर्वांचल समिति सह प्रभारी) आदि उपस्थिति थीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड, राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी, विमला साबू, सुशीला काबरा, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु बाहेती आदि द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई। मंच संचालन एवं सभी टीम का जोश से भरा स्वागत कुसुम मुंदडा एवं कंचन भट्टड़ द्वारा किया गया। प्रदेश अध्यक्ष निर्मला मल्ल द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। प्रत्येक टीम द्वारा प्रतिबद्धता से 7-7 मैच खेले गए। दक्षिण कोलकाता अंचल ने चैंपियन और नवयुवती मंडल ने फ़र्स्ट रनर अप का अवार्ड तथा 3 रनर अप का अवार्ड हावड़ा अंचल और हिंद मोटर टीम ने जीता। मुख्य अतिथि युवराज दीपक केशवानी द्वारा सभी प्रतिभागियों को शील्ड तथा जीतने वाली टीमों को भव्य ट्रॉफी भेंट की गई।

बालाजी युवक संगठन में मूंदड़ा बने अध्यक्ष

पुणे। स्थानीय बालाजी युवक संगठन की सन् 2022-27 के लिये नई कार्यकारिणी हेतु निर्विरोध चुनाव हुए। इसमें अध्यक्ष सुमित मूंदड़ा, उपाध्यक्ष दर्शन भूतड़ा, सचिव निलेश सारडा व कोषाध्यक्ष श्याम झंवर सर्वसम्मति से चुने गये। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आनंद लद्दड़, पवन राठी, मुकेश तापड़िया, मुकुल मूंदड़ा, कल्पेश माहेश्वरी, भरत झंवर, प्रथमेश सारडा व सलाहकार पद पर अनिल राठी, रत्नेश राठी, सचिन जाजू का चयन हुआ। उक्त जानकारी वरिष्ठ सदस्य सुरेश नावंदर ने दी।

ऐसे टला अस्पताल में अग्निकांड का हादसा

चंद्रपुर। गत 12 मई को रात करीब 1 बजे डॉ. संतोष गंगाधरवार ने सबसे पहले आग देखी और मुंधड़ा अस्पताल के कर्मचारियों को सूचना दी। आग की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे डॉ मनीष मुंधड़ा व अधिवक्ता आशीष मुंधड़ा ने बिना समय गंवाए अस्पताल की आपातकालीन अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत चालू कर दिया। सिस्टम चालू करने के बाद पाइप के जरिए पूरे दबाव से पानी का छिड़काव किया गया। मौके पर मौजूद संतोष गंगाधरवार मौके पर पहुंचे और आग बुझाने तक गाड़ी पर पानी का छिड़काव किया। तब तक चंद्रपुर पुलिस विभाग और चंद्रपुर फायर ब्रिगेड से संपर्क किया गया और पुलिस विभाग के अधिकारी और दमकल के अधिकारी सामने आए और आग बुझाने में भी सहयोग किया। अगर गाड़ी के पेट्रोल टैंक में आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो जाता और पास में खड़ी गाड़ियों में भी आग लग जाती। हालांकि, संतोष गंगाधरवार, डॉ. मनीष मुंधड़ा और अधिवक्ता आशीष मुंधड़ा की समयबद्धता और भारती अस्पताल की अग्निशमन व्यवस्था के कारण दुर्घटना टल गई।

प्रिया सोमानी को सुयश

जिला बदायूं (उत्तर प्रदेश)। समाज सदस्य सुनील कुमार सोमानी व रंजना सोमानी की सुपुत्री प्रिया सोमानी ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परचम फहराते हुए कनाडा की सेंट फ्रांसिस जेवियर युनिवर्सिटी, नोवा से एम.एस. की परीक्षा 83 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

मोक्षधाम का सौंदर्यीकरण पूर्ण

जयपुर। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा सर्वधर्म मोक्षधाम, चांदपोल क्षेत्र के नवनिर्माण व सौंदर्यीकरण का लोकार्पण किया गया। इस मोक्षधाम में गाय व पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत केवल गौकाष्ठ से ही अन्तिम संस्कार किये जायेंगे। इस तरह माहेश्वरी समाज जयपुर ने यह गौ-पर्यावरण परक पहल की। उक्त जानकारी जुगलकिशोर सोमानी ने दी।

पुण्य स्मृति में हुआ रक्तदान

पुणे। सेवा पथ पर अग्रसर चेरिटेबल संस्था सांगवी परिसर महेश मंडल, पुणे द्वारा श्रीमती तुकाबाई लोहिया की स्मृति में नीलू फुले बहुद्देश्यीय सभागृह, सांगवी में 25वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 232 रक्तदाताओं ने जीवन-मृत्यु के बीच संघर्षरत लोगों को रक्तदान द्वारा नवजीवन देने के लिये शिरकत की। कार्यक्रम में महापौर माई ढोरे, हर्षल ढोरे, सुजाता ताई पलांडे, भाऊसाहेब भोईर, शारदा देवी सोनावणे, जुगल मालू, अशोक राठी, गोपाळ जाजू, नरेंद्र चांडक सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सेवाएं प्रदान की व रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। सांगवी परिसर महेश मंडल के अध्यक्ष सतीश लोहिया ने आभार व्यक्त किया।

मातृत्व दिवस पर हुआ आयोजन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल माहेश्वरी महिला संगठन की टीम ने मातृत्व दिवस पर ''मां की छवि'' को प्रेषित करते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका मूल उद्देश्य अपनी जड़ों को फिर से उजागर कर उन्हें उनकी मजबूती का एहसास दिलाना और कुछ ऐसी महिलाओं का सम्मान करना था जिन्होंने समाज सुधार में पहल की हो। अध्यक्ष नीरा मल्ल व सचिव कृष्णा पेड़ीवाल की युगल जोड़ी के दिमाग की उपज को शोभना और श्वेता ने मिलकर सींचा। सभी अंचलों के अध्यक्ष और सचिवों ने अपने-अपने स्थान से 2-2 वरिष्ठों का चयन किया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंधड़ा व राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष मंजू कोठारी भी उपस्थिति थीं।

दिव्यांग शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा गत 8 मई को उत्सव जन उपयोगी भवन विधाधर नगर, जयपुर में विशाल दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। समाज सेवी सी.ए. राधामोहन कचोलिया उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ 13 सरकारी चिकित्सकों, सामाजिक, सहकारिता विभाग के डिप्टी डायरेक्टर उनके 4 सहयोगियों आदि सहित 25 सरकारी अधिकारियों ने सहभागिता की। जिला अध्यक्ष नवल किशोर झंवर एवं जिला मंत्री सुरेन्द्र बजाज ने बताया कि संयोजक लालचंद कचोलिया व रामकिशन सोनी का विशेष योगदान रहा। उद्घाटन सत्र में महासभा के संयुक्त मंत्री कैलाश सोनी, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश मंत्री राम अवतार आगीवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिला महिला संगठन की अध्यक्ष उमा सोमानी भी उपस्थित रहीं।

॥ महेश नवमी के पावन पर्व पर
सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

सुरेशचंद्र मुरलीधर नावंदर

भू.अध्यक्ष एवं विश्वरत-श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर
कसबा पेठ पुणे तथा महेश सेवा संघ पुणे
विश्वरत-माहेश्वरी चेरिटेबल फाउण्डेशन पुणे
भू.अध्यक्ष एवं सदस्य-स्कॉलरशिप समिति माहेश्वरी विद्या
प्रचारक मंडल पुणे

1103/A12 शिवाजीनगर मॉडल कॉलोनी ''उत्कर्ष''
फ्लेट नं. 401 पुणे 411016 (महाराष्ट्र) मो. 98609-12345

संबंध कभी भी मीठी आवाज और सुंदर चेहरे से नहीं टिकते वो टिकते हैं सुंदर हृदय से और ना टूटने वाले विश्वास से।

बुलडाणा अर्बन

को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७

www.buldanaurban.in buldanaurban@rediffmail.com

ISO-9001 : 2000 एवंम
SA 8000-2002 मानांकित

☎:(07262) 242705, 243705

संस्था का कार्यक्षेत्र :- • महाराष्ट्र • राजस्थान • मध्यप्रदेश • छत्तीसगढ • गुजराथ • अंदमान-निकोबार

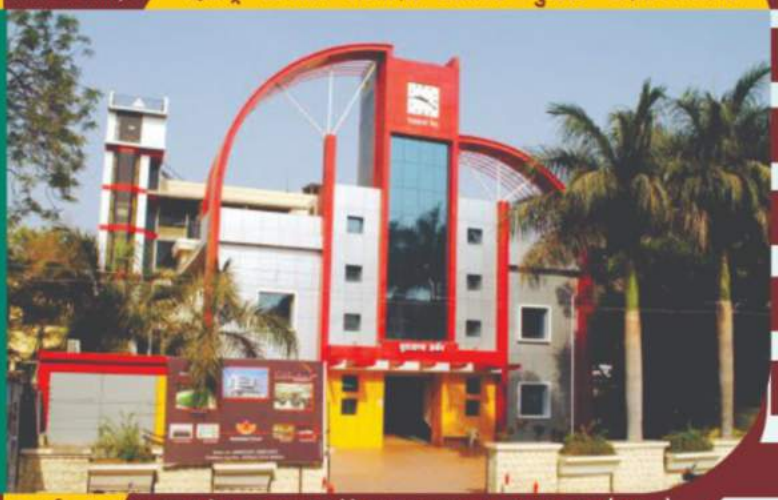

■ संस्था की वर्तमान स्थिती ■

कुल जमाराशी	१००३० करोड
कुल ऋणराशी	७८९२ करोड
कुल गोदाम	४५०
कुल शाखा	४६७
कुल गोल्ड लोन	२०२४ करोड
कुल सदस्य	७९८०००

कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)

संस्था की योजनाए

- पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
- उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
- तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर एवं शिर्डी में भक्तनिवास
- बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
- ४५० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
- बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
- बुलडाणा में वेदविद्यालय एवं जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित

सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१

AQSR ISO 9001-2000 Registered

www.sahakarvidyamandir.in

(07262) 244707, 245705

वर्ग १ से १२ (विज्ञान शाखा)

विशेषताए ■

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से परिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहोत कुछ....
- स्कुल की कुल शाखाएँ २० :- बुलढाणा, जलगाँव(जा), पिपलगावराजा, मोतला, धामणगाँव बढे, डोंगरखंडाला, उंद्री, जानेफल, डोणगाँव, सुलतानपूर, बिबी, साखरखेर्डा, सिदखेडराजा, देवलगाँवराजा, देवलगाँव मही, धाड, वरवट बकाल, दानापूर (अकोला जिला), फतेपूर (जलगाँव जिला) पिपलगाँव काले.
- शाखाओं के कुल छात्र :- २८०००.
- छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. • बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २५००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है ।
- मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY तथा Board Exam की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।

■ विनित ■

सौ. कोमल झंवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन चॅरीटेबल सोसायटी,बुलडाणा

राधेश्याम चांडक
अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ. सुकेश झंवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ..... बुलडाणा अर्बन....!

वैश्य समाज की बायोडाटा मीटिंग सम्पन्न

सूरत। अडाजन घौड़दोड़ रोड माहेश्वरी सभा सूरत एवं जय महेश बायोडाटा क्लब सूरत के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी, अग्रवाल एवं जैन समाज द्वारा अपने अपने समाज के अविवाहित युवक-युवतियों के बायोडाटा आदान-प्रदान हेतु 1 मई को ग्रीन रेजिडेंसी क्लब हाउस, गंगेश्वर महादेव मंदिर के सामने, अडाजन में बायोडाटा मीटिंग रखी गई। इसके साथ ही फ्री मेडिकल चेकअप केम्प का आयोजन भी किया गया। इसमें तीनों समाज से पूरणमल अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, बंसत अग्रवाल, जिला माहेश्वरी सभा विवाह प्रकोष्ठ संयोजक राजेन्द्र सोमानी, ओमप्रकाश देवपुरा, एस एस देवपुरा, मदन मुनोत, सभा अध्यक्ष रामसहाय सोनी, सभा सचिव सुनील माहेश्वरी, महेश चांडक, श्याम लड्ढा, चंचल सोमानी, नरेंद्र राठी आदि उपस्थिति रहे। अन्त में सभा सचिव सुनील माहेश्वरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मंदिर के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

राजनांदगांव। माहेश्वरी भवन में स्थित गुप्तेश्वर महादेव मंदिर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गत 6 मई को भगवान भोलेनाथ का अभिषेक पूजन व श्रृंगार आरती की गई। तत्पश्चात माहेश्वरी महिला मंडल सदस्यों द्वारा ढोलक मंजीरा के साथ संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। सुंदरकांड की समाप्ति के बाद हनुमान जी की संध्या आरती की गई। कार्यक्रम की समाप्ति पर स्वल्पाहार व प्रसाद का वितरण किया गया। उक्त जानकारी महिला मंडल पीआरओ पिंकी धूत ने दी।

बाहेती डीआरयूसीसी सदस्य मनोनीत

कोटा। रेल मंत्रालय ने कोटा सिटीजन्स कॉउन्सिल की मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी), कोटा में प्रतिनिधित्व प्रदान करते हुये कॉउन्सिल के चेयरमेन एल.सी.बाहेती को वर्ष 2022 एवं 2023 की दो वर्ष की अवधि के लिये डीआरयूसीसी का सदस्य मनोनीत किया है। श्री बाहेती वर्तमान में देश के शीर्षस्थ औद्योगिक संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सदस्य हैं तथा लघु उद्योग कॉउन्सिल ऑफ कोटा के अध्यक्ष हैं।

माहेश्वरी भवन का वास्तु पूजन

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट का गत 28 अप्रैल को मां उमिया धाम कापसी में वास्तु पूजन किया गया। भवन का निर्माण 90,000 स्क्वेयर फीट के प्लॉट में 30000 स्क्वेयर फिट के लॉन का निर्माण कर किया गया। इसमें 2 हाल 75 कमरे 100 से अधिक कार की पार्किंग सुविधा उपलब्ध हैं। कार्यकारी अध्यक्ष घासीराम मालू, सचिव राजेश बजाज, सह सचिव राम अवतार, तोतला कोषाध्यक्ष मधुसूदन सारडा प्रचार प्रसार मंत्री सुधीर सोनी कार्यकारिणी सदस्य रामअवतार हुरकट, श्रीनिवास काकानी, रमेश पचीसिया, वासुदेव मालू, बृजवल्लभ दरक, श्यामसुंदर परतानी, श्रीकांत सारडा, गोविंदलाल सारडा आदि उपस्थित थे।

जीवन रक्षक कार्यशाला का हुआ आयोजन

वाराणसी। माहेश्वरी परिषद के नेतृत्व में समाज के सभी मुख्य संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से आपातकालीन जीवन रक्षक प्रारंभिक उपचार प्रक्रिया प्रशिक्षण कार्यशाला एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन महमूरगंज स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। वरिष्ठ हृदय रोग सर्जन प्रो.डा.सिद्धार्थ लखोटिया के प्रयासों से वरिष्ठ प्रोफेसर एवं डॉक्टरों की टीम ने उपस्थित समाज जनों को प्रशिक्षण दिया और बताया कि कैसे विभिन्न आकस्मिक स्थिति में प्रारंभिक उपचार प्रदान कर मरीज को जीवनदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम में सभी संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाज एवं अन्य समाज के भी लोग उपस्थित थे।

रिश्ते निभाने के लिए बुद्धि नहीं दिल की शुद्धि होनी चाहिए सत्य कहो, स्पष्ट कहो, सम्मुख कहो जो अपना हुआ तो समझेगा जो पराया हुआ तो छूटेगा।

JCKM

SHRI JAICHANDLAL KARWA
MAHESHWARI HOSTEL

PATEL NAGAR - BOYS

CIVIL SERVICES
&
JUDICIAL SERVICES

PATEL NAGAR - GIRLS

FACILITIES

- **Boys** Hostel @ **Patel Nagar** – 17 triple sharing rooms for 51 students; Lift & Seminar Hall
- **Girls** Hostel @ **Patel Nagar** – 6 triple / double sharing rooms for 17 students
- **Centrally located** (5-10 min to Metro Station / 15-20 min to coaching centres)
- All AC rooms with attached bath, Beds, Cabinets & Study Tables
- **Conclave Seminars, Mock Tests, Discussion Forums & Coaching Centre Tieups**
- **Vegetarian Mess** serving home like meals
- **Modern Amenities** like Wifi, Library / Study Room, Laundry / Washing Machine etc.
- **Safe & Secure** with CCTV, Biometric Access, Fire Fighting Equipment
- **Financial Assistance** & **Scholarship**

ADMISSION OPEN – Apply Now for 2022 – 2023 Session

For online Application Form, email with Name / Town / email ID / Mobile to admission@jckmhostel.com OR Whatsapp 8700575743

VIDEO TOUR | DOWNLOAD BROCHURE | TO APPLY

For details call 7827993296 or email info@jckmhostel.com or visit www.jckmhostel.com

Nand Kishore Karwa (Chairman)	Pushpa Kabra (Managing Trustee)	Rajeev Marda (Secretary)	Brij Mohan Rathi (Treasurer)	Nilesh Karwa (Jt. Secretary)

A B MAHESHWARI EDUCATIONAL TRUST, New Delhi

(Inspired by Akhil Bhartvarshiya Maheshwari Mahasabha)

Boys Hostel
Cottage 22, Balraj Khanna Marg
West Patel Nagar, New Delhi 110008

+91-7827993296
011-49147373 / 7979
info@jckmhostel.com

Girls Hostel
Cottage 14, Balraj Khanna Marg
West Patel Nagar, New Delhi 110008

सुरभि का काव्य संग्रह 'तुम प्रेम हो' का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुरभि नोगजा के काव्य संग्रह 'तुम प्रेम हो' का विमोचन किया। यह सुरभि की प्रथम काव्य रचना है। इसे उज्जैन के ऋषि मुनि प्रकाशन ने साहित्य अकादमी, संस्कृति विभाग, भोपाल के सहयोग से प्रकाशित किया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह ने कहा कि 'इस पुस्तक के माध्यम से सुरभि ने नारी के हर रूप को अपनी कविताओं में साकार करने का सुंदर प्रयास किया है। प्रदेश की, हमारे परिवार की इस बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। आपने कहा कि वे इस पुस्तक को पूरा ज़रूर पढ़ेंगे और ये उम्मीद भी जतायी कि सुरभि काव्य रचना को इसी तरह आगे बढ़ा कर देश के काव्य आकाश पर प्रदेश को गौरव दिलाकर, जगमगाती रहेंगी। इस अवसर पर सुरभि के पिता एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी गोविंद मालू, माँ उष्मा मालू, पति श्रीराज नोगजा और पुत्र अभिमन्यु नोगजा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर भोपाल में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ मालू परिवार के सदस्यों ने नीम का पौधा भी रोपा।

गौरव पुरस्कार से झंवर सम्मानित

अहमदनगर। गत 1 मई महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर 'अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा' द्वारा रामनाथ धूत सभागृह, 'माऊली संकुल', अहमदनगर में विविध क्षेत्र में कार्य करने वाले माहेश्वरी समाजजनों को सम्मानित किया गया। क्रीड़ा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए जिला स्तरीय 'महेश गौरव पुरस्कार - क्रीड़ा' से अहमदनगर के भरत झंवर को सम्मानित किया गया। सायकलिंग, गिर्यारोहण (ट्रेकिंग), मैरेथॉन रंनिंग जैसे खेलो में विशेष कार्य करने के लिए उन्हें वर्ष 2019 से 2022 के लिए महेश गौरव-क्रीड़ा क्षेत्र के लिए सम्मानपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। श्री झंवर कंपनी सेक्रेटरी व कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट हैं तथा पिछले 10 सालों से शिक्षा क्षेत्र व समाज कार्य में भी योगदान दे रहे हैं। समारोह में प्रदेशाध्यक्ष सत्यनारायण लाहोटी, जिला अध्यक्ष अनीष मनियार, जिला सचिव अजय जाजू, स्वागत-अध्यक्ष मोहनलाल मानधना, तालुका अध्यक्ष विनोद मालपानी आदि उपस्थित थे।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार - वर्ष-2022

माहेश्वरी महिला साहित्यकार इस पुरस्कार के लिये पात्र होंगी
पुरस्कार : रुपये एक लाख तथा 100 ग्राम का चांदी का सिक्का
माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जानेवाला प्रथम पुरस्कार है।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार समिति
बसंती हॉस्पीटल, रामदासपेठ, अकोला - ४४४००५. मो. 8007720747
puraskarsamiti@gmail.com

कलेक्टर द्वारा करवा सम्मानित

संगरिया (जिला हनुमानगढ)। समाज सदस्य कृष्ण कुमार करवा व राजकुमार करवा के सुपुत्र कपिल करवा को कृषि विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित जिलास्तरीय कृषि मेले में जिला कलक्टर हनुमानगढ नथमल डिडेल, उपखण्ड अधिकारी रमेश देव, केंद्र प्रभारी डॉ.अनूप कुमार, केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान सिरसा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ.ऋषि कुमार, स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ.पीएल नेहरा, बठिण्डा कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व उपनिदेशक डॉ.जितेंद्र सिंह बराड़ सहित कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान एक दशक से ग्रामीण क्षेत्र की कृषि के नवाचार को आमजन तक पहुंचाने व किसानों को तकनीकी जानकारी का लाभ पहुंचाने के लिए दिया गया। उल्लेखनीय है कि श्री करवा वर्तमान में उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकारिणी सदस्य भी हैं।

सखी संगठन की कार्यकारिणी गठित

अनुराधा अजमेरा-अध्यक्ष | निक्की राठी-सचिव | सुमन काबरा-कोषाध्यक्ष

जोधपुर। माहेश्वरी सखी संगठन के निर्वाचन में अनुराधा अजमेरा अध्यक्ष, निक्की राठी सचिव, सुमन काबरा कोषाध्यक्ष मनोनीत की गई। अहमदाबाद माहेश्वरी सखी संगठन की कार्यकारिणी का गठन संगठन की संरक्षिकाओं व पूर्व अध्यक्षाओं की उपस्थिति में किया गया। इसमें संगठन की कार्यकारिणी सदस्या दीपा धूत, रक्षा मणियार, वन्दना बिरला, अलका मोदानी, नीलम मालपानी, सविता जैसलमेरिया, टीना राठी, पूजा कासट, प्रियंका लड्ढा, जया जेठा, स्नेहा लड्ढा आदि मनोनीत हुई।

अस्पताल में बीपी की मशीन भेंट

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र जोधपुर द्वारा इंदु देवी हस्तीमल पावटा सेटेलाइट हॉस्पिटल मे चार बी. पी. की मशीनें भेंट की गई। सुशीला बजाज ने बताया कि इस दान-पुण्य के काम में पुष्पा सोनी, शोभा डागा, सरोज मूंदड़ा, उषा राठी, राजकुमारी, रामेश्वरी राठी, संजू सोनी आदि का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में प्रदेश संयोजिका डॉ. सूरज माहेश्वरी भी उपस्थित थीं।

खरी-खरी

मातु शारदा ज्ञान, विनायक
अगर बुद्धि का वर देंगे

हो कृपालु सद्गुरु यदि अपना
हाथ शीश पर धर देंगे

कोई ज्ञानी, ध्यानी हमसे
तर्क नहीं कर पायेगा

प्रश्न न शेष रहेगा कोई
जिस दिन हम उत्तर देंगे

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

सोहम योग ग्रुप की हुई स्थापना

उज्जैन। विक्रम वाटिका स्थित पार्क में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर योगाचार्य श्री परमार के सान्निध्य में सोहम योग ग्रुप की स्थापना की गई। सर्वे सन्तु निरामया की भावना से इस ग्रुप की स्थापना की गई है यहां पर योगाचार्य श्री परमार के सानिध्य में नियमित रूप से प्रातः 7 बजे विक्रम वाटिका में निशुल्क योग सिखाया जाएगा। इस ग्रुप में 20 से अधिक सदस्यों ने योग-प्राणायाम का लाभ लिया। इस अवसर पर संजय सुगंधी, पुष्कर बाहेती, धर्मेन्द्र रघुवंशी, ममता उपाध्याय, संध्या तेलंग, राजश्री सुगंधी, पल्लवी पण्ड्या, मंजू जी, मनीषा डागा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

महिला संगठन के समारोह का हुआ आयोजन

उदयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के भव्य समारोह का आयोजन महेश सेवा समिति में हुआ। इसमें प्रदेशाध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल व सचिव अनिला अजमेरा सहित पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता मोदानी, स्वास्थ्य एवं परिवारिक समरसता समिति की शिखा भदादा, कौशल्या गट्टानी, पुष्पा राठी, सुमन सोनी, सरिता न्याति आदि कई पदाधिकारी उपस्थित थीं। जिला अध्यक्ष मंजू गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रखर वक्ता श्रद्धा गट्टानी द्वारा सुखी रहने के गुर सिखाए गए। प्रदेश अध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल द्वारा फर्स्ट एड के बारे में बताया गया। सचिव रेखा आसावा ने बताया कि कार्यक्रम में निःशुल्क बॉडी चेक अप का प्रावधान भी रखा गया। इस अवसर पर गणगौर उत्सव बढ़ता, दिखावा और बिखरते परिवार पर सुन्दर नाटिका इत्यादि कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम का संचालन रेखा देवपुरा व छवि भदादा ने किया। कार्यक्रम में सरस्वती सरोज गट्टानी, आशा मूंदड़ा, सुशीला, चंदा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थीं।

किसी भी मनुष्य की बुराई को बताना आम लोगों की पहचान है, पर बुराई में अच्छाई ढूंढ़ना खास लोगों की पहचान है।

अमिताभ ने दिया प्रोत्साहन पत्र

मालेगांव। कवियित्री सुमिता मूंधड़ा की स्वरचित पुस्तक 'मेरी कलम से-मेरी कविताएं' के लिए सदी के महानायक अमिताभ बच्चन द्वारा प्रोत्साहन पत्र प्राप्त हुआ। इस पुस्तक में श्रीमती मूंधड़ा की पचहत्तर स्वरचित काव्य-रचनाओं का संग्रह है। पिछले वर्ष प्रस्तुत पुस्तक के लिए उन्हें माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी प्रोत्साहन पत्र प्राप्त हुआ था।

धूत अध्यक्ष भट्टड सचिव

चंद्रपूर। गत 01 मई को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर सभागृह में माहेश्वरी युवक मंडल द्वारा माहेश्वरी समाज के युवा सदस्यों के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में माहेश्वरी युवक मंडल, चंद्रपुर की पुरानी कार्यकारणी का विघटन कर नयी कार्यकारिणी वर्ष 2022-24 का गठन हुआ। संस्था माहेश्वरी युवक मंडल के हाल ही में संपन्न चुनाव में शिवशक्ति धूत को अध्यक्ष और श्रीकांत भट्टड को सचिव के रूप में सर्वसम्मति से चयनित किया गया। इसके साथ ही उपाध्यक्ष पंकज सारडा व दीपक सोमानी, मुकेश भट्टड व पीयूष माहेश्वरा-सहसचिव, ऋषिकांत जाखोटिया-कोषाध्यक्ष, अनूप गांधी-संगठन मंत्री, आशीष मूंधड़ा- सांस्कृतिक मंत्री, भरत बजाज-क्रीड़ा मंत्री, रूपेश राठी-प्रचार प्रसार मंत्री, हरीश सोमानी-स्वास्थ मंत्री चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन भी हुआ।

देहदान का लिया संकल्प

बून्दी। ट्रांसपोर्ट व्यवसायी हर्ष लाठी और उनकी पत्नी मनीषा लाठी ने गत दिवस 8 मई को विवाह की दसवी वर्षगांठ पर देहदान का संकल्प लिया। श्री लाठी ने बताया कि प्रारंभ से ही उन्होंने अपने पिताजी को सामाजिक कार्यों में अग्रणी देखा। अंत में परिवार के सदस्य संजय लाठी के सहयोग से उनका नेत्रदान का कार्य भी संपन्न हुआ। हर्ष के पिताजी स्व. श्री गणेश दत्त लाठी 'दत्ता' का वर्ष 2010 में बूंदी जिले का तीसरा नेत्रदान संपन्न हुआ था।

इंजीनियर स्वप्नील सम्मानित

मुम्बई। संस्था वन इन्टरनेशनल सेन्टर के प्रोजेक्ट मैनेजर सौरभ चतुर्वेदी के हाथों प्रोजेक्ट डिपार्टमेन्ट हेड आदि की उपस्थिति में सिविल इन्जीनियर स्वप्नील अजमेरा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यहाँ के ONE International Centre (NOP) Skeced BMC द्वारा पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट ONE GREEN MILE Civil Work Project का काम स्वप्नील अजमेरा को दिया गया था। स्वप्नील अजमेरा ने यह प्रोजेक्ट अच्छी क्वालिटी में एवं समय के अंदर पूरा किया।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम संपन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल भीलवाड़ा द्वारा गत 1 मई को तृतीय मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम एक बजे से चार बजे तक दोपहर में माहेश्वरी भवन, नागोरी गार्डन में आयोजित हुआ। कैलाश जी अध्यक्ष पुराना शहर माहेश्वरी सभा, रमेश राठी, संपत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, ओम प्रकाश मालू, कैलाश सामरिया, अशोक चांडक,केदार जागेटिया, विनोद गट्टानी आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यक्रम के अंत में संपत माहेश्वरी ने सबका आभार व्यक्त किया व सभी को धन्यवाद दिया।

नवाह्न पारायण का आयोजन

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र जोधपुर द्वारा विक्रम संवत 2079 के शुभ आगमन पर नवरात्र 2 से 10 अप्रैल 2022 तक नवाहन पारायण के सामूहिक पाठ का आयोजन किया गया। पाठ का वाचन महंत श्री रामप्रसाद महाराज के शिष्य सुखराम जी महाराज के द्वारा हुआ। नव दिवसीय इस कार्यक्रम में मंडल की करीबन 51 सदस्याओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि कार्यक्रम में अनीता राठी, सुमन नावंदर, मधु राठी, उषा राठी, रामेश्वरी राठी, रमा कपूरिया, सुनीता भट्टर, पूजा बूब, संजू सोनी, गीता राठी, सुनीता डागा, बबीता चांडक आदि का विशेष सहयोग रहा।

माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

कोलकाता। 108 वर्ष पुरानी माहेश्वरी सभा कोलकाता के वार्षिक चुनाव गत 17 अप्रैल को सम्पन्न हुए। 98 पदों के लिये होने वाले इस चुनाव में 3406 मतदाताओं ने मतदान किया। सभापति पद पर बुलाकीदास मिमाणी, उपसभापति पद पर अशोक कुमार द्वारकानी एवं सुरेंद्र कुमार मूँधड़ा, मंत्री पुरुषोत्तम दास मूँधड़ा, उपमंत्री पद पर अशोक कुमार चाण्डक एवं वरुण बिन्नानी निर्वाचित हुए। माहेश्वरी पुस्तकालय के मंत्री संजय बिन्नानी, माहेश्वरी व्यायामालय के मंत्री अशोक डागा, माहेश्वरी संगीतालय के मंत्री महेश कुमार दम्मानी, माहेश्वरी क्लब के मंत्री नन्द किशोर सादानी, माहेश्वरी बालिका विद्यालय के मंत्री राकेश मोहता, माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केन्द्र के मंत्री राजीव लखोटिया, माहेश्वरी समाजोत्थान के मंत्री मनमोहन राठी, माहेश्वरी महिला समिति की कविता सादानी निर्वाचित हुई। सभा एवं शाखा संस्थाओं के कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ।

।। जय श्री श्याम ।।

RAMCHANDRA
LAXMI NARAYAN MUTHA
V-11 Mandor Mandi Jodhpur (Raj.)
गेहूँ के व्यापारी 94141-29229

HARI KRISHNA TEXTILES
Army Supply Whole Salar
Opp. Ratanada, Jodhpur (Raj.)
94141-96343

PAWAN SHOES CENTRE
LIBERTY
Jodhpur (Raj.) Mob. 7568047803

जीना सरल है, प्यार करना सरल है,
हारना और जीतना सरल है,
तो फिर कठिन क्या है?
सरल होना बहुत कठिन है।

महेश नवमी के पावन पर्व पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं
समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

अध्यक्ष - श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर
प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज

जी-101, रिक्को इण्डस्ट्रीयल एरिया तृतीय चरण, जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956, 224043 फैक्स- 02973-225376

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

सहयोगी प्रतिष्ठान

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

महेश नवमी पर्व हमारे समाज के लिये इसलिये अति महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन हमें भगवान महेश की कृपा से वैश्य वर्ण प्राप्त हुआ था। अतः यह माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति पर्व ही है। ऐसे में अपनी उत्पत्ति के कारण भगवान महेश की पूजा-अर्चना का इस दिन विशेष महत्व है। आईये देखें इस दिन हम क्या करें - क्या न करें?

श्रीराम माहेश्वरी

महेश नवमी पर हम क्या करें - क्या न करें

ऐसे करें भगवान महेश की पूजा

महेश नवमी के दिन शिवलिंग तथा भगवान शिव-परिवार का पूजन-अभिषेक किया जाता है। भगवान शिव को पुष्प, गंगा जल और बेल पत्र आदि चढ़ाकर पूजन किया जाता है। डमरु बजाकर भगवान शिव की आराधना की जाती है। मां पार्वती का पूजन एवं स्मरण करके विशेष आराधना की जाती है। महेश नवमी के दिन भगवान शिव की पूजा का खास महत्त्व है। वैसे तो इस दिन व्रत रखने का विधान है। यदि किसी कारणवश उपवास नहीं कर सकते तो पूजन और उपाय करके भगवान शिव को प्रसन्न किया जा सकता है। सुबह स्नानादि कार्यों से निवृत्त होकर शिवालय में जाकर अथवा घर में शिवलिंग पर जल अर्पित करें। इससे मनुष्य का स्वभाव शान्त और स्नेहमय होता है।

इन मंत्रों का करें जाप

महेशनवमी के दिन पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके मंत्रों का जाप करना चाहिए। जप के पूर्व शिव जी को बिल्वपत्र अर्पित करना चाहिए। उनके ऊपर जलधारा अर्पित करना चाहिए। निम्नानुसार मंत्र जाप कर आप शिव को प्रसन्न कर सकते हैं -

नमो नीलकण्ठाय, प्रौं ह्रीं ठः, उर्ध्व भू फट्, ऊँ नमः शिवाय, ऊँ पार्वतये नमः, ह्री ह्रौं नमः शिवाय, नमो भगवते दक्षिणामूर्त्तये मह्यं मेधा प्रयच्छ स्वाहा, इं क्षं मं औं अं आदि।

मनोकामना पूर्ति के लिये विशेष उपाय

- महेश नवमी पर शिवजी की कृपा के लिये भगवान शिव को 21 बिल्वपत्र लाल चन्दन से लिखकर अर्पित करें।
- शिवपुराण के अनुसार, शिवजी को धतूरा चढ़ाने से विशेष लाभ और धन की प्राप्ति होती है।
- भगवान शिव को भांग बहुत प्रिय है। भांग चढ़ाने से भी शिवजी की कृपा मिल सकती है।
- महेश नवमी पर शिवलिंग का अभिषेक पानी से किया जाए तो रोगों से मुक्ति मिल सकती है।
- शिवलिंग पर पंचामृत चढ़ाने से हर मनोकामना पूरी हो सकती है।
- घर के पूजा स्थान पर रुद्र यंत्र की स्थापना करें और रोज उसकी विधि-विधान से पूजा करें।
- धन लाभ के लिए शिवजी को चावल चढ़ाएं। ये उपाय शिवपुराण में बताया गया है।
- शिवपुराण के लिए शारीरिक कमजोरी दूर करने के लिए शिवलिंग का अभिषेक गाय के शुद्ध घी से करना चाहिए।
- अगर आप किसी बीमारी से परेशान हैं तो इस दिन महामृत्युंजय का जाप करें-

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्॥

भोलेनाथ का शक्कर से अभिषेक करें। इससे सुख और समृद्धि में वृद्धि होती है। इसके साथ ही मनुष्य के जीवन से दरिद्रता सदा के लिए चली जाती है।

- शिवलिंग पर केसर अर्पित करें। ऐसा करने से व्यक्ति को सौम्यता मिलती है।
- शिवलिंग पर इत्र लगाने से व्यक्ति के विचार पवित्र और शुद्ध होते हैं।
- शिवलिंग पर दूध अर्पित करने से स्वास्थ्य सदैव अच्छा रहता है और बीमारियां दूर होती हैं।
- भगवान शिव को दही अर्पित करने से स्वभाव गंभीर होता है और जीवन में आने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलती है।
- भोलेनाथ पर घी अर्पित करने से व्यक्ति की शक्ति में वृद्धि होती है।
- भगवान शिव को चंदन प्रिय है। भोलेनाथ को चंदन अर्पित करने से व्यक्तित्व आकर्षक होता है।
- शिवलिंग को शहद चढ़ाने से व्यक्ति की वाणी में मिठास आती है।
- भगवान शिव को भांग अर्पित करें। ऐसा करने से बुराईयों का नाश होता है।
- भारतीय शास्त्रों में बिल्वपत्र को भगवान शंकर की तीसरी आंख बताया गया है। उन्हें यह बहुत प्रिय है, अगर पूजा करने में बिल्वपत्र का प्रयोग किया जाए तो भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

भूलकर भी न करें ये काम

- महेश नवमी के दिन भगवान शिव को यदि प्रसन्न करना चाहते हैं तो इस दिन काले रंग के कपड़े ना पहनें। इस दिन काले रंग के कपड़े पहनना अशुभ माना जाता है।
- ऐसी मान्यता है कि भक्तजनों को शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले प्रसाद को ग्रहण नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे दुर्भाग्य आता है ऐसा करने से धन हानि और बीमारियां भी हो सकती हैं।
- शिवलिंग पर कभी भी तुलसी की पत्ती नहीं चढाएं। शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से पहले यह ध्यान रखें कि पाश्चुरीकृत या पैकेट का दूध इस्तेमाल ना करें और शिवलिंग पर ठंडा दूध ही चढाएं। अभिषेक हमेशा ऐसे पात्र से करना चाहिए जो सोना, चांदी, कांसे का बना हो। अभिषेक के लिए कभी भी स्टील, प्लास्टिक के बर्तनों का प्रयोग ना करें।
- भगवान शिव को भूलकर भी केतकी और चंपा फूल नहीं चढाएं। ऐसा कहा जाता है कि इन फूलों को भगवान शिव ने शापित किया था। केतकी का फूल सफेद होने के बावजूद भोलेनाथ की पूजा में नहीं चढ़ाना चाहिए।
- महेश नवमी के दिन मांस या मदिरा का सेवन करने से बचना चाहिए। इस दिन सात्विक भोजन करना सही होता है।
- भगवान शिव की पूजा में भूलकर भी टूटे हुए चावल नहीं चढ़ाया जाना चाहिए। अक्षत का मतलब होता है अटूट चावल, यह पूर्णता का प्रतीक है। इसलिए शिवजी को अक्षत चढ़ाते समय यह देख लें कि चावल टूटे हुए तो नहीं है।
- शिवलिंग पर सबसे पहले पंचामृत चढ़ाना चाहिए। पंचामृत यानी दूध, गंगाजल, केसर, शहद और जल से बना हुआ मिश्रण। जो लोग चार प्रहर की पूजा करते हैं उन्हें पहले प्रहर का अभिषेक जल, दूसरे प्रहर का अभिषेक दही, तीसरे प्रहर का अभिषेक घी और चौथे प्रहर का अभिषेक शहद से करना चाहिए।
- भगवान शिव को दूध, गुलाब जल, चंदन, दही, शहद, घी, चीनी और जल का प्रयोग करते हुए तिलक लगाएं।
- ऐसी मान्यता है कि शिवलिंग या भगवान शिव की मूर्ति पर केवल सफेद रंग के ही फूल चढ़ाने चाहिए क्योंकि भोलेनाथ को सफेद रंग के ही फूल प्रिय हैं। महेश नवमी पर भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए चंदन का टीका लगा सकते हैं। शिवलिंग पर कभी भी कुमकुम का तिलक ना लगाएं। हालांकि भक्तजन माँ पार्वती और भगवान गणेश की मूर्ति पर कुमकुम का टीका लगा सकते हैं।
- इस दिन सुबह देर तक नहीं सोना चाहिए। जल्दी उठ जाएं और बिना स्नान किए कुछ भी ना खाएं। व्रत नहीं है तो भी बिना स्नान किए भोजन ग्रहण नहीं करें।

॥ महेश नवमी की आप सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

माहेश्वरी समाज की उत्पति दिवस महेश नवमी पर परम पिता परमेश्वर भगवान महेश को स्मरण करते हुए हम प्रभु से कामना करते है। आपके और आपके परिवार के जीवन में सेवा, सदाचार और त्याग की ज्योत सदा जलती रहे।

हर पल जी चाहता है, एक क़दम और चलने को,
पल पल जी चाहता है अंतर्मन छुने को, अब तो जी चाहता है, दीप से दीप जलाने को।

देवों के देव महादेव को इस वर्ष महेश नवमी के उपलक्ष में नमन करती हूँ। भगवान महेश को भोलेनाथ भी कहा जाता है, महादेव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि थोड़ी सी स्तुति, प्रार्थना से भोलेनाथ जल्दी से अपने भक्तों की पुकार सुन लेते हैं, भोलेनाथ की शक्तियां जितनी अनंत, अपार व विराट है, परन्तु उतना ही सरल है उनका स्वरूप व स्वभाव, इसी वजह से भोलेनाथ भक्तों के मन में समाये हुए हैं। ऐसे महादेव को नमन करती हूँ।

भगवान महेश ने महेश नवमी के अवसर पर माहेश्वरी के 72 खाप के गण प्रकट किये थे तब माता पार्वती के सन्मुख प्रश्न हुआ था, माता पार्वती ने कहा प्रभु ये जो महेश वंश को आप आगे बढ़ा रहे हो क्या यह देवता कहलायेंगे? प्रभु ने उत्तर दिया मैं खुद देवता नहीं हूँ तो क्या मेरे बच्चों को क्या बनने दूंगा लेकिन बुद्धि, चतुरता, लक्ष्मी में इनका कोई हाथ नहीं पकड़ सकता ये मेरा वरदान है।

देवों के महादेव अपने कर्म से कभी पीछे नहीं हटते तो, हमें भी हमारे वंशोंत्पत्ति के सुअवसर पर महेश नवमी पर्व पर सभी बंधुओं से कहना चाहूँगी कि हमें भगवान महेश से प्रेरणा लेनी चाहिए कि हमें अपने कर्म से पीछे नहीं हटना है और समाज में आगे बढ़कर समाज, परिवार, संगठन की कड़ी को जोड़ते हुए आईना और पथ प्रदर्शक होते हुए कल्याण और सेवाभाव रखना है। महेश नवमी के उपलक्ष्य में सभी समाज के भाई और बहनों को मंगल कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

निर्मला मल्ल
अध्यक्ष
वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

ECOVIS®

RKCA ADVISORS LIMITED

(An Affiliation with Ecovis International having offices in 65 countries)

SERVICE OFFERINGS

Growth and Tax Advisory

Risk and Financial Consulting

Accounting and Legal Services

Management and Marketing

OUR PRESENCE

Mumbai | Vashi | Powai | Ahmedabad | Chennai | Delhi | Hyderabad | Indore | Kolkata

OUR GROUP COMPANIES

RKCA XAT Consulting Pvt. Ltd.
Far East Advisory

RKCA Law Associates
Legal & Compliance

BM TRADA RKCA Certifications
Process Consulting

PCG RKCA Management & Financial Services Pvt. Ltd
Personal Consulting Group - M&A Support

Goldberries Technologies
Tech Enabled

UICommons Academy India Private Limited
A Joint Venture with Japan

INTERNATIONAL JV/PARTNERS

Exova BM TRADA
ISO Certifications

MARCUM
USA Accounting Partners

Core Creators
Growth Consulting

ECOVIS
European Network

GoGetterz
EduTech Entrepreneurship

Those who want to join us, GET IN TOUCH

Admin Office: C-1903, Kailas Business Park, Off Hiranandani, Powai (Vikhroli West), Mumbai - 400 076
Head Office: 809, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Mumbai 400 021 (INDIA)
Tel. +91 22 2204 4737, Email: enquiry@rkca.net

निजामाबाद निवासी समाजसेवी पुरुषोत्तम सोमानी ने दवाओं के विक्रय मूल्यों पर नियंत्रण के लिये एक मुहिम छेड़ रखी है। उनके प्रयासों से कुछ दवाओं के मूल्य भी कम हुए हैं। इतना ही नहीं सभी प्रकार की दवाऐं ''एक्सक्लुसिव जेनरिक शॉप'' से खरीदे या प्रधानमंत्री जनऔषधि शॉप से खरीदकर दवाओं के खर्च को 80 से 90 प्रतिशत तक कम भी कर सकते हैं। आईये जानें महिला संगठन के आयोजन ''आरोग्यम्'' में दिये उनके उद्बोधन के आधार पर इस सम्बंध में ऐसी जानकारी जो हो सकती हैं, आपके लिए उपयोगी।

जेब बचाती जेनरिक दवाऐं

पुरुषोत्तम सोमानी
निजामाबाद

''कैसे खरीदें अच्छी और सस्ती दवाएं'' इस विषय पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आयोजन 'आरोग्यम्' वेबीनार में पुरुषोत्तम सोमानी निजामाबाद ने अपने उद्बोधन में अच्छी गुणवत्ता वाली 80 से 90 प्रतिशत तक डिस्काउंट या कम दाम में दवा कहां कैसे मिल सकती है? इसके बारे में विस्तृत रूप में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दवा दो टाइप की होती है एक ब्रांडेड व दूसरी जनरिक ब्रांडेड। दोनों में गुणवत्ता, एक्टिव सॉल्ट तथा दवाई का असर सभी एक समान है और दोनों ही एफ डी ए द्वारा अप्रूव्ड दवाई हैं और दोनों के एम आर पी भी करीबन समान है। बस दोनों प्रकार की दवाइयों में अन्तर मार्जिन का रहता है। जैसा की ब्रांडेड दवाइयां मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव द्वारा अलग-अलग स्कीम में डॉक्टर के माध्यम से बेची जाती है मगर जेनेरिक दवाइयां डायरेक्ट होलसेल, रिटेलर द्वारा ग्राहक को बेची जाती है।

कितना है मूल्य का अंतर

अगर आप एक्सक्लूसिव जेनरिक शॉप जैसे दवा इंडिया, सस्ती दवा, Zee Lab Ltd. Medigin आदि से खरीदते हैं तो आपको 80 से 90% डिस्काउण्ट में दवाई मिलेगी। वही दवाई रेगुलर शॉप से आपको एमआरपी में खरीदना पड़ेगी। जैसे उदाहरण के लिए गैस की दवाई पेंटा प्रोजोल सॉल्ट Pantosec Cipla Company की दवाई रेगुलर शॉप पर 118 रुपये में मिलेगी और वही दवाई जेनेरिक शॉप में सिर्फ 18 रुपये में मिलेगी। दोनों का पर्चेस कास्ट सिर्फ 13रुपये है। आप एक बार अनुभव करके देखें आपको विश्वास होगा। इसलिए हमें जेनेरिक शॉप से ही दवाई खरीदना चाहिऐ। आप गूगल में सर्च कर सकते हैं 'Generic Shop Near Me'. अगर आपको डॉक्टर ब्रांडेड दवा भी लिखता है तो आप एक्सक्लूसिव जेनेरिक शॉप पर अपना प्रिसक्रिप्शन बता कर सब्सीट्यूट उसी सॉल्ट की सस्ती दवाई खरीद सकते। इसके अलावा प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र से भी दवाई खरीद सकते है।

गुणवत्ता में श्रेष्ठ हैं प्रधानमंत्री जनऔषधि दवाऐं

प्रधानमंत्री जन औषधि की दवाई डब्ल्यूएचओ सर्टिफाइड में कंपनी में तैयार होती है और दो जगह लैबोरेट्री में टेस्ट होती है। इन दवाई की गुणवत्ता सभी दवाइयों में श्रेष्ठ है और इसका एमआरपी भी अस्सी से नब्बे परसेंट तक कम दामों में प्रिंटेड किया हुआ है। यहां पर भी आप अपने डॉक्टर का प्रिसक्रिप्शन बताने से उसमें एक्टिव साल्ट की दवाई आपको वहां मिल जाएगी। अगर आप गूगल पर सर्च 'जनऔषधि शॉप नियर मी' सर्च करने से आपको आपके शहर में शॉप्स के एड्रेस मिल जाएंगे। रेगुलर में जो कॉमन दवाई लगती है उसका चार्ट आप देखिए, निश्चित ही आपके दवाइयों के खर्च में 80 से 90 परसेंट तक बचत होगी और आपको आर्थिक समस्या भी नहीं होगी। आप दूसरों को भी सलाह दे सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अगर आप P R Somani नाम से यूट्यूब पर सर्च करतें हैं तो आपको अलग-अलग वीडियो द्वारा पूर्ण जानकारी मिल जाएगी और आपका विश्वास भी बढ़ेगा। अधिक जानकारी के लिये श्री सोमानी से मो. 9848071036 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

यह है दवाओं का अन्तर

Sno.	Diseases	Salt Name	Prices at Pradhanmantri Janaushadhi shop	Branded prices
1	Sugar	Glimepiride & Metaformin (500mg+4mg)	Rs.15/10 Tab	Rs.80/10 Tab
2	Gases	Pantoprozole 40mg	Rs.11/10 Tab	Rs.118/10 Tab
3	Thyroid	Thyroxin 100mg	Rs.62/100 Tab	Rs.160/100 Tab
4	Colestrol	Atrovastin 20mg	Rs.10/10 Tab	Rs.200/10 Tab
5	Eye drop	Ciproflaxin	Rs.5/Bottle	Rs.40/Bottle
6	IV Set	IV Set	Rs.5.50/each	Rs.130/each
7	Multi Vitamin	Multivitamin Tab AZ	Rs.30/10 Tab	Rs.108/10 Tab
8	Cold & Alergy	Montelukast Sodium & Levocentrizine Hydrocloroide	Rs.18/10 Tab	Rs.154/10 Tab
9	Calcium With Vitamin D3	Calicium with Vitamin D3	Rs.14/15 Tab	Rs.180/10 Tab
10	Antibiotic Tablet	Amoxycillin & Postassium Clavulanate (500mg to 125mg)	Rs.8.50/Tab	Rs.20/Tab
11	Sanitary Napkin	Sanitary Napkin	Rs.1/each	Rs.7/each
12	Back Pain Spray	Diclofenac/Methy/Menthol Spray 50gram	Rs.48/Bottle	Rs.209/Bottle
13	Sugar Testing Machine	Glucometer Digital Strip with meter	Rs.525/Box	Rs.1200/Box
14	Protein Powder	Protein Power 250 gram	Rs.200/Tin	Rs.400/Tin
15	Pain Killer	Aceclofanac with Paracetamol	Rs.17/10 Tab	Rs.60/10 Tab
16	Antibiotics	Azithromycin 250mg	Rs.7.50/Tab	Rs.20/Tab
17	BP	Telmisartan Metoprolol	Rs.29/10Tab	Rs.100/10Tab

नोट - बी.ई. मैकेनिकल तक शिक्षित श्री सोमानी वर्तमान में श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र को कोषाध्यक्ष के रूप में सेवा भी दे रहे हैं।

शुभकामनाओं सहित

राजकुमार काल्या

राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

संस्थापक ट्रस्टी – श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या
अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन
संस्थापक ट्रस्टी – अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
संस्थापक ट्रस्टी – श्री नाकोडा पार्श्वनाथ भैरव मन्दिर ट्रस्ट
संरक्षक ट्रस्टी – एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन
प्रबंधकारिणी सदस्य – श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

ट्रस्टी – अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट, कोटा
ट्रस्टी – अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट, मुम्बई
ट्रस्टी – बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र
ट्रस्टी – श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी
ट्रस्टी – श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल
ट्रस्टी – श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट

Realistic

Life Time Satisfaction

• Explosives • Real Estate • Mining • Finance • Agro Farming • Media

Station Road, Gulabpura –311021, Distt. Bhilwara (Raj.) Ph. No. +91 1483 224203/04, rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office: 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara. 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

रहन-सहन एक जीवन शैली

रहन-सहन भारतीय संस्कृति का बड़ा ही सारगर्भित शब्द युग्म है जिसका प्रयोग परिवार विशेष में बड़ी ही उपयुक्तता के साथ किया जाता था।

जब भी परिवार विशेष में कोई विवाह प्रसंग का प्रारंभ होने जाता, लड़के या लड़की के लिये संबंध ढूंढने का कार्य शुरू होता, घर के बुजुर्ग और जानकार पुरूष संबंध देखकर लौटते तो महिलाएं पहला सवाल करतीं कि उस घर का रहन सहन कैसा है?

''रहन'' अर्थात उस घर का लिविंग स्टेण्डर्ड कैसा है? घर कैसा है? घर में नौकर चाकर कितने हैं। गाड़ियां कितनी हैं? घर का खान-पान कैसा है? इसी के साथ दूसरा शब्द पूछा जाता था ''सहन'' अर्थात परिवार के लोगों में आपसी भाईचारा कैसा है? उनकी सहन शक्ति कितनी है? इस आधार पर परिवार की योग्यता अयोग्यता का निर्धारण किया जाता था। ''रहन'' और ''सहन'' को बराबरी का दर्जा दिया जाता था।

आज परिस्थितियां बदल गई हैं। रहन-सहन में रहन को हम बहुत उच्च स्थान पर ले गए हैं। हमारा स्टेण्डर्ड आज बहुत ऊँचाई पर पहुंच गया है। खर्च करने की प्रवृत्ति बहुत अधिक बढ़ गई है। बिना ब्रांड के अब हम बात नहीं करते। खुशी की बात है यह हमारी बढ़ती हुई आर्थिक क्षमता की निशानी है। कमाई के अनुरूप खर्च में घटत-बढ़त करने में कोई हर्ज नहीं।

''रहन'' जितना ही जरूरी था ''सहन''। सहन अर्थात उस परिवार में आपसी सामंजस्य कैसा है, वहां के लोगों की सहनशक्ति कैसी है? वह सुख-दुख हार जीत, प्रिय-अप्रिय को कितना सहन कर सकते हैं? ये सहनशीलता आदमी की सच्चरित्रता की निशानी होती थी।

अफसोस आज हमने रहन को तो बहुत उच्च स्थान पर बैठा दिया किंतु ''सहन'' के भाव को ही विस्मृत कर दिया है। सहनशक्ति मृत प्राय हो गई है।

इसके प्रारंभिक परिणाम परिवारों के टूटने में नजर आने लगे। संयुक्त परिवार टूट कर विभक्त परिवार बने, विभक्त से एकल परिवार से गुजरता आदमी अब केवल एकाकी रह गया। सहनशक्ति खत्म होने के अनेकों भीषण परिणाम भी आज समाज में और व्यक्तिगत जीवन में नजर आ रहे हैं।

बच्चे, युवा पीढ़ी से लेकर बुजुर्ग तक बात-बात में डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं। यह बीमारी अत्यधिक आम होती जा रही है। चुनौतियों का सामना करने वाली उम्र में युवा डिप्रेशन की दवाईयां खाएगा तो देश और समाज का हित चौपट हो जायेगा। सहन शक्ति के अभाव में फ्रस्टेशन का स्तर भी बहुत अधिक बढ़ गया है। बात - बात में फ्रस्टेट होने से आपसी संबंध बुरी तरह टूटते जा रहे हैं। ''मैं'' और ''मेरा'' के अलावा कोई कुछ जानना समझना ही नहीं चाहता। टूटते हुए परिवार और बढ़ते हुए तलाक, संबंध विच्छेद इसी की परिणिती हैं।

यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें 'रहन' के साथ 'सहन' की राह को समझना होगा। सहन शक्ति के साये में ही आप रहन अर्थात् उच्च जीवन शैली का आनंद उठा पायेंगे और जिंदगी की राह को भी अनुकूल बना पायेंगे।

ASHOK SOMANY

SOMANY IMPEX

Stone that stnns

ASHOK SOMANY

AAKASH SOMANY

M/s. ASHOK SOMANY & Co.

Mining of Natural Stone & Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry) Vill-Kund, Distt-Rewari (Hry)
Tel. : 01274-225358, Mob. : 9812345677, Res.: 01274-260088, 260048
Email : accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

SOMANY NATURAL STONES (I) Pvt. Ltd.

All Kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-123401 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email : mines@sonanyimpex.ind.in I Somanyimpex@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of All Kind of Natural Stoen & Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry) Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt-Rewari (Hry)
Tel. :01274-225358, Mob. : 9812028488, 9215689102
Email: accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

LAVISH SURFACES

Manufacturing & Export of SPC Tiles

Plot No. SP3-167, Ceramic, Glass & Engineered Stone Zone, Ghiloth
Industrial Area, Ghiloth, Distt-Alwar, Rajasthan, Mob. : 9812028488
Email : aakash@lavishsurfaces.com I accounts@lavishsurfaces.com

SOMANY (P.G.) INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Running B.Tech & M. Techinfidderent Discilines of Engineering

Near Delhi-Jaipur Highway No. 8, Beside 3 km, From Rewari City, Rewari (Hry) Tel. 01274-261239, 261781
Fax : 01274-261239, Mob. 9541069998
Email : info@sitmrewari.com I admin@sitmewari.com I accounts@sitmrewari.com

शरीर को सबल बनाती है पृथ्वी मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

पृथ्वी मुद्रा अनामिका (Ring finger) के शीर्ष को अंगुष्ठ (Thumb) के शीर्ष के साथ मिलाने से बनती है। बाकी तीन अंगुलियां सीधी रखनी हैं। अनामिका सूर्य से और अंगुष्ठ मंगल से जुड़ा हुआ है। यह बहुत ही प्रभावशाली मुद्रा है। इसको लगातार 45 मिनट दोनों हाथों से करने से ऊर्जा आ जाती है। अनामिका अंगुली पृथ्वी तत्व की प्रतीक है। पृथ्वी तत्व हमें स्थूलता, स्थायित्व देता है। इससे पृथ्वी तत्व बढ़ता है। अनामिका उंगुली सभी विटामिनों एवं प्राण शक्ति का केंद्र मानी जाती है। अनामिका हर समय तेजस्वी विद्युत प्रवाह करती है और साथ ही अंगूठा भी। अनामिका द्वारा ही हम तिलक लगाते हैं। पूजा अर्चना करते हैं और विवाह में अंगूठी पहनते हैं।

क्या होते हैं इससे लाभ

▸▸ शरीर के अस्थि संस्थान (हड्डियों) एवं मांसपेशियों को यह मुद्रा मजबूत बनाती है। अतः दुर्बल व कमजोरों के लिए पृथ्वी मुद्रा बहुत ही लाभकारी है।

▸▸ शरीर में विटामिनों की कमी को दूर करती है, जिसमें हमारी ऊर्जा बढ़ती है और चेहरे पर चमक आती है।

▸▸ पृथ्वी मुद्रा से जीवन शक्ति (Vital force) का विस्तार होता है। काया सुडौल होती है। कद व वजन बढ़ाने में सहायक है। बढ़ते हुए कमजोर बच्चों के लिए तो अत्यन्त लाभदायक है।

▸▸ शरीर में स्फूर्ति, कान्ति और तेजस्व बढ़ता है।

▸▸ इस मुद्रा से आंतरिक प्रसन्नता का आभास होता है। उदारता, विचार शीलता, लक्ष्य को विशाल बनाकर प्रसन्नता प्रदान करती है।

▸▸ आन्तरिक सूक्ष्म तत्वों में सार्थक प्रवाह लाती है। संकीर्णता गिराकर हमें उदार बनाती है। अतः आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है।

▸▸ इस मुद्रा से पाचन शक्ति ठीक होती है। जिन लोगों की पाचन शक्ति कमजोर होती है, वे सदैव कमजोर व थके हुए लगते हैं। कई बच्चे भोजन तो खूब करते हैं फिर भी दुबले-पतले ही रहते हैं- ऐसे बच्चे यह मुद्रा अपनाऐं तो बहुत लाभ होगा।

▸▸ शरीर की ऊर्जा शक्ति के बढ़ने से मस्तिष्क भी अधिक क्रियाशील होता है- कार्य क्षमता बढ़ती है।

▸▸ पृथ्वी मुद्रा सर्दी जुकाम से भी बचाती है।

▸▸ अंगूठे की भांति अनामिका उंगुली में भी विशेष विद्युत प्रवाह होता है, इसीलिए इस उंगली से माथे पर तिलक किया जाता है।

▸▸ इस मुद्रा का दीर्घ काल तक अभ्यास करने में शरीर में चमत्कारी प्रभाव होगा। नया जोश, नई स्फूर्ति, आनन्द का उदय और रोम-रोम में ओज-तेज का संचार होगा।

▸▸ पृथ्वी तत्त्व का संबंध मूलाधार चक्र से है। अतः पृथ्वी मुद्रा से मूलाधार चक्र सक्रिय होता है और इससे जुड़े अंग सबल होते हैं। प्रोस्टेट ग्रन्थि का शोथ समाप्त होता है। हर्निया ठीक होता है तथा यह मुद्रा बालों, नाखुनों के लिए भी लाभकारी है।

With Best Compliments From

Sacchindanand
L. Malani

Kelkar Wadi
Murtizapur - 444107
Phone : 07256-243513
Mobile : 9422162213 / 8600047213
email : office.slmalani@gmail.com

SPECIALITY IN ASPHALTING OF ROADS & EARTHEN DAMS

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

www.rathi.com

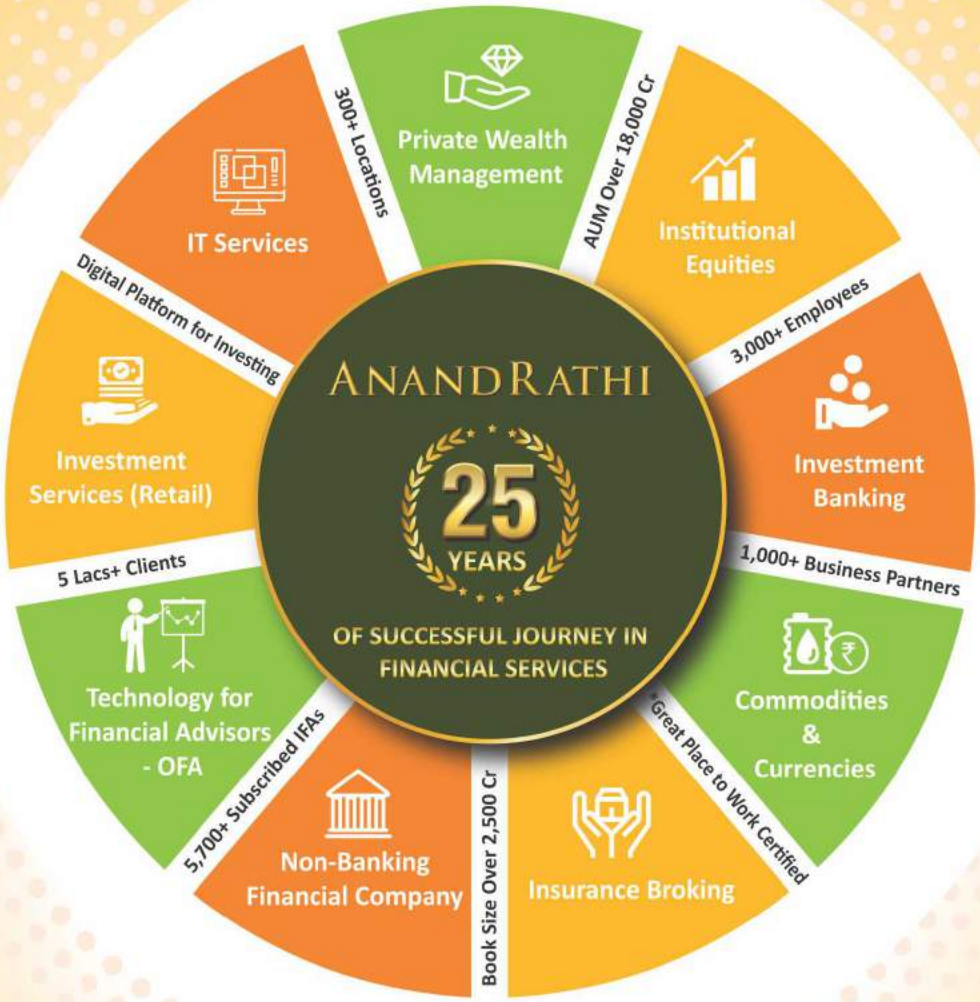

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

श्री हरिप्रकाश राठी का साहित्य के क्षेत्र में आना किसी धूमकेतु के प्रकट होने जैसा है। उम्र के ४५ वर्ष पूरा होते स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने साहित्य के क्षेत्र में प्रवेश किया एवं वे आज देश के नामचीन कथाकार हैं। अनेक इनामों से नवाजे श्री राठी देश के सभी प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। पूर्व में महासभा परिवार परिवेदना समिति के संयोजक रहे श्री राठी श्री माहेश्वरी टाइम्स के नियमित लेखक भी रहे हैं। उनकी कहानियां-लेख जब-तब हमारी पत्रिका में प्रकाशित होते रहे हैं। उनकी कहानियां न सिर्फ मानव मूल्यों का आईना है, इन कहानियों में सत्य की महक भी है। श्री राठी मानव मनोविज्ञान के कुशल चितेरे हैं एवं यह हुनर आप उनकी कथा बुनकरी में स्वयं महसूस कर सकते हैं। ये कहानियां न सिर्फ पाठकों से संवाद करती हैं, आपके मन-प्राण-आत्मा को भी झकझोरती है। इस माह से आप हर माह उन्हें इस पत्रिका में एक नई कहानी के साथ पाएंगे। इस स्तम्भ का शुभारम्भ हम उनकी प्रथम कहानी से कर रहे हैं..

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर

अमरूद का पेड़

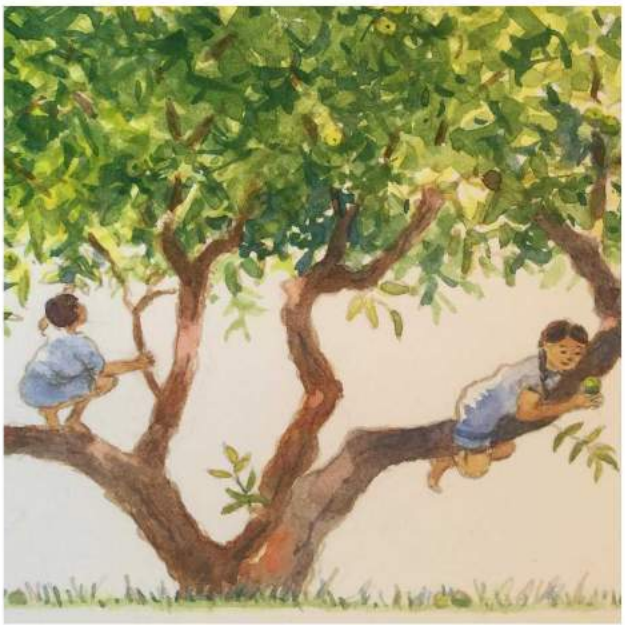

जैसे महाजन अपने बढ़ते धन को देखकर खुश होता है, किसान अपने लहलहाते खेतों को देखकर खुश होता है, माता अपने प्रिय पुत्र को देखकर खुश होती है, नवीनजी अपने बाहर आँगन पर लगे अमरूद के पेड़ को देखकर खुश होते थे। न जाने उन्हें इस पेड़ से क्यों लगाव हो गया था। कोई पाँच साल हुए, उन्होंने नर्सरी से लाकर इसका पौधा लगाया था। बडे जतन से इसकी देखभाल करते थे। समय-समय पर खाद, पानी, सब कुछ मुहैया करवाते थे।

समय जाते देर नही लगती। पेड़ भी अपने कद्रदान के घर आकर ऐसा फूला-फला जैसे शुक्ल पक्ष का चन्द्रमा। वर्ष-दर-वर्ष पेड़ बढ़ता गया और कुछ ही वर्षों में फलों से लद गया। शाम आंगन में आरामकुर्सी पर इस पेड़ के साये में बैठकर नवीनजी की सारी थकावट दूर हो जाती थी। बच्चा जवान होकर जब सुपुत्र हो जाता है तो माता-पिता उसके पालने में उठाई सारी पीड़ा को भूल जाते हैं। ठीक यही हाल नवीनजी का इस पेड़ को लेकर था।

नवीनजी जिनका पूरा नाम नवीनचन्द्र दत्ता है अब प्रौढ़ हो चुके हैं। सर पर कुछ-कुछ बाल ही नजर आते हैं जैसे विदा लेते यौवन के अवशेष हो, परन्तु उनका ललाट देदीप्यमान है तथा चेहरे से सौम्य एवं विद्वान नजर आते हैं। हृदय से अत्यंत दयालु है एवं उन्हें देखते ही लगता है जैसे कोई भला उपकारी आदमी हो। कॉलोनी में उनकी सबसे अच्छी मित्रता है, दरअसल उनके सहज स्वभाव के कारण लोग उनसे अक्सर मिलने आते थे। सबके सुख-दुःख में बढ़-चढ़कर काम आते थे वो। शादी हुए कोई बीस वर्ष हो गए, एक बेटा एक बेटी है–मुकुल एवं मालती। पत्नी शालिनी समझदार एवं व्यावहारिक है पर उन्हें मूर्ख ही समझती है। उसे अच्छी तरह से मालूम है कि मेरे पतिदेव को सभी मूर्ख बनाते हैं, सभी उनकी झूठी तारीफें करते हैं एवं कलेक्टरेट में इनकी नौकरी के जरिए काम निकालते रहते हैं। उनके बच्चों का नजरिया भी अपने पिता के बारे में ऐसा ही है। नौकरी करते बीस वर्ष हो गए, अभी भी बाबू ही है। प्रमोशन के नाम पर हर बार धत्ता। प्रमोशन परिणाम के दिन हर बार मुंह लटकाये चले आते हैं, पूछने की जरूरत ही नहीं है, उनका चेहरा ही उनका दर्पण है। नवीनजी चुपचाप सह लेते हैं यह सब। उन्हें मालूम है भले एवं अच्छे इंसान के लिए इस दुनिया में वितृष्णा के अतिरिक्त कुछ नहीं है, उसकी खुशी तो उसके आत्म-संतोष में ही छिपी है।

इस बार सीजन में अमरूद के पेड़ पर बहुत फल आए। पेड़ जैसे अमरूदों से लद गया। टप-टप करके ऊपर से ढेर सारे अमरूद सुबह गिरते तो नवीनजी उन्हें धोकर कुछ घर में रखते, कुछ तुरन्त ही कॉलोनी में भिजवा देते। घर से बाहर निकलते तो लोग कह ही देते, ''भई नवीनजी आपके पेड़ जैसे मीठे अमरूद तो कभी नहीं खाए''। नवीनजी को इससे एक भीतरी खुशी मिलती थी। शायद अमरूद का पेड़ भी इसे कहीं से सुन लेता था, प्रशंसित होकर बढ़-चढ़कर फल देता। सुबह-शाम पेड़ पर न

जाने कितने पक्षी, कोयल, कौवे, कबूतर, मोर आते थे एवं फल खाकर जाते थे। कॉलोनी के बच्चे तो उस पेड़ के इर्दगिर्द ही रहते थे। उन्हें तो जैसे स्वर्ग मिल गया था। उन्मत्त शैशव को और क्या चाहिए। सबको मालूम था नवीनजी कुछ नहीं कहने वाले। ऑफिस से आते-जाते इन बच्चों को देखकर नवीनजी का हृदय भीग जाता, लगता उनके जीवन से कोई एक छोटा-सा अर्थ निकल आया हो। सज्जन इंसान की यही निशानी है, मिट्टी किसी की भीगती है परन्तु तृप्ति उसको मिलती है। दुःख किसी को पहुँचता है, परन्तु पीड़ा उसके अंतस में उभरती है।

आज ऑफिस से आते हुए वे चार-पाँच लोहे के हुक लगवाकर बांस ले आए थे। घर आते ही पत्नी, बच्चों ने टोका, ''ये क्या कर रहे हैं आप! क्या आपको मालूम है इससे हमें कितनी तकलीफ होती है?'' सारे दिन बच्चे मुंडेर पर बैठे रहते हैं, पक्षी अधपके फल गिराते रहते हैं, सफाई कर कर के थक जाते हैं और आप यह बांस भी ले आए? कुछ और भी कसर रह गई थी।'' बडे सहज भाव से नवीनजी ने कहा, ''भाग्यवान, बच्चों को बहुत तकलीफ होती है। अभी कल ही पड़ोसी गिरीशजी के बच्चे अमरूद तोड़ते हुए गिर गए थे। मैंने सोचा, बांस छप्पर पर रख दूं तो बच्चे छप्पर से लेकर बांस से अमरूद तोड़ लेंगे।'' एम.ए.फर्स्ट क्लास पत्नी ने सर पीट लिया। मन-ही-मन कुढ़ी और खीज कर रह गई। एक यही बेवकूफ मिला था जगत में मेरे लिए। लेकिन नवीनजी चुप। अमरूद का पेड़ भी उनके साथ चुप खड़ा था, मानो कह रहा था कि संसार के मूर्खों में तुम अकेले नहीं हो। लेकिन दोनों दाता होने के सुख को जानते थे। धरती जैसे धन-धान्य से भरकर सब कुछ अपनी संतानों को दे दती है, वैसे ही विसर्जन के सारगर्भित सुख से नवीनजी मालामाल थे।

इस बार सीजन में इतने फल आए कि कॉलोनी के लोग तो क्या पक्षी भी निहाल हो गए। यहां तक कि गाय, बकरियाँ भी अधपके फलों को खाने के लिए आने लगी। सभी उस पेड़ को दुआ देते थे एवं इन दुआओं के मिलते अमरूद का पेड़ हर वक्त फलों से भरा मिलता था। कल्पवृक्ष हो गया था पेड़। उपकारी व्यक्ति की संपत्ति जैसे कभी खाली नहीं होती वैसी ही हालत पेड़ की थी। प्रकृति का यह गूढ़ रहस्य नवीनजी के साथ-साथ पेड़ को भी समझ में आ गया था।

शायद किसी की दुआ नवीनजी को भी लग गई। इस साल उनका वर्षों से रुका प्रमोशन हो गया। अब वे अपने महकमे में अधिकारी हो गए लेकिन प्रमोशन के साथ ही उनका स्थानान्तरण भी जोधपुर से 350 किलोमीटर दूर जयपुर हो गया। नवीनजी की वर्षों की मुराद पूरी हुई। बुढ़ापे में उन्हें 'बाबूजी' सुनना बहुत बुरा लगता था। सोचा कम से कम बच्चों की शादी में तो कह पाऊंगा कि मैं सरकार में अफसर हूँ । अफसर आखिर अफसर होता है। बाबू को तो सब्जीवाला भी सलाम नहीं करता । पैसा सब कुछ थोडे है, इज्जत भी कुछ चीज है। इंसान की मनःस्थिति के अनुकूल उसके विचार भी बन जाते हैं। चूंकि दूसरी जगह तुरंत रिपोर्ट करना था, अतः आनन-फानन सामान पैक हो गया। उन्होंने मकान मालिक को हिसाब कर चाबी पकड़वा दी, कहा, ''हम सभी कल यहां से चले जाएंगे।'' नई जगह की नई तकलीफें नवीनजी के जेहन में घूमने लगी थीं। रात बराबर सो भी नहीं पाए।

सुबह सूर्य जल्दी ही उग आया था, शायद उसे भी नवीनजी को विदाई देनी थी। अच्छे दिनों में समय जाते देर नहीं लगती। आँगन में हल्का सुनहरा प्रकाश बिखरने लगा था। अमरूद का पेड़ आँगन में यथावत् खड़ा था, पत्तियों पर ओस की बूँदें सुहावनी लग रही थी। नवीनजी ने एक-एक कर सारा सामान बाहर भिजवाया एवं घर खाली होने पर आँगन में आए। अब तक बच्चे एवं पत्नी भी बाहर जा चुकी थी। नई सरकारी गाड़ी में बैठने की सबको जल्दी थी।

अमरूद का पेड़ जैसे उन्हें विदाई देने को खड़ा था, मूक और प्रगल्भ। उसे देखते ही भाव विभोर हो गए। कसके पकड़ लिया उसे और फफक कर रो पडे। इस शहर को छोड़ते हुए उन्हें सर्वाधिक दुःख इस पेड़ को छोड़ने का हो रहा था, मानो कोई भाई-भाई से बिछुड़ रहा हो। संभलकर उन्होंने उस पर प्यार से हाथ फेरा, जैसे उसे समझा रहे हो कि इस जीवन में कौन हमेशा साथ रहा है। हर रिश्ते की एक उम्र होती है, शायद तुम्हारा मेरा इतना ही साथ हो। नवीनजी शायद वहीं खड़े रहते पर बाहर से बिटिया की आवाज सुनकर चौंके, ''पापा, कॉलोनी के सब लोग, बच्चे आपका बाहर इंतजार कर रहे हैं।''

नवीनजी बाहर आए और आश्चर्यचकित रह गए। कॉलोनी के सभी लोगों ने उन्हें फूलों से लाद दिया। बच्चे-बूढ़े सभी उन्हें बाहर सरकारी गाड़ी तक छोड़ने आए। गाड़ी में बैठते-बैठते भी वो अमरूद का पेड़ देखना न भूले। शायद कह रहे हों, ''मित्र, फिर मिलेंगे!''

समय कितना जल्दी बीत जाता है, पता ही नहीं चलता। नये काम की आपाधापी एवं जिम्मेदारी में नवीनजी को पता ही नहीं चला कि जोधपुर छोडे दो वर्ष हो गए। इन्हीं दिनों ऑफिस के काम से कोर्ट की एक पेशी के सिलसिले में उन्हें जोधपुर जाना पड़ा। जोधपुर सुबह पहुँच कर उन्होंने सोचा पहले कोर्ट का काम कर लिया जाय। होटल से तैयार होकर वो सीधा कोर्ट पहुँचे। पेशी से आते आते दो बज गए। सीधे होटल पहुँचकर कमरा खाली किया एवं गाड़ी में नीचे आकर बैठ गए। ड्राइवर उनका इंतजार ही कर रहा था।

गाड़ी में जाते-जाते उन्हें पुराने घर की याद हो आई। पुरानी स्मृतियाँ कुरेदने लगी। कॉलोनी रास्ते पर ही थी, सोचा लगे हाथों सभी से मिल लें। पुरानी यादें ताजा हो आईं। अमरूद का पेड़ देखने को उनका अंतस तड़प उठा। वे सीधे अपने पुराने घर में गए और यह देखकर अचंभित हो गये कि वहां अब कोई पेड़ नहीं था। नए किरायेदार ने बताया कि पेड़ कुछ समय पूर्व गिर गया एवं उसे फिकवा दिया गया। इसी दरम्यान कोलोनी के गिरीशजी वहां आ गए एवं उन्हें दूर एक तरफ ले गए। कहने लगे ''नवीनजी! क्या बताएं, आपके जाने के बाद से ही इस पेड़ के बुरे दिन आ गए। नये किरायेदार शर्माजी कड़क आदमी है, उन्होंने पेड़ पर किसी को नहीं चढ़ने दिया। बच्चे भी डर से अब मुंडेर पर नहीं जाते। पक्षियों को गुलेल से मारते रहते हैं एवं पेड़ के फल बाँटने का तो सवाल ही नहीं। सिवाय खुद के खाने के किसी और को फल देना तो इन्होंने सीखा ही नहीं। थोड़े ही दिनों में जैसे पेड़ को नजर लग गई। पेड़ में कीड़े लग गए। इस वर्ष कोई फल नहीं आया, थोड़े दिनों में ही पेड़ ठूँठ हो गया एवं गिर गया।'' नवीनजी को जैसे सदमा लगा।

वे चुपचाप आकर गाड़ी में बैठ गए एवं ड्राइवर को गाड़ी चलाने को कहा। गाड़ी में आते ठण्डे झोंकों से शायद उनका मन शांत हुआ। सोचा यह प्रकृति अपने आप में कितनी पूर्ण है। जब तक फल बंट रहे थे, फल आ रहे थे। ज्योंही संचय शुरू हुआ, जैसे गंगोत्री ही कट गई। जो देना नहीं जानता उसे प्रकृति देती भी नहीं है। एक अजीब-से विषाद भरे इस ज्ञान के मर्म को सोचते-सोचते न जाने कब उनकी आँख लग गई।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को

हार्दिक शुभकामनाएँ

सीतादेवी तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टी

नेमीचन्द तोषनीवाल

पूर्व अध्यक्ष

वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मदनगोपाल माहेश्वरी

विष्णुगोपाल तोषनीवाल

57-एल, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता-700019

फोन- (नि.) 033-24614925, (कार्या.) 22682676

मो. 094332-77426

मृत्युभोज का सामान्य अर्थ किसी की मृत्यु होने पर परिवार और समाज को दिया जाने वाला प्रीतिभोज है। इसमें मृतक की त्रयोदशी पर तेरह ब्राम्हणों, रिश्तेदारों और समाज के लोगों को सामूहिक रूप से भोजन कराया जाता है। परिवार के लिए यह इतना दुखद और संवेदनशील वक्त होता है कि उनके गले से खाने का एक निवाला भी नहीं उतरता पर अन्य लोगों को भोज खाने का निमंत्रण देना पड़ता है। साथ ही समय के साथ यह इतना खर्चीला हो गया है कि कई दुखी गरीब परिवारों की इसके कारण कमर टूट जाती है और वो कर्ज के तले दब जाते हैं। यह स्थिति तब और दुखद हो जाती है, जब छोटी उम्र में किसी का स्वर्गवास हो जाता है और तब भी लोग भोज का आनंद लेने उमड़ पड़ते हैं। ऐसे में इस विषय पर चिंतन अनिवार्य हो गया है। हिन्दू धर्म के अनुसार ब्राह्मणों को मृत्युभोज देना आवश्यक भी है और सर्वथा उचित भी, पर ब्राह्मणों को छोड़कर परिवार-समाज को मृत्युभोज ग्रहण करना उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

समाज को मृत्युभोज देना कितना उचित अथवा अनुचित?

शास्त्रों ने भी कहा इसे अनुचित

सुख का समय हो तो खुशी से और गम का समय हो तो दुःखी मन से ही सही पर धार्मिक रीति-रिवाज तो निभाने ही पड़ते हैं। ऐसे ही किसी के मरणोपरांत मृतक के नाम से उसके परिवार द्वारा ब्राह्मणों को मृत्युभोज देना भी हिंदू धार्मिक विधान है। वर्तमान समय में तो ब्राह्मणों के साथ-साथ परिवार और समाजबंधुओं को भी मृत्युभोज देना एक नई परंपरा बनती जा रही है। इसके कारण कभी-कभी साधारण परिवार को आर्थिक संकट से भी गुजरना पड़ता है। शोकाकुल परिवार अर्थ-संपन्न हो या ना हो पर जब परिवार में मातम छाया हो उस समय समाजबंधुओं और सगे-संबंधियों को मान-मनुहार से निमंत्रण देना और भोजन कराना सर्वथा अनुचित है। ब्राह्मणों को छोड़कर अन्य लोगों का मृत्युभोज ग्रहण करना भी निंदनीय है। ऐसे समय में हमें शोकाकुल परिवार को ढाँढस बंधाना चाहिए, आवश्यक सहायता करनी चाहिये, ऐसी दुखद घड़ियों में उनके साथ खड़े रहना चाहिये। परिवार सम्पन्न हो या ना हो; जब हमारे धर्मग्रंथों में भी मृत्युभोज ग्रहण करना अनुचित बताया गया है तो हमें उसका पालन अवश्य करना चाहिए। यह भी देखा गया है कि कहीं-कहीं शोकाकुल परिवार भी दुख में शामिल होनेवाले स्नेहीजनों से बार-बार भोजन करने का आग्रह करता है अथवा निमंत्रण देता है तो ना चाहते हुए भी मान रखने के लिए अंततः भोज करना पड़ जाता है। शोकाकुल परिवार से भी निवेदन है कि मृत्युभोज करने के लिए मान-मनुहार और आग्रह करके सामने वाले को भोजन ग्रहण करने के लिए मजबूर ना करें।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव, नाशिक

अनुचित है मृत्युभोज

जिसके घर में दुख पड़ा है जिसके आंसू नहीं थम रहे हैं, चाहे वह बड़ा हो या छोटा गया तो इंसान ही है। उसके पीछे लोगों को बुलाना, आडंबर, फिर व्यंजनों का भोज। ब्राह्मणों को खिला रहे वैसे ही अनाथ आश्रम में एक भोज करें। परमगति को श्रद्धांजलि स्वरुप सुबह मंदिर के बाहर भिखारियों को नाश्ता दे लेकिन वह सब नहीं होगा। हम खुद अपने मरणोपरांत के लिए लिख दें कि यह चीज नहीं होनी चाहिए। कहते हैं यह प्रसाद है इसको तो लेना ही चाहिए। ठीक है यदि प्रसाद के नाम से कर रहे हैं तो ब्राह्मणों को दें बाकी सब सिर्फ प्रसाद के समान ही ग्रहण करें। थाली भरकर बैठ जाना पेट फटे तक खाना वह प्रसाद नहीं महाभोज होता है। गांव परिवार उस वक्त सात पीढ़ी के भी लोग उठ कर आते हैं और बुलाते हैं। अनाज की बर्बादी के हिसाब से नहीं, पैसे के अभाव के हिसाब से भी नहीं, सोचिए जो इंसान चला गया आपका उनसे नाता प्रेम अब उनको आगे धर्म के रास्ते में अड़चन न आए। उनके नाम पर कुछ धर्म करते जाऐं मृत्यु भोज से बढ़कर कोई और भोज है ही नहीं। मैं नेपाल से हूं यहां जो किसी की क्रिया करता है उसके लिए अड़ोसी-पड़ोसी दुध, दही, भात, चिवडा ला देते है वहीं खाता हैं। जमीन पर सोना, सफेद कपड़ा खुद धोना पहनना। जो स्वयं दुखी हैं निवाला मुख में जा नहीं पा रहा तो हम मुंह का स्वाद लेने वाले कौन होते हैं?

❐ **किरण अटल**, विराटनगर (नेपाल)

शास्त्र सम्मत नहीं है मृत्यु भोज

मनुष्य की मृत्यु के उपरांत उसकी द्वादशी या त्रयोदशी पर समाज को दिया जाने वाला भोज ही मृत्युभोज है। मृत्युभोज किसी भी दृष्टि से उचित नही है। समाज को दिये जाने वाले मृत्युभोज को कई जगह एक सामाजिक ऋण मानकर इस औचित्यहीन परिपाटी का निर्वहन किया जा रहा है। इस मृत्युभोज का संबंध मृत व्यक्ति की उत्तर क्रियाओ में कहीं नही आता है। यह तर्क शास्त्र सम्मत है। (गरूड पुराण) मृत्युभोज की जड़ें समाज में इतनी गहरी पैठी हैं कि वर्तमान पीढ़ी का एक शिक्षित युवा चाहकर भी विरोध नही कर पा रहा है। समाज मे दिखावे के कारण एक मध्यमवर्गीय परिवार नीचे रसातल मे जा रहा है। कभी-कभी तो हालात इतने विकट बन जाते है कि व्यक्ति ऋण लेकर घी पीने के लिए मजबूर हो जाता है। ऐसे मे मृत्युभोज कहां तक उचित है? दुःख की बात तो यह है कि सब कुछ समझते हुए भी मृत्युभोज के मामले मे समाज बंधु लकीर के फकीर बने हुए है। रूढ़िवादिता को समूल नष्ट करने के लिए समाज संगठन को संकल्पबद्ध होना ज़रूरी है। समाज को मृत्युभोज देना शायद संबंधित व्यक्ति की मजबूरी बनी हो, लेकिन अगर हम मृत्युभोज ग्रहण न करने का संकल्प ले लें तो मृत्युभोज उन्मूलन एवं समाज हित में सकारात्मक परिणाम अवश्य सामने आयेंगे।

❐ **अयोध्या चौधरी (सोमानी)**, अलीराजपुर

समर्थ हों तो अनुचित नहीं

समाज को मृत्युभोज देना इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। नुकसान तो ये है कि यदि छोटी उम्र में किसी की मृत्यु होती है तो अच्छा नहीं लगता खाना खाना। या बिल्कुल गरीब आदमी है उसके लिए भी अच्छा नहीं मृत्युभोज देना। जिस हिसाब से महंगाई बढ़ रही है खर्चे ही नहीं निकल रहे और मृत्युभोज का अतिरिक्त खर्च। इसके फायदे है कि आजकल लोगों का मिलना जुलना कम हो गया है। कोई एक दूसरे के घर आते जाते नहीं है। तो मृत्युभोज के बहाने अगर कोई फायनेंशियल और स्ट्राँग हो, 70 प्लस हो तो मृत्युभोज में 400-500 लोग एकत्रित हो जाते हैं और एक दूसरे से मिलना जुलना हो जाता है। तो छोटी उम्र के लिए मृत्युभोज नहीं होना चाहिए और गरीब आदमी के लिए भी मृत्युभोज नहीं होना चाहिए और अगर आदमी के पास अच्छा पैसा और उम्र है तो मृत्युभोज जरूर होना चाहिए। उसका उद्देश्य मिलने का है तो मृत्युभोज के दोनों पहलु अपनी अपनी जगह सही हैं।

❐ **सुरेश राठी,** जोधपुर

दान ही सच्ची श्रद्धांजलि

जिस परिवार में शोक की लहर छाई हुई है उसकी पीड़ा परिवार से ज्यादा भला कौन समझ सकता है। ऐसे वज्रपात के बाद भी समाज जनों को मृत्युभोज में आमंत्रित करना यह कहाँ का न्याय है? ऐसी कुरीतियों को मेरे मत से समाज में प्रतिबंधित हो जाना चाहिए। जहाँ घर चलाने वाला ही ना रहा वहाँ ऐसे आडंबर का खर्चा परिजन कैसे व्यय कर पाएंगे? ऐसी परिस्थिति में कर्जा उठाकर त्रयोदशी का भोज कराना क्या पाप नहीं है? 21वीं सदी में हमें अपने विचार बदलने होंगे। हम अपने बच्चों को यही सलाह दें कि मृत्यु भोज के बजाय क्षमता अनुसार अनाथ बच्चों या विक्षिप्त लोगों को भोजन कराऐं। किसी भी प्रकार का दान जरूरतमंदों की सेवा में लगाऐं, उसी से ही स्वर्गवासी परिजन की आत्मा को शांति मिलेगी एवं सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होगी। समाज में एक उदाहरण पेश कर इस कार्य को आगे बढ़ाऐं एवं समाज जनों को जागरूक करें।

❐ **अनुभि राठी,** रतलाम

समाज का मृत्युभोज अनुचित

मृत्युभोज में एक धार्मिक विश्वास है कि मृत्युभोज कराने से लोगो की दुआ मिलती है जिससे आत्मा को शान्ति प्राप्त होती है। यह अच्छी बात तो है। पर मेरा मत यह है कि मृत्युभोज का आयोजन ब्राहमण और निज परिवार के सदस्य तक ही सीमित रखना चाहिए। यही उचित है। क्योंकि पहले ही वह परिवार शोकग्रस्त है तो उस पर खर्च भी सीमित रूप से ही होना चाहिये। अतः मेरे विचार से मृत्युभोज पर ब्राह्मण को छोड़कर परिवार-समाज का मृत्युभोज ग्रहण करना अनुचित है। समाज मे फैले इस आडम्बर पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

❐ **अंजू बाहेती,** हुबली (कर्नाटक)

मृत्युभोज क्यों करते हैं?

मानव जीवन में मुख्यतः षोडश (सोलह) संस्कारों का महत्व ज्यादा माना गया है। हालांकि हम सरलता से इनके नाम नहीं गिना सकते। बौद्धिक, आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से हम बहुत पतित हो चुके हैं। जीवन पद्धतियों को तोड़-मरोड़ कर न जाने हम तीज-त्यौहार कैसे-कैसे मनाने लग गये हैं। सोलह संस्कारों में अंतिम है मृत्यु उपरांत 'अग्निसंस्कार'। 'गर्भाधान' वैसे ही है जैसे मकान का 'पाया' (भूमिपूजन) और ठीक इसी तरह इहलोक से विदा होने के बाद 'दाग' (दाह-संस्कार)। अब इनमें एक जैसी बात है अविभाज्य संख्या 9 (नौ) की। नौ महीनों बाद नवागमन, नौ प्रकार की व्यवस्थाओं से निर्माण और नौ दिवसीय विधि के बाद गमन (दाह-संस्कार के तीसरे दिन अस्थि या फूल चुनने के बाद नौ दिन यानि कुल 3+9=12दिन)। नौ दिन का गरुड़ पुराण सुनने के बाद होता है 'मृत्युभोज' (मारवाड़ी में ओसर-मोसर)। यदि आप कभी किसी विद्वान पण्डित जी से वास्तविक गरुड़ पुराण सुनेंगे तो सारी भ्रांतियां दूर हो जाएगी कि गर्भ के नौ महीने या मृतात्मा के नौ दिन क्या होते हैं? मृत्युभोज को कम से कम एक कर्मकाण्डी ब्राह्मण या ज्यादा हो तो तेरह ब्राह्मणों को जिमाया जाता है। बड़े-बुजुर्ग इस भोज में भी सम्मिलित नहीं होते हैं। अब आप किस श्रेणी में रहना चाहते हैं, आप समझें?

❐ **जुगलकिशोर सोमाणी,** जयपुर

सक्षम न हों तो सर्वथा अनुचित

जिस घर के व्यक्ति की मृत्यु हुई हो, उस घर के सदस्यों के दिल में संताप, वेदना और अपने को खोने का दर्द समाया है तो यदि वह समाज क्या कहेगा के डर से मृत्यु भोज करता है तो वह गलत है। शास्त्रों में भी कहा है - सम्प्रीति भोज्यानि आपदा भोजयानि वा पुनैः अर्थात जब खिलाने वाले का मन प्रसन्न हो, खाने वाले का मन प्रसन्न हो, तभी भोजन करना चाहिए। यदि परिवार में कोई एकमात्र व्यक्ति कमाने वाला हो और उसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए या किसी की अकाल मृत्यु हुई हो तो उस परिवार की उस व्यक्ति की आत्मा की शांति के लिए भोज कराने की क्षमता ही नहीं होगी। पर कुरीतियों से बंधे होने और समाज क्या कहेगा के डर से मृत्यु भोज करते रहते हैं, और लोग त्रस्त परिवार की व्यथा को नजरअंदाज करते हुए मृत्यु भोज खाने को बढावा देते हैं। जबकि.. शास्त्रों में भी कहा गया है- मृत्यु भोज खाने से भी ऊर्जा नष्ट होती है। जीव की आत्मा की शांति के लिए ब्राह्मण भोज अवश्य करना चाहिए और यदि परिवार में किसी बड़े बुजुर्ग की मृत्यु हुई हो और यदि परिवार सक्षम है तो परिवार जन सामूहिक रूप से भोजन कर सकते हैं।

❐ **भारती काल्या,** कोटा राजस्थान

हम मृत्युभोज में न जाऐं

जिस परिवार पर दुख का पहाड़ टूटा उसके दुख में सम्मिलित होना है। किसी परिवार में किसी के वियोग पर सब दुखी होते हैं ऐसे समय में समाज के लोगों का वहाँ जाकर खाना खाना अनुचित होता है। हमें जाकर सांत्वना अवश्य देनी चाहिए। जिस परिवार का पालनहार चला जाता है, उस घर पर दुख का पहाड़ टूटता है। फिर भी परिवार दुख सहकर भी मृत्युभोज करता है क्योंकि समाज की इच्छा पूरी करना चाहता है। परिवार चाहे भूखा रहे, उधार लेकर पैसों की व्यवस्था कर मृत्युभोज करता है। हमें उस परिवार को समझाकर रोकना है ताकि परिवार ऋण के बोझ तले ना डूबे। मृत्युभोज में हमें नहीं जाना चाहिये और समाज में व्याप्त बुराई को दूर करना चाहिये। तभी समाज व परिवार का हित रहेगा।

❐ **लखनलाल माहेश्वरी,** अजमेर पूर्व व्याख्याता

स्वयं ही करें मृत्यु भोज का बहिष्कार

संसार में जन्म लेने वाले हर व्यक्ति की मृत्यु होना निश्चित है। हिंदू धर्म में मुख्य सोलह संस्कार बताए गए हैं। इसमें पहला संस्कार गर्भाधान है और अंतिम संस्कार यानी सोलहवा संस्कार अन्त्येष्टि है लेकिन 17 वा संस्कार यानि तेरहवी संस्कार कहां से आ गया। महर्षि दयानंद सरस्वती जी, स्वामी विवेकानंदजी जैसी कई महान विभूतियों ने मृत्यु भोज का विरोध किया। शोक में डूबे हुए परिवार को उनके दुख में शामिल होकर धैर्य और साहस प्रदान करें, मृत्यु भोज का अनावश्यक भार उन पर न डालें। जब कोई व्यक्ति मर जाता है तो उसकी विधवा गला फाड़-फाड़ कर रोती है। इन कर्कश क्रंदन रोने की चीखों के बीच बैठकर मृत्यु भोज कैसे खा सकते है? सिर मुंडाये आंखों में आंसुओं का सैलाब लिए घूम रहे बच्चों पर तरस क्यों नहीं आता? झूठी शान के लिए परिवार का धन क्यों बर्बाद कर रहे हैं? मृत्यु भोजन बन्द कराने की शुरुआत अपने घर से कीजिये बाकी समाज अपने आप सुधर जायेगा। हिंदू धर्म के अनुसार ब्राह्मणों को मृत्युभोज कराना है लेकिन समाज को मृत्यु भोज नहीं कराना चाहिए। हमारे समाज में यह सबसे बड़ी कुप्रथा है। बारहवीं या तेरहवी पर मृत्यु भोज का बहिष्कार करें।

❐ **कुमकुम काबरा,** बरेली (पश्चिमी उत्तरप्रदेश की उपाध्यक्ष)

सरासर गलत है यह परम्परा

समाज हमारे व्यवहार का प्रतिबिंब है। जैसे हमारे आचार विचार होंगे, वैसा ही हमारे समाज का विकास होगा। मृत्यु भोज तो एक सामाजिक कुरीति है ही लेकिन ब्राह्मणों के साथ समाज के लोगों का भोजन सरासर गलत है। अपनों को खोने की पीड़ा के बाद मृत्यु भोज में धन का अपव्यय भी पीड़ित परिवार के दुखों को और बढ़ाता है। गरीब तबके पर मृत्यु भोज एक बोझ है। उधार ले कर केवल परंपरा का निर्वाह करने के लिए भोज कराना किसी को कैसे पुण्य दिला सकता है। मृत्यु भोज हमारे आधुनिक व सभ्य कहे जाने वाले समाज के मुंह पर तमाचा है। हम मृत्यु भोज दिवंगत आत्मा की शांति व पुण्य बढ़ाने के लिए करते हैं तो भूखे पेट को भोजन देने, मूक व निरीह पशुओं को खिलाने से बड़ा तो कोई पुण्य हो नहीं सकता। गरीब व जरूरतमंद परिवार को भोजन कराने से अवश्य ही आशीर्वाद मिलेगा। समाज के लिए कुछ करना ही है तो नेक कार्यों के साथ हरियाली बढ़ाऐं, पेड़-पौधे लगाएं व बांटे। इससे सभी का भला होगा व रोजगार भी मिलेगा जो किसी भी मृत्यु भोज से ज्यादा फलदायी व सुखदायी होगा। माहेश्वरी समाज देश में सभ्य व प्रबुद्ध समाज में जाना जाता है। हम इस कुरीति का बहिष्कार करके अपने व दूसरे समाज के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन सकते हैं।

❐ **विनीता काबरा,** जयपुर

सर्वथा बंद हो ऐसी कुप्रथा

जहां किसी परिवार में मृत्यु हुई हो, दुःख का समय हो, वहां पर भोज की परंपरा मन को विचलित कर देती है। मगर यह परंपरा हमेशा से ऐसी नहीं थी। पांच पकवान बनाकर रिश्तेदारों को आमंत्रित करने की प्रथा (कुप्रथा) प्रचलन में नहीं थी। वरन् रिश्तेदार तो दुःख की इस घड़ी में परिवार को संबल देने हेतु आते थे, व स्वयं खाना बना कर लाते थे और शोक संतप्त परिवार को जैसे-तैसे भोजन खिला कर चले जाते थे। मगर आज यह परंपरा आडंबर का रूप ले चुकी है ।भोज चाहे ब्राह्मणों के लिए हो अथवा रिश्तेदारों के लिए; मृत्यु भोज दोनों ही दृष्टिकोण से सर्वथा अनुचित है। आज महंगाई के युग में दुख की इस घड़ी में दुःखी परिवार पर मानसिक व आर्थिक दबाव रहते हैं और कभी-कभी तो दिखावे के लिए कर्ज लेकर भी परिवार परंपराओं को निभाता है। क्या यह न्यायोचित है? अथवा समाज के हित में है? आज आवश्यकता है मानव समाज को अपनी सोच बदलने की। समय के साथ परंपराओं में सुधार होना अत्यंत आवश्यक है। मृत्यु भोज जैसी कुप्रथा सर्वथा बंद होनी चाहिए और सामाजिक स्तर पर इस पर रोक लगनी चाहिए। मृत्यु भोज का आयोजन करना व उसमें जाना दोनों ही निषेध होना चाहिए। बल्कि ऐसे में शोक संतप्त परिवार को यदि आवश्यकता है, तो आर्थिक सहयोग देकर उसे संबल दिया जा सकता है।

❐ **पल्लवी दरक न्याती,** कोटा राजस्थान

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

With Best Compliments from...

Sri Arun Laddha
Director

JRL
GROUP
Creating Wealth
Preserving Values

Sri Jodh Raj Laddha
Chairman

J. R. Laddha Financial Services Pvt. Ltd.

The Trusted Corporate Financial Advisor For Last Four Decades

- Wealth Management
- Corporate Finance
- Investment Banking

Our focus has always been on twin aspects of preserving Values in business and creating wealth for our customers.

Corporate Office

5th Floor , Nehru Center, Worli , Dr. Annie Basant Road, Mumbai - 400 018
Ph.:(022) 4025 9000 Fax: +91 22 4025 9001

Registered Office

"Everest House", 8th Floor, 46C, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata 700 071 Ph.:(033) 2288 2990/91/93 Fax: +91 33 2288 2994

BRANCH OFFICE : NEW DELHI

info@jrladdha.in • www.jrladdha.in

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

खुश रहें - खुश रखें

भौंरे से सीखें कैसे जिया जाए जीवन

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

देश हो, समाज हो या फिर परिवार की ही बात क्यों न हो, असली त्याग तब होता है, जब आप ये जान लेते है कि हमारा कुछ भी नहीं है। मनुष्य जब इस भाव से जुड़ता है, तब त्याग घटता है। लोग संसार छोड़ने की बात करते हैं, लेकिन गहराई में देखा जाए तो संसार हमारा है ही कहां, जिसे हम छोड़ेंगे? यदि इसे समझ लेंगे तो संसार में रहने का मजा ही बदल जाएगा।

गौतम बुद्ध ने एक बड़ी सुंदर बात कही है- जिस प्रकार भंवरा फूल और उसकी गंध को नुकसान पहुंचाए बिना उसका रस ले लेता है वैसे ही हमारे मुनिगण गांव में भिक्षाटन करें। बात बहुत बढ़िया है। वास्तव में जैसे भंवरा बिना कोई नुकसान किए रस लेकर चल देता है, वैसे ही हम जिंदगी को बिना कोई हानि पहुंचाए जीवन को जी लें। यह अहिंसा का उदाहरण है।

हम रस तो ले सकते हैं पर किसी को नुकसान पहुंचाने के अधिकार नहीं हैं। अहिंसा का ऐसा भाव जीवन में आते ही अशांति चली जाएगी। बुद्ध समझा रहे हैं, जीवन हमें जो भी रस दे, उसको ले लिया जाए और धन्यवाद दे दिया जाए। कहीं ऐसे भँवरे न बन जाएँ जो रस चूसने में इतने मशगूल हो जाते हैं कि उड़ना ही भूल जाते हैं और शाम को जब कमल के फूल की पंखुडियाँ बंद हो जाती हैं, तो उसी में कैद हो जाते हैं। बस दुनिया में यही हमारी जिंदगी का ऊसूल हो जाए। यह दुनिया हमारे लिए कारागृह नहीं बन जाए। रस लें और आभार दें, बिना किसी को कोई नुकसान पहुंचाए मुक्त हो जाएँ। मामला राष्ट्र का हो, समाज का या परिवार का, हम भँवरे की तरह फूल को बिना नुकसान पहुंचाए इनसे मिलने वाले आनंद की रसानुभूति कर सकते हैं।

ऋषिमुनि समूह द्वारा कालगणना की नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री अवन्तिका पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

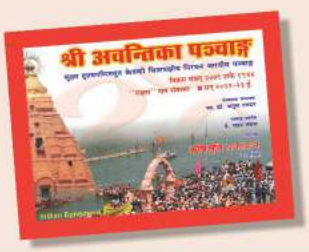

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें पञ्चाङ्ग में

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

पास्ता रिकोटा

सामग्री : एक कप मलाई पनीर, 3/4 कप टमाटर सॉस, दो टेबल स्पून चीज, एक कप उबले हुए पास्ता, नमक स्वाद अनुसार।

विधि : पनीर को मिक्सर में अच्छी तरह से पीस लेवे, अब इसमें चीज और नमक मिलाकर पास्ता डालें। अब टमाटर सॉस को हल्का सा गर्म करके पास्ते के ऊपर से डाल दें। ऊपर से लाल पीली हरी शिमला मिर्च से सजाकर पेश करें। या फिर तुलसी के पत्ते से सजाकर पेश करें।

अल पैस्तो पूनोवैसा

सामग्री : सौ ग्राम पास्ता, 50 ग्राम तुलसी की पत्तियां, 25 ग्राम काजू और अखरोट, नमक स्वाद अनुसार, 2 टेबलस्पून आलीव ऑयल, दो कली लहसुन की, 2 टेबलस्पून चीज, 50 ग्राम क्रीम।

विधि : तुलसी की पत्तियों को अच्छी तरह से साफ कर ले, क्रीम को छोड़कर बाकी की सभी सामग्रियों को मिक्स करके अच्छी तरह से पीस लें। फिर इस क्रीम में उबले हुए पास्ता डाल दे, चीज और हरे धनिए से सजाकर गरमा गरम पेश करें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

ज्ञानवापी मंदिर है या मस्जिद..?

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रिया हां ज्ञानवापी मस्जिद री... हुकुम वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में सर्वे हुयों उण परिसर में मस्जिद है और मस्जिद रे ठीक बगल में काशी विश्वनाथ मन्दिर है इतिहास बतावें इने औरगंजेब एक मन्दिर तोड़ने बणवायों थो अबार सर्वे सुं मिलियाँ सबुतों रे आधार पर अलग-अलग दावा लगा रिया है हिन्दु पक्ष सूं सोहनलाल आर्य मिडिया ने बतायो कि अन्दर शिवलिंग है साथै यो भी दावो करियो कि गुबंद और फर्श पर भी ॐ, कमल, गणेशजी, नादियां रा चित्र मिळीयाँ। मस्जिद रो मौला अजुंमन इंतजामिया मसाजिद इण बात ने नकार रिया है।

हुक्म ज्ञानवापी सर्वे लड़ाई हक छीनन री नहीं अपणो हक पावण री है कुछ मुस्लिम नेता रो केवणो है पुराणों मामलो कुरेदने सुं नफरत बढ़ी, वाणो केवणो है 1991 के Places of Worship एक्ट रे तहत 1947 के बाद कोई भी धार्मिक रो प्रारूप बदलणों अधिकार नही है कुछ लोग शिवलिंग री मजाक उड़ा रिया है कुछ लोग खुले आम धमकी दे रिया है अगर मस्जिद री छेडखानी करी तो लाखों मुसलमान सडक पर आ जावेला।

हुकुम अगर न्याय री बांत करां तो या बात मायने नही राखे कि जुल्म किता साल पेला हुयों। इजराइल और युरोपिय देशो ने दुसरा विश्वयुद्ध रे अपराधियों ने पचास-पचास साल बाद तक दुनिया रे कोने-कोने सूं ढूंढ ढुढ़ ने सजा दी। कुछ दिन पेला बिहार में एक जमीन विवाद अदालत 105 साल बाद फैसलो सुणायों। आज भी मुस्लिम समाज यरूशलेम सूं लेने अमेरिका रे काकेशस तक इण री लड़ाइयां लड़ रिया है तो पछे मथुरा काशी पर आपत्ति क्यों ?

इतिहास गवाह है हुकुम 18 अप्रैल 1669 में ओरगंजेब एक फरमान जारी कर काशी विश्वनाथ मन्दिर ध्वस्त करण रो आदेश दियो यो फरमान आज भी कोलकाता री एशियाटिक लाइब्रेरी में सुरक्षित है।

उण समय रो लेखक साकी मुस्तइद खां द्वारा लिखित 'मासी दे आलम गिरी' में मंदिर ध्वस्त रो वर्णन है।

हुक्म मन्दिर ध्वस्त री एक दो नही सैकड़ो मामला है इण वास्ते यां बात मायने नही राखे कि मामलो कितो पुराणों है। हिन्दु परंपरा में देवताओं री देखभाल एक बच्चे री तरह की जावे, एड़ा में किकर संभव है शिवलिंग रो पतो लागण रे बाद हिन्दूभक्त लाग आंख्याँ मूंद ले।

हुकुम चाहे अयोध्या हो या काशी, अगर कोई जगह हिन्दूओं रे वास्ते धार्मिक महत्व री है और अतीत में बहुत गलत हुयो या बाद इण देश रा मुसलमान भी समझे... वापस पावण रो मतलब यों कतई नही है कि आज रे मुसलमान माथे कोई जुल्म हो रियो है। अगर ट्रिपल तलाक खत्म हुयो तो मुस्लिम महिलाओं ने फायदो हुयो। धारा 370 हटण रे बाद कश्मीर में हालात सामान्य हुआ। टूरिज्म कई दशकों पछे अपने आपने सहज महसुस करण लाग्या तो इणो फायदो कश्मीरियों ने हुयों।

मुस्लिम नेताओं रे वास्ते यो ही बेहतर निर्णय हुवेला कि धमकी दिया बिना पुर्वाग्रह रे हिन्दूओं री भावनाओं ने भी समझे। या लड़ाई किन्ही रो हिस्सों छिनण री नही अपनो हक पावण री है और हक तो मिळेला ही ... क्योंकि सत्य डगमगा सके पर जीत सत्य री ही हुवे... भारत हिंदुओ रो बसायोडो है यों उजागर हुने रेवेला ।

मुलाहिजा फरमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- थोड़ा सा आदर का स्पर्श तो करके देखिये ।
  इंसान का हृदय भी टच स्क्रीन से कम नहीं ।।
- 'हम' से 'मैं' पर आते ही 'अभिमान' शुरू और ।
  'मैं' से 'हम' पर आते ही 'प्रगति' और 'परिणाम' शुरू ।।
- फन कुचलने का भी हुनर रखिये साहब ।
  साँप के ख़ौफ़ से जंगल नही छोड़ा करते ।।
- तन उजला, मन काला, बगुले जैसा भेष ।
  इससे तो कौवा भला, बाहर भीतर एक ।।
- खुद से जितने की जिद है, मुझे खुद को ही हराना है ।
  भीड़ नहीं हूँ मैं दुनिया की मेरे अंदर एक जमाना है ।।
- पहले चांदी के चमचे हुआ करते थे ।
  अब चमचों की चांदी हुआ करती है ।।
- छप के बिकते थे जो अखबार ।
  सुना है इन दिनों बिक के छपा करते हैं ।।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए सुखद रहेगा धार्मिक मामलों में अग्रणी रहेंगे शुभ काम मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। कूटनीति में आपको दक्षता प्राप्त होगी, भौतिक सुख-सुविधाओं में आप खर्च करेंगे। प्रबंधन के क्षेत्र में विशेष सफलता अर्जित होगी। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। पति-पत्नी एवं दांपत्य जीवन में कुछ वैचारिक मतअंतर का सामना करना पड़ेगा। कुछ काम होते-होते नहीं हो पाएंगे। वाहन सुख में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। भाई, परिवारजनों से उन्हें तो प्राप्त होगा, परंतु सहयोग प्राप्त नहीं हो पाएंगे। मन ही मन कटुता महसूस करेंगे।

वृषभ

यह माह आर्थिक दृष्टि से संपन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। कभी-कभी जल्दी गुस्सा आ जाए करेगा। वाणी पर नियंत्रण नहीं रह पाएगा। अपने बलबूते से प्रगति करते हुए जीवन लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करना होगा। मामा परिवार से वैचारिक मतअंतर रहेगा। इष्ट साधना के योग प्रबल रहेंगे भगवान की आराधना के प्रति आपका रुझान अधिक देखने को मिलेगा। पाचन तंत्र पेट गैस से संबंधित कष्ट के प्रबल योग बने रहेंगे। परिवार में स्नेह का वातावरण रहेगा। विरोधी नित नए ढंग से विरोध दर्ज करेंगे, परंतु सफल नहीं हो पाएंगे। आर्थिक लाभ होगा। नवीन नौकरी नवीन कार्य व्यवसाय में सफलता के योग प्रबल बने रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी एवं सम्मान प्राप्ति के योग रहेंगे।

मिथुन

यह माह आपको राजकीय पक्ष से अनुकूलता से युक्त रहेगा। संतान से संबंधित कार्यों के प्रति चिंतित रहेंगे एवं कड़ी मेहनत के पश्चात कार्य में सफलता अर्जित होगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्रोत की प्राप्ति होगी। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। शासन सत्ता से लाभ के योग प्रबल रहेंगे। अचानक धन लाभ के योग तथा तेजी मंदी से संबंधित कार्यों में अच्छी सफलता के योग रहेंगे। भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे। एक के बाद एक समस्या आपके सामने हमेशा खड़ी रहेगी। मित्रों के प्रति खर्च करना पड़ेगा।

कर्क

यह माह आपके लिए राजकीय पक्ष की अनुकूलता से युक्त रहेगा। शासन में आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। अधिकारियों से भी तालमेल श्रेष्ठ रहेगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। झूठा आरोप का भी सामना करना पड़ेगा। मन चिंतित एवं उदास भी रहेगा। एक के बाद एक समस्या आपको घरे रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। आए पर्याप्त रहेगी एवं उसी अनुपात में खर्च भी करना पड़ेगा दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी शिक्षा से संबंधित व्यक्तियों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता जीत होगी।

सिंह

यह माह आपके लिए सुखद परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा। विरोधियों को परास्त करने में सफलता अर्जित होगी। विवाह संबंध का निर्धारण होगा। धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के योग रहेंगे। किसी गूढ़ रहस्य में ज्ञान में वृद्धि होगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता शासन सत्ता एवं राजनैतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा आडियल स्वभाव कारण परेशानी भी उठाना पड़ेगी। लोकप्रियता प्राप्त होगी। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कन्या

यह माह आपके लिए आर्थिक दृष्टि से श्रेष्ठ रहेगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में खूब विचार करेंगे। अंतिम निर्णय नहीं ले पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजन का लुफ्त उठाएंगे। विरोधी परास्त होंगे। विवाह संबंध का निर्धारण होने के योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक कार्यों में शुभ कार्य में भाग लेंगे। कर्ज के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होने के योग प्रबल रहेंगे। गूढ़ रहस्यमयी ज्ञान में वृद्धि होगी परंतु मन में अनिश्चितता एवं दुविधा अधिक रहेगी। कई बार निर्णय नहीं ले पाएंगे और पशोपेश में रहेंगे, क्या करूं क्या नहीं अज्ञात भय बना रहेगा। पत्नी एवं ससुराल के माध्यम से धन प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। नवीन कार्य व्यवसाय की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी।

तुला

इस माह में आपका मन प्रसन्न रहेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। मिष्ठान भोजन का आनंद लेंगे। दांपत्य जीवन में खट्टा मीठा बना रहेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। भाग्य का उदय होगा आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नवीन कार्य व्यवसाय में प्रगति तथा पद प्रतिष्ठा पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। भूमि, भवन, जायदाद से संबंधित कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। रिश्तेदारों से मेलजोल बढ़ेगा। आमोद प्रमोद के संसाधनों पर खर्च करना पड़ेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। संतान से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

यह माह आपके लिए राजकीय पक्ष की अनुकूलता प्रदान करने वाला होगा। नौकरी में पद-प्रतिष्ठा एवं पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। इच्छित स्थानांतरण होगा। रोजगार के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। कार्य की अधिकता से व्यस्तता बनी रहेगी। संतान के संबंधित कार्यों में सफलता अर्जित होगी। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को अपनी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे। रक्त विकार से कष्ट के योग बनते हैं। खर्च की अधिकता रहेगी। विवाह संबंध का निर्धारण होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

धनु

यह माह आपके लिए कार्य की अधिकता प्रदान करने वाला रहेगा। परिश्रम की तुलना में परिणाम से असंतोष भाव आएगा। संतान के कार्यों में रुकावट के साथ सफलता मिल जाएगी। चुनौतीपूर्ण कार्य में सफलता प्राप्त होगी। धार्मिक यात्रा के योग शुभ कार्यों में भाग लेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे, किंतु कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। दांपत्य जीवन में सामान्य नोक-झोंक रहेगी, किंतु परिश्रम का फल रंग लाएगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। तेजी मंदी से संबंधित कार्य में सफलता के योग रहेंगे। पाचन तंत्र एवं ठंडे मौसम जलाशय से सावधानी बरतना आवश्यक रहेगा।

मकर

यह माह आपके लिए सुखद परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा। पिछले कुछ वर्षों से रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे। भाई परिवारजनों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। वाहन सुख मकान सुख के योग प्रबल रहेंगे। वाणी के कारण बनता हुआ कार्य बिगड़ सकता है। अतः वाणी पर सावधानी बरतें संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी पर विजय प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष के अनुकूलता रहेगी। आय के नए स्रोत की प्राप्ति होगी नौकरी की प्राप्ति पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि, इच्छित स्थानांतरण के योग प्रबल रहेंगे। शौक मौज-मस्ती का आनंद उठाएंगे।

कुम्भ

यह माह आपके लिए भाग्योदय कारक रहेगा। रुके हुए कार्य में सफलता प्राप्त होगी। मानसिक तनाव तो रहेगा, परंतु अंततः अपने कार्यों में सफलता मिल जाएगी। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। संपत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे। शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। भाई, परिवारजनों का सहयोग प्राप्त होगा। चुनौती भरे कार्यों में युक्ति युक्त तरीके से करने में सफलता अर्जित होगी। वाहन सुख की प्राप्ति एवं मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मानसिक तनाव टेंशन रहेगा। भाग्योदय से संबंधित प्रकरणों में रुकावट के साथ सफलता अर्जित होगी।

मीन

यह माह आपके लिए सुखद फल प्रदान करने वाला रहेगा। दूर देश की यात्रा के योग, वाहन खरीदने के योग, स्वजनों से मान सम्मान की प्राप्ति होगी एवं अपने कार्य व्यवसाय से आपको संतुष्टि प्राप्त होगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। ऋण के माध्यम से स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। पैतृक संपत्ति मिलने के योग रहेंगे। आपके द्वारा दी गई सलाह लोगों को कारगर सिद्ध होगी। बड़ी या सरकारी नौकरी के योग प्रबल रहेंगे। गूढ़ रहस्य में ज्ञान की प्राप्ति में रुचि बढ़ेगी। खर्च पर पूर्ण नियंत्रण बना रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा एवं सम्मान प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे शिक्षा से जुड़े लोगों को आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

शिक्षा दान महादान कहा गया है। यह ऐसा दान है, जो पत्थर को भी हीरा बना देता है। ऐसे ही निःस्वार्थ शिक्षा दान से नयी पीढ़ी का जीवन संवारने वाले श्री गंगानगर निवासी प्रो. श्यामसुन्दर माहेश्वरी नहीं रहे। आप इसी अप्रतीम सेवा के लिये देश के अति सम्मानीय पद्मश्री सम्मान से भी अलंकृत हुए थे।

नहीं रहे शिक्षा की ज्योति जलाने वाले

पद्मश्री प्रो. श्यामसुंदर माहेश्वरी

आजीवन शिक्षा की अलख जगाते रहे पद्मश्री प्रो.श्यामसुंदर महेश्वरी का 71 वर्ष की आयु में शनिवार शाम निधन हो गया। प्रो.माहेश्वरी सप्ताह भर से अस्वस्थ चल रहे थे, लेकिन उपचार मिलने के बाद धीरे-धीरे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा था। उनका अंतिम संस्कार रविवार आठ मई 2022 को हुआ। अंतिम यात्रा सुबह 9 बजे निवास स्थान 3 एफ ब्लॉक श्रीगंगानगर से पदमपुर मार्ग स्थित कल्याण भूमि के लिए रवाना हुई। इस अंतिम यात्रा में शामिल हो कई ख्यात शिक्षाविद्, समाजसेवी आदि गणमान्यजनों ने आपको अंतिम विदाई दी। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है।

कई जिंदगियों को संवारा

प्रो. माहेश्वरी ने तीन दशकों से भी अधिक समय तक श्रीगंगानगर के खालसा कॉलेज में प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दी। इसी दौरान रेलवे स्टेशन के पास झुग्गियों में रहने वाले बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उन्होंने उठाया। यह बच्चे दिन भर सड़कों पर घूमते भीख मांगते थे। इन बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था उनकी झोंपड़ियों के पास ही की गई, जहां एक अध्यापक सुबह तीन-चार घण्टे इन्हें पढ़ाता। अक्षर ज्ञान होने के बाद सभी बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवा दिया गया। उन बच्चों में से कई बच्चे आज सरकारी सेवा में हैं।

शिक्षा दान के लिए हुए सम्मानित

आर्थिक कारणों से बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों को पढ़ने में मदद करने के उद्देश्य से प्रो. माहेश्वरी ने 1990 में विद्यार्थी शिक्षा सहयोग समिति की स्थापना कर शहर के उन दानवीरों को इससे जोड़ा जो निर्धन परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को उनकी पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग देना चाहते थे। यह काफिला ऐसा चला कि कारवां बन गया। विद्यार्थी शिक्षा सहयोग समिति की मदद से आज दर्जनों बच्चे जज सहित कई उच्च पदों पर आसीन हैं। विद्यार्थी शिक्षा सहयोग समिति आज उच्च प्राथमिक स्तर का स्कूल चला रही है, जिसमें निर्धन परिवारों के सैकड़ों बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। प्रो. माहेश्वरी लम्बे समय तक समिति के सचिव रहे। वर्तमान में वे इसके अध्यक्ष थे। शिक्षा के क्षेत्र में इस अद्वितीय नवाचार के लिए भारत सरकार ने 14 अप्रैल 2009 को पद्मश्री से सम्मानित किया था।

श्रीमती चंद्रकलाबाई राठी

महिदपुर (उज्जैन)। समाजसेवी स्व. श्री धन्नालाल जी राठी की धर्मपत्नी, स्व. श्री कमलकिशोर जी, हरिनारायण जी, नरेन्द्रकुमार जी तथा समाजसेवी डॉ. रविन्द्रकुमार राठी की माताश्री श्रीमती चंद्रकलाबाई राठी 94 वर्ष पूर्ण कर गत 23 मई को स्वर्ग सिधार गई है। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री तथा प्रपौत्र आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं। उल्लेखनीय है आपने पतिश्री स्व. धन्नालाल जी राठी की स्मृति में माहेश्वरी भवन (धन लक्ष्मी परिसर) तथा क्षिप्रा नदी पर राठी घाट का निर्माण करवाया गया।

श्रीमती पुष्पलता झंवर

वर्धा। माहेश्वरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष तथा जेबी साईंस कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. चित्रकुमार झंवर की पत्नी पुष्पलता झंवर का 75 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया।

श्री पुरूषोत्तम झंवर

उज्जैन। स्व. श्री वल्लभदास झंवर के सुपुत्र तथा रामनिवास, रामस्वरूप, मनसुख, महेश, दिलीप एवं द्वारकाप्रसाद के भाई तथा निलेश के पिता श्री पुरुषोत्तमदास झंवर का देवलोकगमन गत 3 मई 2022 को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। आपके निधन पर श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार एवं गणमान्यजनों ने श्रृद्धांजलि दी है।

नेत्रदानी बनीं श्रीमती मूलीबाई काबरा

बून्दी। समाज की वरिष्ठ श्रीमती मूली बाई काबरा का गत दिनों हृदयाघात से निधन हो गया। उनके निधन की सूचना कोटा व बून्दी समाज के सभी लोगों में पहुंची। भाजपा नेता व ज्योति मित्र संजय लाठी ने तत्काल श्रीमती मूली बाई के नैत्रदान करवाने के संदर्भ में परिवार में उनके सुपुत्र कोटा निवासी सत्यनारायण काबरा व सुपौत्र इंजीनियर पंकज काबरा से दूरभाष पर सम्पर्क किया। श्री लाठी की समझाइश के उपरांत सहमति होते ही तुरंत ईबीएसआर-बीबीजे चैप्टर की को-ऑर्डिनेटर डॉ. कुलवंत गौड़ को नेत्रदान लेने के लिए बुलाया गया।

SIP : भविष्य के लिए !

उज्ज्वल भविष्य के लिए करें, नियमित निवेश

उच्च शिक्षा

शादी

मकान

स्वास्थ्य सुरक्षा

वृद्धावस्था सुरक्षा

Accumulated Amount,
If investing ₹ 5000 per month

Amount in Lakhs

Period In years	Amount Invested	Maturity Amount, if return @		
		7%	12%	15%
10	6.00	8.70	11.61	13.93
15	9.00	15.94	25.22	33.84
20	12.00	26.19	49.95	75.79

Equity Linked Savings Scheme
(Mutual Funds)

- **Tax Rebate - Section 80C for investment upto Rs.1.50 Lakh**
- **Lowest lock-in period of 3 years among 80C investment options**
- **Now you can Purchase in Demat Form also**

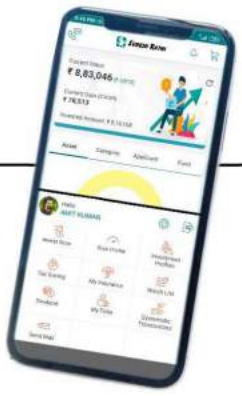

experience our new
Mutual Fund Mobile APP
SIP AT YOUR FINGERTIPS

Download APP from Playstore / iOS
Suresh Rathi MF

Suresh Rathi

Since 1981

Wealth Creator thru Systematic Investment

info@sureshrathi.in | 1800 120 2484 | www.sureshrathi.com

Mutual Fund Investments are subject to Market Risk. Read all scheme related documents carefully.

आज़ादी का अमृत महोत्सव | मध्यप्रदेश शासन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

सेहतमंद मध्यप्रदेश के लिए सरकार का अचूक कदम

लोगों का स्वस्थ और निरोगी होना आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की कुंजी है। राज्य सरकार ने प्रदेश के आखिरी पायदान पर बैठे व्यक्ति तक के स्वास्थ्य की चिंता की है। प्रधानमंत्री की जनआरोग्य योजना में प्रदेश में 95 प्रतिशत परिवारों को 2 करोड़ 66 लाख आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं, जो पात्र जनसंख्या का 56.6 प्रतिशत है। यह सिलसिला रुका नहीं है बल्कि हर पात्र को आयुष्मान योजना की परिधि में लाने और उसकी पहुँच में स्वास्थ्य की प्रत्येक सुविधा पहुँचाने का काम लगातार जारी है।

प्रदेश में एम्बुलेंस सेवा को और सुदृढ़ करने हेतु **1002** संजीवनी 108-एम्बुलेंस वाहन तथा **1150** जननी एक्सप्रेस वाहनों का संचालन

प्रदेश में पात्र **1.09 करोड़** परिवारों में कम से कम एक सदस्य के पास अब आयुष्मान कार्ड

प्रदेश को ऑक्सीजन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से **34 जिला चिकित्सालयों** में **6 किलोलीटर** की क्षमता वाले लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन के टैंक स्थापित

राज्य के 13 लाख 56 हजार से अधिक लोगों को किसी न किसी तरह की चिकित्सा का लाभ

हैल्थ एंड वैलनेस सेंटरः
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व उप स्वास्थ्य केन्द्रों को चरणबद्ध तरीके से ऐसे सेंटरों में बदलने का काम जारी। अब तक 7115 सेंटर कार्यरत

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में उपलब्ध सुविधाएँ

- टेली मेडिसिन की सुविधा
- असंचारी रोग की जांच की सुविधा
- योग और स्वास्थ्य संवर्धन
- निःशुल्क जांच और दवा
- 12 प्रकार की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा

कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसरः
सामुदायिक स्वास्थ्य में प्रमाणपत्र कोर्स कराकर कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसर (सीएचओ) तैयार, जो समुदाय के स्वास्थ्य की देखरेख करेंगे

निःशुल्क पैथॉलाजी जांच योजना

योजना के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्रों से लेकर जिला चिकित्सालयों तक में निःशुल्क पैथॉलाजी जांच की सुविधा

D19172/22

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 June, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com